जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 270 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 1 अगस्त, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल 15 दिन की यात्रा करेंगे बिहार में

राहुल के साथ तेजस्वी यादव भी कई स्थानों पर शामिल होंगे, तथा छोटी -छोटी सभाएं आयोजित करेंगे उन लोगों के साथ जिनका नाम मतदाता सूची से कटा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। बिहार में लगभग 70 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने को लेकर सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के बीच टकराव तेज़ होता जा रहा है, क्योंकि विपक्ष इस मुद्दे को छोड़ने के मूड में नहीं है।

आगामी दिनों में संसद में इस मुद्दे को लेकर हंगामा जारी रहने की पूरी संभावना है, और ऐसे में सरकार के लिए किसी भी प्रकार का विधायी कार्य करना लगभग असंभव हो जाएगा।

चुनाव आयोग द्वारा आज देर रात मतदाता सूची जारी किए जाने के बाद, जिन लोगों के नाम सूची से हटाए गए हैं, उन्हें इसकी जानकारी मिलेगी और वे संगठित होकर अपना विरोध दर्ज कराना शुरू करेंगे और आने वाले दिनों में इस पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता सामने आने लगेगी।

विपक्ष अगले सप्ताह के मध्य में संसद भवन से चुनाव आयोग तक मार्च करेगा, तब तक बिहार के प्रभावित लोग

- **राहुल का सोच है, इस यात्रा के बाद, बिहार में मतदाताओं का नाम काटने की प्रक्रिया (एस.आई.आर.) संसद से सड़क तक गूँजेगी।**
- **बिहार से पहले राहुल कर्नाटक भी जायेंगे, और इस बात का ढिंढोरा पीटेंगे कि कैसे चुनाव आयोग ने एक विधानसभा सीट पर एस.आई.आर. प्रक्रिया से एक लाख सात हजार मतदाता "चुराये", तथा भाजपा इस लोकसभा सीट की बाकी चारों विधानसभा सीटों पर हारी, लेकिन, क्योंकि एक विधानसभा सीट पर मार्जिन इतना अधिक था कि भाजपा वो लोकसभा सीट जीत गई।**
- **गत छः महीने से कांग्रेस ऐसे डेटा (आकड़े) इकट्ठे करने का काम कर रही है, तथा इन आकड़ों का अंतिम निष्कर्ष राहुल, आम सभा में बतायेंगे।**
- **तथा यह साबित करेंगे कि चुनाव आयोग भाजपा को जीत हासिल कराने में पूर्ण सहयोग कर रहा है।**

ज़ोर-शोर से अपनी आवाज़ उठाना शुरू कर चुके होंगे।

इससे पहले, राहुल गांधी 4 अगस्त को कर्नाटक जा रहे हैं, जहाँ वे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उस विधानसभा क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा की गई कथित गड़बड़ी की जानकारी साझा करेंगे, जहाँ करीब 1 लाख 7 हजार वोट चुराए गए थे।

भाजपा उस लोकसभा क्षेत्र के चार अन्य विधानसभा क्षेत्रों में हार गई थी, लेकिन एक विधानसभा क्षेत्र में इतने बड़े अंतर की वजह से, वह लोकसभा सीट जीतने में सफल रही थी।

कांग्रेस ने पिछले छह महीनों में इस पूरे मामले का विस्तृत अध्ययन किया है, और इस अध्ययन के निष्कर्ष राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस में साझा करेंगे, ताकि यह साबित किया जा सके कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर जनता के जनादेश को चुराने का काम कर रहा है।

राहुल के दिल्ली लौटने के बाद, विपक्ष चुनाव आयोग के खिलाफ एक नया हमला शुरू करेगा।

राहुल गांधी बिहार में 15 दिन की यात्रा पर भी निकल रहे हैं, जहाँ कुछ जगहों पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव भी उनके साथ जुड़ेंगे। यह यात्रा गाड़ी से, पदयात्रा के रूप में, छोटी-छोटी जनसभाओं और संवाद सत्रों के ज़रिए होगी, जो पटना के गांधी मैदान में एक बड़ी जनसभा का रुप ले लेगी।

इस यात्रा के दौरान, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव उन मतदाताओं से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह होगी

जयपुर, 31 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े ईडी प्रकरण में आरोपी पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका को सुनने के लिए तय की गई एकलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है, जहां जोशी की जमानत पर आगामी सप्ताह में सुनवाई होगी। जस्टिस आशुतोष कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाएं सुनने के लिए नया रोस्टर आ गया है। ऐसे में

- **ईडी कोर्ट में महेश जोशी, पुत्र रोहित सहित डेढ़ दर्जन आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया जा चुका है।**

प्रकरण को नियमित बेंच के समक्ष भेजा जा रहा है।

जमानत याचिका में कहा गया कि प्रकरण में उन्हें फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद, बिना कोई परिस्थिति बदले, याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा, ईडी याचिकाकर्ता पर 2.01 करोड़ रुपए का आरोप लगा रही है, जबकि इसे लेकर ईडी के पास कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जिस जूनून से अमेरिका भारत को सबक सिखाने में जुटा है वह उसकी खीज व कुंठा का सबूत है

कुंठा इसलिए कि ट्रंप की "डील मेकिंग" की चेष्टा लगभग विफल ही रही

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 31 जुलाई। भारत को निश्चित रूप से ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ का सीमित आर्थिक प्रभाव झेलना पड़ेगा। हालांकि, यदि भारत अपने निर्यात आधार में विविधता लाने का ठोस प्रयास करे, तो इस प्रभाव को अंततः नियंत्रित किया जा सकता है।

जहाँ यह अधिक चोट पहुँचा सकता है, वह है अमेरिका की समग्र नीति में बदलाव। अमेरिका में भारत-विरोधी तत्वों की कोई कमी नहीं है, जो पाकिस्तान को भारत को परेशान करने के लिए एक साधन के रूप में देखना चाहते हैं। ये लॉबी पहले से ही सक्रिय हो चुकी है।

- **ट्रम्प की "डील मेकिंग" (दादागिरी पूर्ण सौदेबाजी) असफल रही रुस के सामने, तथा जैसे तैसे यूरोपियन यूनियन, जापान व ब्रिटेन को भी सौदेबाजी स्वीकार करने के लिये मना सका, पर, गाज़ा में दादागिरी के बावजूद उसके शांति स्थापित करने के प्रयास विफल ही रहे।**
- **अतः ट्रंप अपना "फ्रस्ट्रेशन" भारत पर उतार रहा है।**
- **यह उल्लेखनीय है कि, ट्रम्प ने, रुस से आयल खरीदने के कारण भारत पर पेनल्टी लगाने की बात कही। पर, यह पेनल्टी क्या होगी, इसे परिभाषित नहीं कर पाया है। चीन को भी पेनल्टी की धमकी दिये काफी समय हो गया है, पर, अब तक यह निश्चित नहीं कर सका है, अमेरिका कि "पेनल्टी" कितनी होगी, और कैसे लगेगी।**

अमेरिका ने पाकिस्तान में एक "विशाल तेल भंडार" विकसित करने की घोषणा की है और अंततः उस तेल को भारत को बेचने की योजना बनाई है। यह तो स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान ने अचानक इतना बड़ा तेल भंडार कैसे खोज लिया, लेकिन पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी रुख में बदलाव महत्वपूर्ण है।

यह भू-राजनीतिक समीकरण में बदलाव का संकेत देता है। चीन पहले से ही पाकिस्तान को भारत विरोधी गतिविधियों में खुले और गुप्त रूप से समर्थन देता रहा है। अब यदि अमेरिका भी इसमें शामिल हो गया तो व्यापक मोर्चे पर भारत के लिए यह गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है।

ईरान, जो कूटनीति में अनुभवी है, पहले ही यह भांप चुका है कि कैसे भारत को लेकर अमेरिकी रुख में बदलाव पूरी तरह एक नए परिप्रेक्ष्य को जन्म दे सकता है। भारत में ईरानी दूतावास ने खुद एक बयान जारी कर अमेरिका के इस कदम को "आर्थिक साम्राज्यवाद" करार दिया है।

इस बयान से एक नए तरह के गठजोड़ की बात सामने आती है, जिसमें ईरान कहता है कि अमेरिका के नए साम्राज्यवाद के खिलाफ एक व्यापक वैश्विक गठबंधन बनना चाहिए। ईरान ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत से इस नए "ग्लोबल साउथ" के नेतृत्व की अपील की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'25 प्रतिशत टैरिफ से भारत की जी.डी.पी. 0.2 प्रतिशत घटेगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले से देश की आर्थिक विकास संभावनाओं को झटका लग सकता है।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि इसका असर कितना बड़ा होगा, क्योंकि ट्रंप ने 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा एक अनिर्दिष्ट "दंडात्मक शुल्क" (पैनल्टी) लगाने की भी घोषणा की है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस दंड की बारीकियों की जानकारी मिलने के बाद ही इस फैसले के वास्तविक आर्थिक प्रभाव का सही आंकलन किया जा सकेगा।

- **इकोनॉमिक एक्स्पर्ट्स का मानना है कि टैरिफ आशंका से ज्यादा लगाई गई है, अतः जी.डी.पी. 0.2 प्रतिशत तो घटेगी ही। पर, पेनल्टी का सही आंकड़ा आने पर, यह पूर्णतया साफ होगा, कि भारत की ग्रोथ पर, कितना टोटल होगा।**

रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने एक बयान में कहा, अमेरिका की ओर से प्रस्तावित टैरिफ (और पैनल्टी) हमारी अपेक्षा से कहीं अधिक है और इसलिए यह भारत की जीडीपी वृद्धि दर के लिए बाधा बन सकता है। इस नुकसान व गिरावट की गंभीरता इस बात पर निर्भर करेगी कि जुर्माना कितना बड़ा लगाया गया है।

आईसीआरए पहले ही इस वित्त वर्ष के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.2 प्रतिशत कर चुकी है, टैरिफ वृद्धि के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए।

एक अन्य ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने कहा कि ये टैरिफ "विकास के लिए नकारात्मक" है और इससे भारत की को 0.2 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है।

भारतीय शेयर बाजार ने इस खबर पर नकारात्मक प्रतिक्रिया दी और व्यापार के पहले दिन बाजार लाल निशान में खुला।

फंड मैनेजर नीलेश शाह ने कहा, बाजार को उम्मीद थी कि अमेरिका-भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक हितों को देखते हुए कोई टैरिफ समझौता हो जाएगा।

भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ महीनों में कई दौर की व्यापार वार्ताएँ हो चुकी हैं, जिनमें भारत ने अमेरिका को खुश करने के लिए बर्बन व्हिस्की और मोटरसाइकिल जैसे उत्पादों पर टैरिफ में कटौती भी की थी। लेकिन अमेरिका का भारत के साथ 45 अरब डॉलर (लगभग 33 अरब पाउंड) का व्यापार घाटा है, जिसे ट्रंप कम करना चाहते हैं।

फिलिपीन्स राष्ट्रपति 4 अगस्त को भारत आयेंगे

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर अगले महीने की चार तारीख को भारत की पांच दिन की राजकीय यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा में उनके साथ प्रथम महिला मैडम लुईस अरनेटा मार्कोस और एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा, जिसमें कई कैबिनेट मंत्री, अन्य गणमान्य व्यक्ति , वरिष्ठ अधिकारी और व्यापार प्रतिनिधि

- **पांच दिन की यात्रा में वे बेंगलुरु भी जायेंगे।**

शामिल होंगे। राष्ट्रपति मार्कोस आठ अगस्त को फिलीपींस लौटने से पहले बेंगलुरु भी जाएँगे।

राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद यह मार्कोस की पहली भारत यात्रा होगी। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति मार्कोस पांच अगस्त को द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। मार्कोस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी राष्ट्रपति मार्कोस से मुलाकात करेंगे।

'मेरी रिहाई अब कोई मायने नहीं रखती, इस मुकदमे ने मेरी जिन्दगी तबाह कर दी है'

प्रज्ञा ठाकुर, ले. कर्नल प्रसाद पुरोहित व पांच अन्य आरोपी 2008 के मालेगांव ब्लास्ट केस में 17 साल बाद बरी हुए न्यायालय से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। गुरुवार को भगवावस्त्र -धारी पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 2008 के मालेगाँव ब्लास्ट केस में सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया। इससे पहले मुम्बई की अदालत ने कहा कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह सिद्ध होता हो कि छः लोगों की जान लेने वाले विस्फोट में कथित रुप से काम में ली गई बाइक साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की थी।

जज ने कहा, जहाँ अभियोग पक्ष ने यह सिद्ध किया है कि ब्लास्ट हुआ था, वहीं यह पक्ष सिद्ध नहीं कर सका कि विस्फोटक पदार्थ कथित रुप से प्रज्ञा ठाकुर की मोटरसाइकिल, "एलएमएल" फ्रीडम पर फिट किया हुआ था। साध्वी ने जज से कहा कि उनका दोष मुक्त होना अब कोई अर्थ नहीं है क्योंकि "इस केस ने मेरी

- **प्रज्ञा ठाकुर को "हिन्दू आतंकवाद" का नाम दिया था उनके विरोधियों ने तथा प्रज्ञा ठाकुर ने रिहाई के बाद कोर्ट में यह भी कहा, कि मुझे गिरफ्तार किया गया तथा, यातनाएं दी गईं, अगर मैं जीवित हूं तो केवल इसलिये कि मैं, सन्यासी हूं। उन्होंने साजिश के तहत "भगवा" को बदनाम करने की कोशिश की, पर भगवा जीता।"**

जिन्दगी बरबाद कर दी।"

जज ने कहा, मोटरसाइकिल का चेचिस नंबर मिटा दिया गया था और इंजन नंबर पर भी संदेह है। ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे यह साबित हो कि साध्वी (प्रज्ञा ठाकुर) उसकी मालिक थीं या उनके पास वह गाड़ी थी।" यह फैसला, भारत में आतंकवाद के सबसे लंबे समय तक चले केसों में से एक में दिया गया है। इस केस में बम बनाने के आरोपी, पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित को भी बरी कर दिया गया।

यह फैसला 17 साल की लंबी कानूनी लड़ाई का अंत है जिसमें मध्यप्रदेश के एक आयुर्वेदिक चिकित्सक की बेटी साध्वी प्रज्ञा पर इस आतंकी हमले की साजिश करने का आरोप लगाया गया था, तथा कहा गया था कि इस हमले का उद्देश्य 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट जैसे पूर्व के आतंकी हमलों का बदला लेना था। उस समय प्रज्ञा ठाकुर की उनकी उम्र करीब 38 वर्ष थी। उन्हें "हिंदू आतंकवाद" का चेहरा कहा गया, जो 2008 के मालेगाँव धमाकों के बाद एक चर्चित शब्द बन गया था। उन पर धमाके के लिए लोगों को जुटाने का आरोप था, जबकि उनके सह-आरोपी, पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल पुरोहित पर विस्फोटक देने का आरोप था। गुरुवार को, दोनों को पांच अन्य आरोपियों के साथ, बरी कर दिया गया।

जब अदालत ने यह फैसला सुनाया, तब प्रज्ञा ठाकुर और अन्य आरोपी अदालत में मौजूद थे। उन्होंने जज से कहा, "मैंने शुरू से ही कहा था कि किसी को पूछताछ के लिए बुलाने का कोई आधार होना चाहिए। मुझे बुलाया गया, गिरफ्तार किया गया, और प्रताड़ित किया गया। इसने मेरी पूरी ज़िंदगी नष्ट कर दी। मैं एक साध्वी का जीवन जी रही थी, लेकिन मुझे आरोपी बना दिया गया और कोई हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। मैं जीवित इसलिये हूं क्योंकि मैं सन्यासी हूं। भगवा को बदनाम किया गया, यह एक साज़िश थी। आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है, और जो दोषी हैं उन्हें भगवान सज़ा देंगे।"

बिहार में मतदाता की मसौदा सूची आज जारी होगी

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। बिहार में विधान सभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया के अगले चरण में सूची के मसौदे का प्रकाशन शुक्रवार को किया जाएगा। इसके बाद, कल से ही मसौदा सूची में छूट गये किसी भी पात्र नाम को जुड़वाने या जुड़े हुए अपात्र नाम को कटवाने या किसी त्रुटि के संशोधन के लिए एक माह तक दावे और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में राज्य के मतदाताओं के नाम एक संदेश में कहा, बिहार के सभी

- **सभी जिलों में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भौतिक डिजिटल प्रतियां दी जायेंगी।**

38 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) द्वारा राज्य के सभी जिलों में सभी मान्यता प्राप्त रानीतिक दलों को इसकी भौतिक और डिजिटल प्रतियां भी दी जाएंगी। आयोग के अनुसार स्थानीय बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) और एजेंटों ने घर-घर जाकर जानकारी लेने के अभियान में पाया की सूची में 22 लाख मतदाताओं (2.83 प्रतिशत) की मृत्यु हो चुकी है, 36 लाख (4.59 प्रतिश) स्थायी रूप से राज्य छोड़ कर जा चुके हैं, सात लाख मतदाताओं (0.89 प्रतिशत) के नाम एक से अधिक जगह दर्ज हैं।

क्या दिल्ली व वॉशिंगटन एक दूसरे के प्रति विश्वास दोबारा स्थापित कर पाऐंगे?

ट्रम्प की बेलगाम भाषा व असंतुलित व्यापारिक निर्णयों ने, पिछले पच्चीस साल से धीरे -धीरे मजबूत और गहरे हुए रिश्तों को लगभग उखाड़ फैंका है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत-अमेरिका संबंधों में अचानक आई गिरावट, जो राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की आक्रामक बयानबाज़ी और भारतीय निर्यातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के निर्णय से और अधिक प्रभावित हुई है, ने पिछले 25 वर्षों में लगातार गहरे होते संबंधों को एक ऐतिहासिक झटका दिया है। दोनों ओर के विश्लेषकों ने इसे 1998 के बाद का सबसे बड़ा कूटनीतिक संकट बताया है, जब भारत के परमाणु परीक्षणों के कारण वाशिंगटन के साथ रिश्तों में तनाव पैदा हो गया था। यह अचानक यू टर्न ऐसे समय पर आया है, जब ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के केवल कुछ ही महीने बीते हैं और जिससे, नई व्यापार वार्ताओं के एक और दौर से

- **बुश, ओबामा, और बाइडन के शासनकाल में अमेरिका की विदेश नीति का मुख्य सोच था, भारत को चीन के "काउन्टर वेट" के रुप में विकसित करना।**
- **पर, अब ट्रम्प का भारत की इकॉनमी को "डैड" (मृत) घोषित करना, व भारी टैरिफ लगाना भारत को चीन व रुस के नजदीक फैंक रहा है, विशेषकर, ब्रिक्स, एस.सी.ओ. व ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन में पूर्णतया सक्रिय होने पर मजबूर कर रहा है।**
- **अब तक भारत, मॉस्को के साथ पुराने रिश्तों व अमेरिका से डिफैन्स, आतंकवाद से मुकाबला आदि क्षेत्रों में सहयोग के बीच संतुलन बिठाने का प्रयास करता रहा है, पर, ट्रम्प के नये "करतबों" ने, इस संतुलन को एकदम बिगाड़ दिया है।**

ठीक पहले, रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी पर गंभीर असर पड सकता है।

इस संकट के मूल में ट्रंप के तीखे आरोप हैं, कि भारत अनुचित व्यापारिक नीतियों का पालन कर रहा है। उन्होंने न केवल दंडात्मक टैरिफ की धमकी दी, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को "मृत" कहकर उसका अपमान भी किया। अपनी ऑनलाइन टिप्पणियों में उन्होंने भारत के रूस के साथ रिश्तों और ब्रिक्स में भारत की सक्रिय भूमिका का भी मज़ाक उड़ाते हुए, उसे अमेरिका के हितों के लिए खतरा बताया। इस बयानबाज़ी के परिणामस्वरूप, नीति विश्लेषकों और रणनीतिकारों ने चेतावनी दी है कि दशकों की मेहनत से बने संबंध अब टूटने की कगार पर हैं।

एक अगस्त से भारतीय निर्यातों पर लागू होने वाला 25 प्रतिशत टैरिफ दरअसल व्यापार नीति को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर भारत को सज़ा देने की कोशिश है, क्योंकि ट्रंप के अनुसार, भारत अपमानजनक गैर-आर्थिक व्यापार बाधाओं और गलत भू-राजनीतिक झुकाव का दोषी है। इस कदम ने भारत को चीन सहित अन्य व्यापारिक साझेदारों की तुलना में कहीं ज़्यादा कठोर तरीके से निशाना बनाया है, जबकि अमेरिका के साथ भारत का ट्रेड सरप्लस ग्लोबल स्टैण्डडर्स तुलना में अपेक्षाकृत कम है।

ट्रंप के नज़रिए से, भारत के रूस के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष ने दिन भर लोकसभा में नारेबाजी की

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। लोकसभा में विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले को लेकर गुरुवार को भारी हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दो बार के स्थगन के बाद, चार बजे तीसरी बार जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु की, विपक्षी दलों के सदस्य हंगामा

- **शोरगुल के बीच वाणिज्य मंत्री ने अमेरिकी टैरिफ पर बयान दिया।**

और नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गये। हंगामे के बीच ही वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी टैरिफ पर संसद में बयान दिया और कहा कि भारत और अमेरिका के बीच वार्ता जारी है, लेकिन भारत अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करेगा।

बिरला ने मंत्री का वक्तव्य पूरा होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

देश की दो ताकते प्रधानमंत्री मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह हर समस्या के समाधान की ताकत है

के के गुप्ता।

■ प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और कुशल नीतिकार अमित शाह की अगुवाई में भारत इसका मुंह तोड जवाब देगा

उदयपुर/जयपुर/नई दिल्ली। भाजपा नेता और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के राजस्थान समन्वयक के के गुप्ता ने अमरीका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाने की आलोचना करते हुए कहा है कि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और कुशल नीतिकार अमित शाह की अगुवाई में भारत इसका मुंह तोड जवाब देगा । साथ ही प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री की भावना के अनुरूप आत्मनिर्भर भारत को बढावा मिलेगा। के के गुप्ता ने कहा कि आज पूरा विश्व जानता है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में बडी से बडी समस्या का समाधान करने की शक्ति एवं ताकत है । वही देश के गृहमंत्री अमित शाह कुशल नीतिकार हैं इसलिए उन्हें नव सृजित सहकारिता मंत्रालय दिया गया है जो आत्मनिर्भर भारत बनाने की सोच के साथ-साथ उसे क्रियान्वित करने की क्षमता एवं योग्यता भी रखते हैं।उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बडे और पुराने लोकतन्त्र वाले देश भारत को अपने राष्ट्र की सुरक्षा करने के अधिकार से कोई नहीं रोक सकता। भारत अकेलें रुस से हथियार नहीं खरीदता वरन् विश्व के अन्य देशों के साथ अमेरिका भी क्वाड और इंडो पैसिफिक संगठनों आदि में भारत का रणनीतिक साझेदार हैं । सामरिक दृष्टि से मजबूत होने के कारण ही भारत ने कारगिल और पहलगाम की घटनाओं के बाद पाकिस्तान को जो सबक सिखाया है उसे सारी दुनिया ने देखा है।जहाँ तक रूस यूक्रेन युद्ध का प्रश्न है,पूरा विश्व जानता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे रोकने के लिए दोनों देशों के साथ विश्व के विभिन्न मंचों पर कितने प्रयास किए है। भारत दुनिया का सबसे पहला देश है जो हमेशा विश्व बन्धुत्व,अहिंसा और शांति की बात करता है तथा आतंकवाद पर देश के प्रधानमंत्री मोदी एवं गृहमंत्री शाह की जीरो टोलरेंस नीति है। गुप्ता ने सुझाव दिया कि भारत को भी अमरीका पर जवाबी टैरिफ लगाना चाहिए। अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को समझना चाहिए कि वह अपने मित्र देश भारत के साथ व्यापार युद्ध जैसी स्थिति क्यों पैदा कर रहें है, इससे न केवल उपभोक्ता वस्तुएं महंगी होती हैं वरन् दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार, घरेलू उद्योग, कूटनीतिक संबंधों और उपभोक्ताओं पर सीधा और बुरा असर पडेगा । उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को इस टैरिफ विवाद को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मंच पर भी उठाना चाहिए क्योंकि इससे अमरीका से त्रस्त अन्य कई देशों का भारत को वैश्विक समर्थन हासिल हों सकता है या वार्ताओं के जरिए अन्य व्यापारिक लाभ जैसे वीजा,तकनीक हस्तांतरण आदि भी सुनिश्चित किए जा सकते है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से पाकिस्तान को आर्थिक मदद तथा उसे आतंकनिरोधी अभियान का अध्यक्ष देश बनाने आदि मामलों में अमरीका की नीति को पूरा विश्व देख रहा है। टैरिफ मामलें में अमेरिका को चीन सबक सीखा चुका है क्योंकि अमरीका तो सुई भी उत्पादित नहीं करता बल्कि सारा सामान बाहर से आयातित करता है। ऐसे में उसे भारत जैसे विकासोन्मुख और शक्तिशाली देश से कोई विवाद नहीं लेना चाहिए बल्कि बिना किसी पूर्वाग्रह से टैरिफ विवादों को राजनयिक रूप से सुलझाना चाहिए वरना टैरिफ लगाने की ट्रम्प की नीति से असहमत विश्व के सभी देशों की नाराजगी अमेरिका की वैश्विक नीति के लिए चुनौती बन सकती है।

स्पर्धा गोरखपुर में, राजस्थान के खिलाड़ी रवाना

उदयपुर। लेक्रोज फेडरेशन ऑफ़ इंडिया एवं उत्तर प्रदेश लेक्रोज संघ के संयुक्त तत्वावधान में रीजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में 3 अगस्त से 7 अगस्त तक आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु आयोजित, चयन स्पर्धा एवं प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने 13 महिला व 12 पुरुष खिलाडियों का 25 सदस्यीय दल रवाना। लेक्रोज संघ के अध्यक्ष अशोक परनामी के अनुसार खिलाडियों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ठ प्रदर्शन के आधार पर हुआ है, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान ने अधिकांशत: उदयपुर के जनजाति क्षेत्र के खिलाडियों से सुसज्जित महिला व पुरुष की सीनियर, जुनियर व सब जुनियर वर्ग की सभी छह स्पर्धा में से पांच स्वर्ण एवं एक कांस्य पदक जीत अपना वर्चस्व कायम किया था। संभागीय आयुक्त कार्यालय में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, उदयपुर संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, उपायुक्त छोगाराम देवासी, ज्योति जैन ने खिलाड़ियों को सम्मानित कर शुभकामनाएं दी।

सार-समाचार

राज्यपाल ने किया राजीविका वन धन केंद्र की स्टॉल का अवलोकन

उदयपुर। राज्यपाल माननीय हरिभाऊ बागड़े ने कोटड़ा स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय परिसर में आयोजित लाभार्थी संवाद कार्यक्रम के दौरान राजीविका वन धन केंद्र की स्टॉल का अवलोकन किया। स्टॉल पर सफेद मूसली पाउडर, हर्बल साबुन, ग़ुलाल, मसाला, आवला केन्डी, चप्पल, धावड़ी गौंद, शहद, मक्का गेहू दलिया, दाल आदि उत्पादों का प्रदर्शन किया गया था। राज्यपाल ने राजीविका महिला समूहों से जुडी महिलाओं राजीविका दीदीयों के कार्य की प्रशंसा की और स्वरोजगार के उनके प्रयासों को सराहा। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी, टीएडी अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजी लाल मीणा, जिला कलेक्टर नमित मेहता, जिला सीईओ श्रीमती रीया डाबी व कोटड़ा प्रधान सुगना देवी उपस्थित रहे। लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में राज्यपाल ने राजीविका स्वयं सहायता समूहों को आवंटित ऋण प्रदान कर प्रोत्साहित किया। राजीविका स्वयं सहायता समूहों की आजीविका संवर्धन हेतु पीएनबी बैंक से क्रेडिट लिंकेज करा 25 समूहों को राशि 1 करोड़ 50 लाख रूपये तथा एसबीआई बैंक से 03 समूहों को 18 लाख रूपये ऋण प्रदान किए गए। साथ ही रिवोल्विंग फंड तथा कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फण्ड के रूप में 80 स्वयं सहायता समूहों को 54 लाख रूपए की राशि हस्तानातंरित की गई। इस प्रकार आयोजन में कुल राशि 2 करोड़ 22 लाख रूपये का वित्तीय समावेश किया गयास राजीविका से जुड़े स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने महिला स्वावलंबन, स्वरोजगार, और जनजातीय विकास की दिशा में इसे एक प्रेरणादायक कदम बताया।

कोटड़ा के विवेकानंद मॉडल स्कूल में बालिकाओं से राज्यपाल ने किया संवाद

उदयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे. ने कोटड़ा प्रवास के दौरान गुरूवार को विवेकानंद मॉडल स्कूल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने बालिकाओं से संवाद भी किया। एकलव्य विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् राज्यपाल बागड़े विवेकानंद मॉडल स्कूल के छात्रावास पहुंचे। यहां उन्होंने मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। छात्रावास की बालिकाओं ने मंगल गीत गाकर स्वागत किया। साथ ही जंगल के रखवाले आदिवासी.., इस आशय का संदेश देते हुए सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने बालिकाओं से संवाद किया। इस दौरान 10वीं कक्षा की छात्रा रवीना खैर ने पूछा कि जीवन में सफलता पाने के लिए क्या करें। राज्यपाल ने जवाब दिया कि जीवन को सुंदर और खुशहाल बनाने के लिए शिक्षा पूरी करो। जन्म के समय सबकी बौद्धिक क्षमता समान होती है, लेकिन परिस्थितियों के अनुसार बौद्धिक स्तर में अंतर आ जाता है। इसलिए घर में लिखने पढ़ने का माहौल हो तो बच्चे को शुरू से वैसे ही संस्कार मिलते हैं। जहां कोई पढ़ने योग्य सामग्री मिले उसे पढ़ें। पाठ्य पुस्तकों के अलावा भी पढ़ाई करें जिससे बुद्धि का विकास हो सके। राज्यपाल ने सभी बच्चियों के लिए उपहार स्वरूप चॉकलेट प्रदान की।

राज्यपाल सचिव ने आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया

उदयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उनके निर्देश पर उनके सचिव डॉ. पृथ्वी ने गुरूवार को उदयपुर जिले के ढीकली गांव स्थित मॉडल पब्लिक रेजिडेंशल स्कूल का औचक अवलोकन किया। डॉ. पृथ्वी ने आवासीय विद्यालय की व्यवस्थाओं और वहां उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने आवासीय विद्यालय में बैड, फॅर्निचर, उपलब्ध पुस्तकों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा अध्ययनरत छात्राओं से संवाद कर प्रबंधन की जानकारी ली। जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए संचालित मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी नीट कक्षाओं में राज्य सरकार द्वारा फिजिक्सवाला कोचिंग कक्षा की पढ़ाई को उन्होंने स्वयं जाकर देखा। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी स्वयं एमबीबीएस डॉक्टर हैं। उन्होंने खुद भी इस दौरान नीट की तैयारी कर रहे बच्चों को पढ़ाया। मोटिवेशनल स्पीच दिया।

महेश सिंह जसरोटिया ने जम्मू-कश्मीर के सीएम से की भेंट

उदयपुर। जम्मू के मूल निवासी और रेडिसन होटल ग्रुप में वाइस प्रेसिडेंट पद पर कार्यरत महेश सिंह जसरोटिया ने अहमदाबाद में आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर के दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से शिष्टाचार भेंट की।पिछले एक दशक से रेडिसन होटल ठ्ाुन से जुडे और होटल उद्योग में 24 वर्षो का समृद्ध अनुभव रखने वाले महेश सिंह जसरोटिया लेक सिटी उदयपुर की होटल इंडस्ट्री के बारे में जानकारी दी और पर्यटन के क्षेत्र में संभावनाओं और निवेश के अवसरों पर सकारात्मक चर्चा की।

हजरत द़ीवाना शाह के तीन दिवसीय उर्स का आगाज

हजरत द़ीवाना शाह की दरगाह शरीफ का विहंगम दृश्य।

कपासन। प्रख्यात सूफी संत हजरत दीवाना शाह साहब र.अ. के 84वें तीन दिवसीय उर्स का ख्वाजा गरीब नवाज की छठी शरीफ की महफिल से होगा आगाज जुम्आ की नमाज के लिए नमाजियो के लिए किया गया विशेष इंतजाम।

दरगाह वक्फ कमेटी के सेकेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार बाबा हुजूर का तीन दिवसीय 84वां उर्स 1 अगस्त, 6 सफर शुक्रवार को प्रात: 9 बजे हजरत ख्वाजा गरीब नवाज र.अ. के छठी शरीफ की महफिल से शुरू होकर 3 अगस्त, 8 सफर रविवार को पहले कुल की फातिहा के साथ सम्पन्न होगा। पुरे दरगाह परिसर के अन्दर व बाहर 100 से उपर सी.सी. टीवी केमरे के साथ ही बुलन्द दरवाजे पर मेडल डिक्टेटर लगाए गए है। और जगह-जगह उची मचान से केमरे द्वारा निगरानी रखने के साथ ही ड्रॉन केमरे से नजर रखी जाएगी।

उर्स के प्रोग्राम के तहत शुक्रवार प्रात:9 बजे शाही महफिल खाने मे महफिले मिलाद के बाद महफिले समा, रात्रि को 11 बजे संदल पेश करने की रस्म अदा की जाएगी। बाद नमाज ईशा के महफिले मिलाद के बाद महफिले समा। शनिवार रात्रि को बाद नमाज ईशा के महफिले मिलाद के बाद महफिले समा एवं रात्रि ०3:30 बजे गुस्ल की रस्म अदा की जाएगी। रविवार 3 अगस्त बाद नमाज फजर के देग का खाना तकसीम होगा और 8 बजे कुल की महफिल शुरू होगी एवं जोहर की अजान से पहले कुल की फातिहा के साथ उर्स सम्पन्न होगा।

सोमवार को आम जायरीन के दीदार हेतु भूमिगत मजार के पट खोले जाएगे। गुरूवार प्रात: काल 8 बजे से कुरआन ख्वानी हुवी, आशिके दीवाना द्वारा नियाज का अहतमाम किया गया जिसमे सभी मदरसे के छात्र/छात्राओं ने हिस्सा लिया। स्थानीय प्रशासन दरगाह वक्फ कमेटी पदाधिकारी, सदस्य, कर्मचारी, स्वंय सेवक, सभी व्यवस्थाओं मे लगे हुवे है।

नगरपालिका प्रशासन द्वारा पार्किंग कि व्यवस्था नि:शुल्क निम्नानुसार जगह पर की गई। उदयपुर की तरफ से आने वालो के लिए माताजी के मंदिर के सामने वाला ग्राउण्ड रहेगा। चित्तौडगढ की तरफ से आने वालो के लिए राजकीय महाराणा उच्च माध्यमिक विद्यालय का खेल मेदान, भादसोडा की तरफ से आने वालो के लिए स्टेशन के पास पुरानी कपास फैक्ट्री के बाहर का ग्राउण्ड।

करोडों रूपये मुआवजा दिलाने का झांसा दे कर ठगी का प्रयास

उदयपुर, । अहमदाबाद प्लेन क्रेश में जान गंवाने वाले उदयपुर जिले के वरदीचंद मेनारिया के परिजनों के साथ ठगी करने के प्रयास का मामला सामने आया है । खुद को सुप्रीम कोर्ट से जुडा बताकर दो संदिग्ध लोग उनके घर पहुंचे और बोइंग कंपनी पर केस कर 8 से 10 करोड रुपये का मुआवजा दिलवाने का झांसा दिया। इसके एवज में मृतक का पासपोर्ट,फ्लाइट टिकट और खाली स्टाम्प पेपर पर हस्ताक्षर की मांग की गई। शक होने पर परिजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई।

वल्लभनगर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिकए पीडति परिवार ने उन लोगों का वीडियो भी मुहैया कराया है जो उनके घर पहुंचे थे। मृतक वरदीचंद के बेटे दीपक मेनारिया ने एफआईआर में बताया कि 17 जुलाई की रात उन्हें भूपेंद्र नामक व्यक्ति का कॉल आया। उसने खुद को सरकारी प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि अहमदाबाद प्लेन क्रेश की केंद्रीय जांच टीम वेरिफिकेशन के लिए उनके घर आने वाली है। इसके लिए पासपोर्ट और फ्लाइट टिकट की कॉपी मांगी गई।अगले दिन 18 जुलाई की शाम गुजरात नंबर की एक गाडी उनके घर पहुंची।

सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान, कुंभा कला भवन का लोकार्पण

उदयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे० ने कहा कि दुनिया का ऐसा कोई विषय नहीं है, जिसका प्रथम लिखित प्रमाण भारतीय ग्रंथों में उपलब्ध नहीं हो। भारतीय ज्ञान संपदा सर्वाधिक समृद्ध और विपुल है। जरूरत है स्वयं को समर्थ और सक्षम बनाते हुए इस संपदा का सदुपयोग करने की।

बागड़े गुरूवार को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान-2025 को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय वेदों में प्रत्येक विषय अंकित है। हजारों साल पहले अगस्त्य ऋषि ने बिजली उत्पादन के बारे में उलेख कर दिया था। महर्षि भारद्धाज ने विमान शास्त्र पुस्तक में विमान निर्माण का वर्णन किया। इसी पुस्तक से प्रेरित होकर महाराष्ट्र के एक इंजीनियर ने 1895 में विमान बनाया और उसे प्रायोगिक तौर पर उड़ाकर भी दिखाया था, लेकिन तत्कालीन अंग्रेज सरकार ने उसे ध्वस्त कर ऐसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। ऋग्वेद में खगोल शास्त्र का वर्णन मिलता है। आर्यभट्ट महान खगोल शास्त्री हुए। भास्काराचार्य ने 1150ई में बता दिया था कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है। इतना ही नहीं उन्होंने परिक्रमा में लगने वाले समय का सटीक आंकलन तक कर दिया था। राज्यपाल ने कहा कि भारत 1000 सालों तक आत्मसम्मान और स्वतंत्रता के लिए लड़ता रहा। इसलिए इन ग्रंथों में वर्णित तथ्यों पर शोध कार्य प्रभावित हुए। इसी का लाभ उठाकर विदेशी विद्वानों ने हमारी ही ज्ञान संपदा का उपयोग कर बहुत आविष्कार किए। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि भारत वास्तुकला, साहित्य से लेकर हर क्षेत्र में समृद्ध रहा है। पाश्चात्य विद्वान मैक्समूलर ने स्वयं लिखा है कि भारत में दो पुस्तकों का रामायण और महाभारत का व्यापक प्रभाव है और यह प्रभाव कोई 500-700 सालों का नहीं हजारों हजार सालों का है। राज्यपाल ने शिक्षा जगत से जुड़े लोगां तथा विद्यार्थियों का आव्हान करते हुए कहा कि हमें अपनी समर्थता और सक्षमता बढ़ाने की आवश्यक है। इसके लिए बहुत तपना पड़ता है, लेकिन लोगों में सहनशीलता भी नहीं रही। उन्होंने महाराणा सांगा का उदाहरण देते हुए कहा कि सहनशीलता महाराणा सांगा से सीखनी चाहिए, जो 80 घाव खाकर भी युद्ध के लिए आतुर रहते थे। व्याख्यान के मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल कोठारी ने कहा कि दुनिया की हर चुनौती का समाधान भारतीय ज्ञान संपदा में निहित है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने भारी मात्रा में अवैध नशीला पदार्थ जब्त किये

उदयपुर, । राजस्थान में नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने की दिशा में केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीएनबी) ने एक और बडी कार्रवाई को अंजाम दिया है।कार्यवाही के दौरान भारी मात्रा में अवैध नशीला पदार्थ बरामद करने के साथ 24 लाख रूपये नकद बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

उदयपुर जिले की भीण्डर तहसील के विजयमगरी गांव में स्थित एक घर पर छापा मारकर 14.26० किलोग्राम अवैध अफीम, 204.570 किलोग्राम डोडा चूरा और 24 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है। यह कार्रवाई उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल (कोटा) के निर्देशन में (सीएनबी) कोटा, चित्तौडगढ डिवीजन प्रथम और तृतीय की संयुक्त टीम ने बुधवार को अंजाम दी।

कितनी भी मुश्किल परिस्थितियां हो, कभी स्कूल जाना बंद मत करना: बागड़े

कोटड़ा के विवेकानंद मॉडल स्कूल बालिका छात्रावास में छात्राओं को संबोधित करते राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े।

■ कोटड़ा में राज्यपाल ने किया बालक-बाालिकाओं से आह्वान

उदयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने आदिवासी बालक-बालिकाओं का आह्वान करते हुए कहा कि चाहे कितनी भी मुश्किल परिस्थितियां क्यों नहीं हो, लेकिन विद्यालय जाना बंद मत करना, क्योंकि शिक्षा से ही परिवार और समाज के उत्थान का राह प्रशस्त होगी।

राज्यपाल बागड़ेअपने कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उदयपुर जिले के जनजाति बहुल कोटड़ा ब्लॉक के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन गुरूवार को एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय परिसर में आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्यकाल का 1 वर्ष पूरा होने पर किसी गांव देहात में जाउं। लोगों से संवाद करूं और पता करूं कि सरकार की योजनाएं उन तक पहुंची हैं या नहीं। विकास की योजनाओं का लाभ उन्हें कितना मिला है। इसी वजह से कोटडा जैसे इस दूर दराज का क्षेत्र का चयन किया। उन्होंने कहा कि आपके बीच आकर काफी अच्छा लग रहा है। लोगों से संवाद किया इससे पता चला कि केंद्र एवं राज्य सरकार की नई योजनाओं का लाभ आप तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग योजनाओं के लाभ से अभी तक वंचित है उन लोगों को भी इन योजनाओं से जोड़कर उन्हें लाभ प्रदान करना हम सब की जिम्मेदारी है। बागड़े ने कहा कि राजस्थान में 9 जिले ऐसे हैं जहां जनजाति समाज की संख्या 60 प्रतिशत से अधिक है। इस क्षेत्र के लोगों के उत्थान के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों में बहुत सी योजनाएं चला रखी हैं। शिक्षा, चिकित्सा रोजगार आदि आवश्यकता के क्षेत्र में कई योजनाएं चल रही हैं। गरीबी मिटाने के लिए शिक्षा को बढ़ावा देना जरूरी है। जनजाति क्षेत्र में बहुत छोटी जोत होने और जनसंख्या बढ़ने पर उसके भी छोटे-छोटे टुकड़े हो जाने से कृषि के क्षेत्र में ज्यादा संभावना नहीं है।

जेवरात चोरी का मामला दर्ज

उदयपुर, । शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने महिला के खिलाफ मालिक के घर से जेवरात चुराने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित अविनाश कंठालिया निवासी अर्शीवाद विला सेक्टर 3 हिरणमगरी ने आरोपी एकलिंगपुरा निवासी सोनल कटारिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि आरोपी महिला मेरे घर पर घर धंधा का काम करती है। गत दिनों मकान से सोने की तीन चूडिया व नेकलेस गायब हो गयां जिसका पता चलने पर इधर उधर तलाश कर पूछताछ की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इस पर शंका केआधार पर आरोपी महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच हेडकांस्टेबल भगवतीलाल कर रहे है। कार चोरी: सुखेर थाना पुलिस ने सुंदरवास प्रतापनगर निवासी प्रवीणसिंह आसोलिया पुत्र भेरूसिंह की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ न्यू आरटीओ रोड़ स्थित स्वास्तिक हाईरेस से 23 जुलाई को कार चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया।

राज्यपाल को भेंट की भगवान गणपति की अनूठी कृति

उदयपुर, । राजस्थान के माननीय राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने गुरुवार को शिल्पग्राम भ्रमण के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिस्टल ग्लास आर्टिस्ट डॉ. वकार हुसैन की कला को सराहा। इस अवसर पर डॉ. हुसैन ने करीब बारह घंटों की कड़ी मेहनत से बनाई कमल के फूल के अन्दर विराजित भगवान श्री गणेश की अनूठी कृति राज्यपाल को भेंट की।

इस कृति देख कर राज्यपाल प्रसन्न हुए और डॉ. हुसैन की शिल्प कला की सराहना की। इस अवसर पर उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक फुरकान खान आदि गणमान्य मौजूद रहे।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर (राज.)

क्रमांक:प्रन्यास-II/2025-26/260 दिनांक:31.7.25

ऑनलाईन-141899

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है भुखण्ड संख्या 292 योजना अशोक नगर, उदयपुर में स्थित है जिसका आकार 2700 वर्गफीट है। इस भू-खण्ड को प्रार्थीया श्रीमती रानी गोधा पत्नी श्री दीपक गोधा निवासी 222, अशोक नगर, उदयपुर को अपने नाम पर नामान्तरण जारी करने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 30.07.2025 को आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका पडौस निम्नानुसार है:-

पूर्व-सड़क
पश्चिम-भूखण्ड संख्या 253
उत्तर-भूखण्ड संख्या 291
दक्षिण-भूखण्ड संख्या 293

पूर्व में उक्त भूखण्ड नगर विकास प्रन्यास उदयपुर के द्वारा दिनांक 03.12.1958 को श्री नन्द लाल मेहता पिता श्री धनलाल मेहता के नाम आवंटन किया गया। उक्त भूखण्ड वर्तमान में श्रीमती संचिता वोरा पत्नी श्री यतिन्द्र सिंह राव के नाम आलेख में दर्ज है।

प्रार्थीया ने उक्त भूखण्ड दिनांक 14.07.2025 को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर अपने नाम पर नामान्तरण चाहा जा रहा है।

अत: समस्त आम-खास को सूचित किया जाता है कि उक्तरोक्त पडौसियों के मध्य उक्त भूखण्ड प्रार्थीया के नाम करने के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन से 07 दिनों के भीतर इस कार्यालय में लिखित में प्रमाणित दस्तावेजों के साथ प्रन्यास शाखा में प्रस्तुत करें, बाद समाप्त अवधि नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी। सूचित रहे।

आयुक्त, नगर निगम,उदयपुर

जावर में उत्तर भारत की पहली टेक्नॉलोजी आधारित गर्ल्स फुटबॉल एकेडमी की शुरूआत

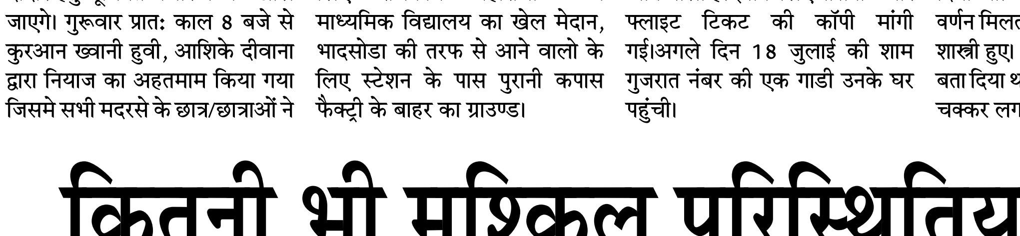

हिन्दुस्तान जिंक और एआईएफएफ द्वारा जावर में उत्तर भारत की पहली टेक्नॉलोजी आधारित गर्ल्स फुटबॉल एकेडमी की शुरूआत महिला फुटबॉल को बढावा देने के लिए एक ऐतिहासिक पहल है।

■ भारत में महिला फुटबॉल को बढावा देने के लिए एक ऐतिहासिक पहल

उदयपुर। समानता, सशक्तिकरण और भारत में फुटबॉल क्रांति लाने के एक नए युग की शुरुआत करते हुए, वेदांता समूह की कंपनी हिन्दुस्तान जिंक और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ एआईएफएफ ने उत्तर भारत की पहली टेक्नॉलोजी आधारित जिंक फुटबॉल गर्ल्स एकेडमी की शुरूआत की। यह अकादमी हिन्दुस्तान जिंक के सीएसआर कार्यक्रम के तहत् बुनियादी स्तर पर फुटबॉल क्रांति की पहल है। एआईएफएफ इस गर्ल्स अकादमी को तकनीकी और रणनीतिक सहायता प्रदान करेगा।

जिंक फुटबॉल गर्ल्स एकेडमी के शुभारंभ अवसर पर भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी, एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे, निवृति कुमारी मेवाड, सलूबंर जिला कलेक्टर अवधेश मीणा, हिन्दुस्तान जिंक मजदूर संघ फैडरेशन के अध्यक्ष यूएम शंकरदास, मजदूर संघ महामंत्री लालूराम मीणा, राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत, हिन्दुस्तान जिंक के सीओओ किशोर कुमार एस, सीएचआरओ मुनिश वासुदेवा, चीफ कॉमर्शियल सी सतीश, वेदांता की सीएसआर हेड अनुपम निधि, जावर माइंस आईबीयू सीईओ अंशुल खंडेलवाल की उपस्थिति में हुआ। जिंक फुटबॉल एकेडमी अनोखी जमीनी स्तर की फुटबॉल विकास पहल है, जो कि जावर, उदयपुर में विश्वस्तरीय सुविधाओं और देश की पहली टेक्नोलॉजी आधारित फुटबॉल ट्रेनिंग एवं अद्वितीय एफ-क्यूब तकनीक के साथ पूर्ण आवासीय गर्ल्स फुटबॉल अकादमी है।

इस पहल का लक्ष्य भारतीय फुटबॉल के विकास में योगदान करना है, जबकि दुनिया के सबसे प्रिय खेल की शक्ति का लाभ उठाकर विशेषकर महिलाओं, बच्चों और लोगों का सामाजिक उत्थान सुनिश्चित करना है। जिंक फुटबॉल गर्ल्स एकेडमी के तहत् अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ पार्टनरशीप की है, जिसमें एआईएफएफ गर्ल्स आवासीय अकादमी के लिए रणनीतिक और तकनीकी भागीदार होगा। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन, प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि बालिकाओं के लिए एक प्रमुख आवासीय फुटबॉल अकादमी से हिन्दुस्तान जिंक की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धता स्पष्ट है। हमारा उद्धेश्य समग्र विकास के अवसर दने की ओर है, जिससे युवा लडकियों को कल के लिए आत्मविश्वासी और आगे बढने में सक्षम बनाया जा सके। इस अकादमी का उद्धेश्य केवल फुटबॉल प्रतिभा को विकसित करना ही नहीं है यह आने वाले कल के आत्मविश्वासी, मजबूत युवाओ को अवसर और आकार देना है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष, कल्याण चौबे ने कहा कि हमें जिंक फुटबॉल गर्ल्स अकादमी की शुरूआत करने पर हर्ष है। मुझे लगता है कि यह न केवल राजस्थान में बल्कि पूरे देश में फुटबॉल को विकसित करने में मदद करेगा। यह साझेदारी ऐसे समय में हो रही है जब एआईएफएफ के सीआरएस पोर्टल पर महिला खिलाडियों के पंजीकरण में 232 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है और सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले एएफसी महिला एशियाई कप-2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। एआईएफएफ इस एकेडमी की सफलता के लिए तकनीकी सहायता प्रदान कर गौरवान्वित है। शुरुआती बैच में राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों की 20 बालिका शामिल हैं। अगले 12-18 महीनों में अकादमी की इनकी संख्या बढाकर 60 करने की भी योजना है। अकादमी, पूरी तरह से सुसज्जित आवासीय छात्रावास है, जिसमें 15 वर्ष से कम आयु वर्ग की 20 बेहद प्रतिभाशाली युवा लडकियों से अपने पहले बैच की शुरूआत की है। यह कार्यक्रम इन बच्चों को पेशेवर फुटबॉलर बनने के लिए सभी अवसर और सही मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत पलासमा, पंचायत समिति सायरा, जिला उदयपुर(राज)

क्रमांक:-/पंचा/2025-26/241 दिनांक-24.7.2025

-: ई निविदा सूचना-5/2025-26:-

इस ग्राम पंचायत में DMFT योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य रा.उ.मा. विद्यालय पलासमा में दो कमरे निर्माण कार्य हेतु UBN No.ZUD2526WSOB01324 के माध्यम से ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत पलासमा
पं.स. सायरा
जिला-उदयपुर (राज.)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पलासमा
पं.स. सायरा
जिला-उदयपुर (राज.)

PIMS MULTI SUPER-SPECIALITY HOSPITAL

A UNIT OF ASHIYANA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCE

Advanced Healthcare,
expertise & compassion all under one roof

COMING SOON IN SEPTEMBER

A PIMS Hospital, Umarda Venture

2A, Meera Nagar, 100 Feet Road, Udaipur

नि:शुल्क दर्द रहित प्रसव (डिलीवरी) सुविधा

डॉ. विक्रम सिंह राठौड़
विभागाध्यक्ष (नाक, कान, गला विभाग)

उपलब्ध सेवाएं

• माइरिंगोटोमी • कॉकलियर इंप्लांट • सेप्टोप्लास्टी • माइक्रोलैरिनजीयल सर्जरी
• ब्रोनकोस्कॉपी • सैलिवरी ग्लैंड सजरी • थायराइड • फेस (एफ ई एस एस)
• एडेनोइडेक्टॉमी और टॉन्सिलेक्टोमी (टॉन्सिल का ऑपरेशन)

डॉ. कमलेश शेखावत
विभागाध्यक्ष (निश्चेतना विभाग)

उपलब्ध सेवाएं

• गभविस्था में होने वाले दर्द • गहन चिकित्सा या गंभीर देखभाल • सिरदर्द • रीढ़ की हड्डी का दर्द
• गर्दन दर्द • नसों का दर्द • पीठ का दर्द • कैंसर से जुड़ा दर्द • जोड़ों का दर्द • क्रॉनिक दर्द
• स्नायु दर्द • सर्जरी के बाद का दर्द • मांसपेशियों का दर्द • स्पोर्ट्स इंजरी का दर्द

डॉ. जय सेठ
विभागाध्यक्ष (प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग)

उपलब्ध सेवाएं

• हाई रिस्क प्रेग्नेंसी • नार्मल डिलेवरी • सिजेरियन डिलेवरी • निसंतानता • मेनोपोज क्लिनिक
• बच्चेदानी के मुंह का कैंसर • दर्द रहित प्रसव • खासने-छींकने पर पेशाब आने पर दूरबीन से इलाज
• दूरबीन द्वारा बच्चेदानी निकालना • दूरबीन द्वारा जाच एवं ऑपरेशन • माहवारी में तकलीफ

डॉ. विवेक पाराशर
विभागाध्यक्ष (बाल एवं शिशु रोग विभाग)

उपलब्ध सेवाएं

• बच्चों का टीकाकरण • पोषण औट विकास संबंधी जानकारी
• बच्चों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का समाधान
• सर्दी, बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई का उपचार • न्यूमोनिया का प्रभावी उपचार

सरकारी योजनाओं में नि:शुल्क इलाज सभी इंश्योरेंस एवं टीपीए कैशलैस इलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल।

MAA-YOJANA | RGHS Rajasthan Government Health Scheme | CGHS | ECHS | जननी सुरक्षा योजना | ESIC

PIMS HOSPITAL UMARDA

पिम्स हॉस्पिटल
उमरड़ा रेलवे स्टेशन रोड़, उदयपुर

: 0294-3510000

web : www.pacificmedicalsciences.ac.in | email : info@pacificmedicalsciences.ac.in | pimsudaipur

अलवर में तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित, कई इलाकों में भरा पानी

तेज बारिश का दौर शुरू हो गया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है

अलवर । अलवर जिले में गुरुवार सुबह से ही तेज बारिश का दौर शुरू हो गया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग पहले ही तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका था, जिसे देखते हुए कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एहतियातन जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी के आदेश जारी किए।

तेज बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई है। जिला अस्पताल के बाहर सडक़ पर पानी भरने से मरीजों और परिजनों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, अंबेडकर सर्किल पर भी पानी भरने से आवागमन बाधित हुआ। अठासेन ओवरब्रिज के पास जलभराव के चलते ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे वाहन चालकों को लंबा इंतजार करना पड़ा।

सिलीसेढ़ बांध में आसपास के पहाड़ों से पानी तेज़ी से आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर इसी तरह पानी आता रहा तो देर शाम या रात तक सिलीसेढ़ बांध भर जाएगा। 200 फीट रोड पर फ्रेंड्स गार्डन के बगल वाली सडक़ का एक हिस्सा धंस गया। इससे करीब 10 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। गरबाजी के पास तेज बारिश होने के कारण झरना उफान पर रहा।

जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अपील : अलवर जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण नदियों, नालों, झरनों, जोहड़ों और पहाड़ी इलाकों में पानी का बहाव तेज हो गया है, ऐसे में आमजन इन क्षेत्रों से दूरी बनाए रखें।

डॉ. शुक्ला ने विशेष रूप से आगाह किया कि तेज बहाव की स्थिति में किसी भी पुलिया या बहती सडक़ को पार करने का प्रयास न करें। जर्जर भवनों में रहना खतरनाक हो सकता है, इसलिए उनका उपयोग तुरंत बंद कर दिया जाए।

उन्होंने कहा कि विद्युत पोल, खुले तारों और अन्य जोखिम वाले स्थानों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। यदि किसी स्थान पर जर्जर भवन, जलभराव या अन्य खतरे की स्थिति हो, तो तुरंत जिला कंट्रोल रूम नंबर 0144-2338000 पर सूचना दें।

कलेक्टर ने कहा कि आपसी सहयोग और सतर्कता से हम आपदाओं को नियंत्रित कर सकते हैं। नागरिकों से अनुरोध है कि वे प्रशासन का सहयोग करें और खुद के साथ दूसरों की भी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

रामगढ़ के उपखंड ऑफिस भवन की फ्रंट दीवार के साथ करीब डेढ़ फीट व्यास का गड्ढा बन गया

रामगढ़ के उपखंड ऑफिस भवन की सुरक्षा को लेकर आमजन की चिंता बढ़ गई है। भवन की फ्रंट दीवार के साथ करीब डेढ़ फीट व्यास का गड्ढा बन गया है। इस छोटे से गड्ढे में सिविल एवं एसडीएम कोर्ट परिसर में जमा हजारों लीटर बरसाती पानी समा गया है। भवन की नींव में इतनी बड़ी मात्रा में पानी समाने से सुरक्षा खतरे को देखते हुए गुरुवार को दोपहर बाद रामगढ़ बार एसोसिएशन ने विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने एसडीएम कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की।

बार एसोसिएशन के एडवोकेट संजीव अरोड़ा,धर्मपाल, अमित कसोटिया, रघुवीर कसाना, राजू सांवरिया, राजकुमार यादव, दिनेश शर्मा,राकेश यादव,संजय वर्मा, मनीष पोसवाल, बार एसोसिएशन अध्यक्ष चरणजीत सिंह और अन्य वकीलों ने बताया कि पिछले एक महीने में कई बार इस गड्ढे के बारे में पूर्व एसडीएम को अवगत कराया गया था। मगर इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

तेज बारिश के बाद कोर्ट परिसर में जमा पानी इस गड्ढे से सीधे भवन की नींव में समा गया है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चरणजीत सिंह ने बताया कि इस मामले में वर्तमान एसडीएम से भी बात की गई, लेकिन उनकी कार्यशैली संतोषजनक नहीं लगी। एसडीएम अनिल मीना ने बताया-उन्होंने पिछले सप्ताह ही यहां कार्यभार संभाला है। उन्होंने स्वीकार किया कि भवन की नींव में बड़ी मात्रा में पानी गया है।

अलवर जिले में गुरुवार सुबह से ही तेज बारिश के बाद बाजारों में पानी भर गया।

■ मौसम विभाग पहले ही तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका था, जिसे देखते हुए कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एहतियातन जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी के आदेश जारी किए।

वरिष्ठ उप सचिव पंवार को भावभीनी विदाई

अजमेर (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग में वरिष्ठ उप सचिव भंवर सिंह पंवार की सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोग कार्मिकों द्वारा समारोह आयोजित कर उन्हें विदाई दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आयोग अध्यक्ष उत्कल रंजन साहू ने कहा कि सरकारी कर्मियों को जिस दिन सरकारी सेवा के लिए पदभार मिलता है उसी दिन सेवानिवृत्ति का दिन भी तय हो जाता है। भंवर सिंह पंवार ने राजकीय सेवा के अपने दीर्घ कार्यकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। संपूर्ण आयोग परिवार इनकी सेवाओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए इनके सुखद भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता है। आयोग सदस्य रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह राठौड़ ने भी पंवार को सुखद भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

अपने संबोधन में आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने पंवार की कार्य के प्रति निष्ठा एवं प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए आयोग के कार्यों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। पंवार ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए और आयोग अध्यक्ष, सदस्यों एवं सभी सहकर्मियों के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह में आयोग के कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पंवार को साफा पहनाकर सम्मान-पत्र भेंट किया। राजपत्रित अधिकारी संघ की और से दयाकर शर्मा तथा जितेंद्र उदय एवं मंत्रालयिक कर्मचारी संघ अध्यक्ष नरेंद्र ने माल्यार्पण कर पंवार का अभिनंदन किया। कार्यक्रम दौरान मंच संचालन अनुभाग अधिकारी दिनेश सिंगोदिया द्वारा किया गया।

दो परिवाद की सुनवाई पर फैसला

■ दो निजी बीमा कंपनियों पर लगाया हर्जाना

जोधपुर, (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग जोधपुर द्वितीय ने दो परिवाद मंजूर करते हुए व्यवस्था दी है कि निवेश या व्यावसायिक उद्देश्य से ली गई बीमा पॉलिसी धारक उपभोक्ता की श्रेणी में आने से परिवाद पोषणीय है, वहीं दूसरे परिवाद में बैंक द्वारा बीमा पॉलिसी रद्द करने की सूचना नहीं देने को अनुचित व्यापार व्यवहार माना है। आयोग के अध्यक्ष डॉ यतीश कुमार शर्मा और सदस्य डॉ अनुराधा व्यास ने एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी पर 10 हजार रुपए हर्जाना तथा रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बैंक ऑफ इंडिया पर बीस बीस हजार रुपए हर्जाना लगाया है।

पहले मामले में हर्षिता कोठारी ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद दायर कर कहा कि उनकी माताजी ने पांच लाख रुपए का जीवन बीमा एच डी एफ सी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से कराया था। 24 फरवरी 2023 को बीमाधारी की मृत्यु का दावा यह कहकर खारिज कर दिया कि बीमा पॉलिसी लेते वक्त आवश्यक तथ्य छुपाए थे। परिवादी की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि बीमा पॉलिसी के समय आयकर रिटर्न और अन्य बीमा पॉलिसी का हवाला दिया था। बीमा कंपनी की ओर से आपत्ति की गई कि बीमा आवरण यूलिप पॉलिसी है,जो निवेश के उद्देश्य से ली गई है,सो व्यावसायिक गतिविधि होने से परिवादी उपभोक्ता नहीं है।

जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए दस हजार रुपए हर्जाना और पांच हजार रुपए परिवाद व्यय लगाते हुए कहा कि यूलिप के बहाने से मृत्यु दावे को नकारना सेवा दोष है और परिवादी उपभोक्ता की श्रेणी में आता है। उन्होंने पांच लाख रुपए मय ब्याज 30 दिन में अदा करने का आदेश दिया।

दूसरे मामले में मधुबाला उपाध्याय ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया ने बचत खाता होने से वर्ष 2011 से प्रति वर्ष नेशनल इंश्योरेंस कंपनी से 2018 तक मेडीक्लेम बीमा खाते से प्रीमियम कटौती कर करवाया जाता रहा है और उन्हें काफी समय बाद जानकारी हुई कि बीमा कंपनी ने वर्ष 2019 की पॉलिसी नवीकरण नहीं करते हुए बैंक को प्रीमियम रिफंड कर दिया,लेकिन बैंक ने इसकी जानकारी परिवादी को नहीं दी। परिवादी ने बाद में अपना बीमा रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी से करवाया। 2022 में घुटनों की सर्जरी का दावा बीमा कंपनी ने यह कहकर खारिज कर दिया कि 6 साल से घुटनों की तकलीफ है। अधिवक्ता अनिल भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि एम्स अस्पताल ने तीन साल से घुटने की समस्या बताई है,लेकिन कहीं पर यह नहीं आया कि तीन या छह साल पहले घुटने खराब हो चुके हों।

जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए बैंक और बीमा कंपनी पर बीस बीस हजार रुपए हर्जाना व दस हजार रुपए परिवाद व्यय लगाते हुए कहा कि 67 वर्षीय महिला के घुटने दुखने से यह निष्कर्ष निकालना कि घुटने पहले से ही खराब हो गए हो और इस आधार पर दावा खारिज किया जाना बीमा कंपनी की सेवा में कमी और त्रुटि है।

रील बनाने के बहाने बुलाकर धमकाने की गैग का पर्दाफाश, 4 पकड़े

जालोर जिले के सायला पुलिस ने सोशल मीडिया रील बनाने के बहाने बुलाकर एवं फिर डरा धमकाकर मोबाइल से रूपये ट्रांजेक्शन करवाने वाली गैंग का पर्दाफाश कर 4 आरोपियों को गिरपतार किया।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सायला पुलिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया रील बनाने के बहाने बुलाकर एवं फिर डरा धमकाकर मोबाइल से रूपये ट्रांजेक्शन करवाने वाली गैंग का पर्दाफाश कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्यवाही पुलिस थाना सायला एवं पुलिस थाना गिराब बाडमेर की संयुक्त पुलिस टीम ने सोशल मीडिया के जरिये अपराध करने वाले अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही का अंजाम दिया है। जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार वांछित अपराधियों की धरपकड के तहत सायला थानाधिकारी सुरेन्द्रसिंह के नेतृत्व में बाबुलाल सउनि. मय टीम एवं पुलिस थाना गिराब जिला बाडमेर की संयुक्त टीम ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर रील बनाने के बहाने बुलाकर डरा धमकाकर रूपये ऐंठने वाली गैंग को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि लाबुराम पुत्र हरसनराम जाति देवासी निवासी विशाला जो सोशल मिडिया के इस्ट्राग्राम पर रील वगैरा बनाता है, जिसने रिपोर्ट दी कि 28 जुलाई 2025 को मेरे मोबाईल नम्बर पर अज्ञात व्यक्ति ने अपने मोबाईल नम्बर से वाट्सअप कॉल किया व मुझे अपने आप को ईश्वरसिंह सोढा बताया व मुझे कहा कि कहां हो, आपके साथ रील बनानी हैं, तब मैने कहा मैं घर पर हूँ, तब उस व्यक्ति ने मुझे महाराणा प्रताप चौक विशाला पर बुलाया तब मैं वहां पंहुचा तो मुझे सफेद रंग की स्विफ्ट कार में बैठाकर कोरा की तरफ लेकर गया, करीबन एक-डेढ़ किलोमीटर आगे जाने पर उक्त ईश्वरसिंह ने गाडी रोकी व वहां खडे चार अज्ञात लडकों को गाडी में बिठाया, बाद में उक्त सभी ने मुझे डरा धमका कर मेरा मोबाईल लिया व लॉक खुलवा कर मेरा पूरा फोन चैक किया बाद में मेरे फोनपे का पासवर्ड लिया व अलग अलग खातों मे 1,93,000 रुपये ट्रांसफर किया, बाद में पांथेडी गांव की सरहद में नीचे उतार दिया। पुलिस ने बताया कि ईश्वरसिंह , महेन्द्रसिंह, विंजराजसिंह उर्फ नारायणसिंह व जुंजारसिंह को 30 जुलाई को सरहद बालेवा पुलिस थाना गिराब जिला बाड़मेर से दस्तयाब किया जाकर बाद अनुसंधान प्रकरण हाजा में गिरफ्तार किया गया। उक्त मुलजिमानों को आज जालोर न्यायालय में पेश कर पीसी रिमाण्ड पर प्राप्त किया जावेंगा।

विभिन्न परीक्षाओं की विचारित सूची जारी

अजमेर (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक खनि अभियंता (खान एवं भूविज्ञान विभाग) तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी- साइबर फॉरेंसिक डिवीजन एवं डीएनए डिवीजन प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत विचारित सूचियां जारी की गई है।

सहायक खनि अभियंता के पदों के लिए 78, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-साइबर फॉरेंसिक डिवीजन के पदों के लिए 15 एवं डीएनए डिवीजन के पदों के लिए 24 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच लिए अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि विचारित सूचियां चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है। यह चयन सूची अथवा वरीयता सूची नहीं है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची संबंधित विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन कराए जाने के बाद आयोग द्वारा जारी की जाएगी।

विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन-पत्र ऑनलाइन भरने होंगे। वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी- साइबर फॉरेंसिक डिवीजन एवं डीएनए डिवीजन के अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 6 से 12 अगस्त 2025 (रात्रि 11.59) तथा सहायक खनि अभियंता की विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों हेतु विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 7 से 13 अगस्त 2025 (रात्रि 11.59)तक खोला जाएगा।

जालोर में कथावाचक ने भिक्षा मांगी

जालोर, (कासं)। जालोर में कथावाचक अभयदास की हठधर्मिता के चलते प्रशासन द्वारा अनुमति देने के बाद भी कथा नही करने से लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। वही कथावाचक ने गुरुवार को अपने भक्तों के घर घर जाकर भिक्षा मांगी तथा उनके घर खाना खाया। लेकिन कथावाचक के मांस मदिरा का सेवन करने वालों के घर खाना नही खाने का प्रण टूटा। वही शाम को कथावाचक मीडिया से भी रुबरु हुए।

जालोर में कथावाचक के कथा करने की जिद के चलते बुधवार देर शाम को शिव सेना के जिला प्रमुख रुपराज पुरोहित ने दिनभर प्रयास कर अपने फर्म हाउस पर कथा करने की अनुमति की कही, लेकिन कथावाचक को फर्म हाउस पर कथा करने की अनुमति देने की बात करने पर उन्होने वहा पर कथा करने से कथावाचक ने मना कर दिया। इसके बाद रुपराज ने अनुमति वापस ले ली तथा कथावाचक के प्रति अपनी नाराजगी प्रकट की। रुपराज ने कहा कि प्रशासन अनुमति देने को तैयार है। मैने अपनी जिम्मेदारी से कथा के लिए अनुमति ली, लेकिन कथावाचक ने वहां पर कथा करने से मना कर दिया।

गुरुवार को कथावाचक ने भक्तो के घर घर जाकर भिक्षा मांगी तथा उनके वहां भोजन किया, लेकिन कथावाचक का प्रण था कि वह किसी भी ऐसे व्यक्ति के घर भोजन ग्रहण नही करेगे जो मांस या मदिरा का सेवन करता हा, लेकिन गुरुवार को एक मांस विक्रेता के घर के बार बैठकर भिक्षा लेकर खाना खाया। ऐसे मे कथावाचक के हर बार अपने बयानो से पलटने से लोगों में भी असमंजस्य की स्थिति बनी हुई है

वहीं शाम को कथावाचक अभयदास ने प्रेस वार्ता कर कहा कि जालोर में ही किसी भक्त के घर रहकर चातुर्मास कर वापस चला जाऊंगा। कथा करने का आज भी मानस है, लेकिन कथा स्थल को लेकर जगह नही मिलने पर यही कही भजन कीर्तन करेंगे। कथावाचक ने कहा कि प्रशासन ऐसी जगह जानबुझकर अनुमति दे रही है, जहां मै नही जाना चाहता हूं। वही शिवसेना के जिला प्रमुख रुपराज पुरोहित द्वारा अनुमति लेने के बाद मना करने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि रुपराज पुरोहित ने अनुमति लेने के लिए मेरे पास आये तथा मेरा शपथ पत्र लेने को कहा, मैन शपथ पत्र देने से इंकार कर दिया। बार बार अपनी बातों से पलटने के प्रश्न पर कहा कि मै बार बार नही पलटता हूॅ मै अपनी जिद पर आज भी अडिंग हूॅ। कथा करने की बजाय दूसरे विवाद में क्यो पडे के प्रश्न पर कहा कि मै कथा के साथ धर्म की रक्षा करना चाहता हूं, इसलिए मै अपनी धर्म रक्षा के लिए आगे आया। संत महात्मा को तो इंसानियता का पाठ पढाना चाहिए और आप धर्म के नाम पर बांटने की बात करते हो के प्रश्न पर कहा कि मै इंसानियता का पाठ पढाने के साथ लोगो को धर्म नीति के बारे में भी बताना जरुरी है। उन्हें धर्म की सही राह पर लाना हमारा कार्य हैं। बायोसा मंदिर दर्शन की बजाय मजार विवाद क्यो किया के प्रश्न पर कहा कि मैने दर्शन करने के बाद देखा की मजार बनी हूई है, जो गलत है, तो मैने विरोध किया।

खेलते-खेलते टाई हुक में फंसी, दम घुटा, बच्चे की मौत

बीकानेर । यहां 10 साल के बच्चे की खेल-खेल में मौत हो गई। बच्चा स्कूल से घर लौटकर अपने भाई के साथ खेल रहा था। अचानक उसकी टाई एक हुक में फंस गई, निकलने के लिए बच्चा घूमता गया, लेकिन टाई गले में फंसती गई और उसका दम घुटता गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर मां रसोई से आई और बच्चे को हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। घटना बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ तहसील के गांव गुसाईसर बड़ा में की है। बच्चे के दादा पेमाराम प्रजापत ने बताया कि पोता कानाराम कुम्हार (11) अपने भाई-बहन के साथ गुंसाईसर बड़ा के एक स्कूल में पढ़ता था। छुट्टी के बाद तीनों घर लौटे थे। उनकी मां बच्चों का खाना परोसने रसोई में चली गई। दोनों पोते कमरे में खेलने लगे। कानाराम की टाई खूंटी में अटक गई। वह घूमता गया और टाई उसके गले में फंस गई। हॉस्पिटल लेकर गए। तब तक

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में पर्दा, रॉड एवं सॉकेट आपूर्ति मय स्थापना हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन **GSU2526GSRC00029** हैं। निविदाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/7246 वित्त नियंत्रक

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 1152 Date :- 30/07/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 16/2025-26

Bids for MPT, Talab, Talai, ECD, Farm Pond, Talab renovation work Project PMKSY2.0 Block – Todabhim of estimated value (64.80+15.51) INR 80.31 Lacs [02 Package] are invited from interested bidders up to 11.59 PM, 10-08-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)** of the state, departmental website. **NIB CODE :- WSC2526A0556**
UBN NO- WSC2526WSRC00936, WSC2526WSRC00935

Raj.Samwad/C/25/7253 Superintending Engineer and Project Manager

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जालोर

क्रमांक-लेखा/2025-26/3349 दिनांक-24.07.2025

ई-निविदा सूचना-01/2025-26

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जालोर के अधिन संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आहोर, सियाणा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरजी के लिए पॉईन्ट ऑफ केयर कार्डियक एण्ड टॉक्सिकोलॉजी मार्कर मशीन आपुर्ति के लिये राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 में विहित नियमों एवं वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी प्रावधानों के अन्तर्गत नियमानुसार विनिर्माता/अधीकृत विक्रेताओं से E-Proc. पोर्टल पर बोली आमंत्रित की जाती है। आवेदन पत्र/निविदा दस्तावेज राज्य लोक उपापन पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in/ sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN: MHS2526GLOB03040, NIB: MHS2526A2015

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जालोर

DIPR/C/10723/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1244 **Notice Inviting Bid: 1626/202526** दिनांक-24.07.2025

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 05.08.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 300.70 lacs and maximum value of single work in this procurement is 29.92 lac.

NIT NO.	16	17	18	19	20
UBN NO.	PHE2526WSOB 04930	PHE2526WSOB 04931	PHE2526WSOB 04933	PHE2526WSOB 04934	PHE2526WSOB 04935
NIT NO.	21	22	23	24	25
	PHE2526WSOB 04936	PHE2526WSOB 04937	PHE2526WSOB 04938	PHE2526WSOB 04939	PHE2526WSOB 04940
NIT NO.	26				
	PHE2526WSOB 04941				

जल सीमित हैं, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/10573/2025

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय

जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान), फोन नं. 01425-254022 (कार्यालय), e-mail Id : dean.skncoa@sknau.ac.in

क्रमांक :- एफ.( )/सीएस/ई बिड/श्रीकनकृमवि/2025/849 दिनांक :- 30/07/2025

ई-बिड सूचना

पषुपालन, प्रायोगिक एवं अन्य कृषि कार्य हेतु सभी श्रेणी के श्रमिक आपूर्ति की ई-बिड प्रपत्र वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है एवं **sppp.rajasthan.gov.in and www.sknau.ac.in** देखा जा सकता है। ई-बिड प्रपत्र शुल्क राशि 1000.00, धरोहर राशि Rs. 3.40 Lakhs (DD/BC in favour Dean, SKNCOA, Jobner) तथा RISL प्रोसेसिंग फीस राशि 2000.00 भरकर दिनांक 19.08.2025 समय सायं: 05:00 बजे तक Upload करवाना एवं अधिष्ठाता कार्यालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में जमा करवाना होगा एवं दिनांक 20.08.2025 को सुबह 11.30 बजे ई-बिड समिति द्वारा खोली जावेगी।
UBN : SKN2526SLOB00162

राज.संवाद/सी/25/7244 अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER P.W.D. DN. ALIGARH

No.: 1154-63 Dated: 21.07.2025

Notice Inviting Bid 08/2025-26

9 Nos. Bids for Missing Link & Renewal Roads works are invited from interested bidders upto 01.08.2025 Time 6.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http:// eproc.rajasthan.gov.in, http:// sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and Public Works department Rajasthan website. The approximate value of the procurement is Rs. 863.36 Lacs.
NIB CODE: PWD2526A2125
UBN is: (1) PWD2526WSOB07677, (2) PWD2526WSOB07678, (3) PWD2526WSOB07689, (4) PWD2526WSOB07690, (5) PWD2526WSOB07691, (6) PWD2526WSOB07692, (7) PWD2526WSOB07693, (8) PWD2526WSOB07694, (9) PWD2526WSOB07695

(B.S. Meena) Executive Engineer, P.W.D. Dn. Aligarh

DIPR/C/10708/2025

भारी बारिश के चलते कोटा-बूंदी में बंद करना पड़ा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे

कोटा, (निसं)। हाड़ौती संभाग में भारी बारिश का क्रम जारी है। इसका असर देखने को मिला है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के 90 किलोमीटर के हिस्से को बंद करना पड़ा है। यहां के ट्रैफिक को दूसरे नेशनल हाईवे पर डायवर्ट किया गया है। यह कोटा जिले के मंडाना से लेकर बूंदी जिले के लबान तक बंद किया हुआ है। जबकि इसके आगे 60 किलोमीटर मेगा हाईवे कोटा लालसोट से लबान से सवाईमाधोपुर तक जाना पड़ता था लेकिन इस रास्ते को ही मेज नदी की पापड़ी पुलिया क्षतिग्रस्त होने के चलते डाइवर्ट कर दिया गया है। यहां ट्रैफिक लगभग 24 घंटे से भी ज्यादा समय से बंद है। दोनों हिस्सों के पहले से ही ट्रैफिक को डाइवर्ट कर दिया गया है। वाहनों को इस पर चढ़ ने नहीं दिया जा रहा है। बैरिकेडिंग लगाकर बंद किया गया है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल ने बताया कि प्रशासन की रिक्वेस्ट पर एक्सप्रेसवे को बंद किया गया है। कब तक बंद रहेगा यह प्रशासन ही क्लियर कर सकता है। सार्वजनिक निर्माण विभाग लाखेरी के अधिशासी अभियंता सतीश सिंघल का कहना कि प्रशासन से पुलिया की स्थिति ठीक नहीं होने के चलते मानसून के पूरे सीजन में रास्ते को बंद करने के लिए कहा है। आगे इसकी जांच के बाद ही क्लियर कर पाएंगे। फिलहाल डेढ़ महीने तक मानसून सीजन में यह बंद रहेगा। दरअसल दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भारी ट्रैफिक आने लग गया था। यह पूरा ट्रैफिक 8 लेन पर चलने वाला दो लेन के मेगा हाईवे और इस पर बनी मेज नदी की पापड़ी की सिंगल लेन पुलिया से गुजर रहा था। हालांकि केशोरायपाटन कापरेन और अन्य आसपास के इलाकों में जाने वाले ट्रैफिक को लाखेरी से गेंडोली और खटकड़ होकर निकलने दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र की तरफ से आ रहे ट्रैफिक को दरा घाटी पार करने के बाद एक्सप्रेसवे के गोपालपुर इंटरचेंज पर चढ़ ने की जगह नेशनल हाईवे 52 पर डायवर्ट किया जा रहा है। जहां कोटा बाईपास, हैंगिंग ब्रिज होते हुए बल्लोप से बूंदी फिर हिंडौली पहुंच रहे हैं। जहां से वापस 148डी नेशनल हाईवे पर उनियारा होते हुए सवाई माधोपुर की तरफ जा रहे हैं। इसी हाईवे पर दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे का सवाई माधोपुर इंटरचेंज है जहां से वापस दिल्ली की तरफ जा रहे हैं। दिल्ली से आने वाले ट्रैफिक को भी इसी रूट पर डायवर्ट किया हुआ है।

डायवर्टेड रूट से लम्बा हुआ सफर : गोपालपुरा से कोटा बूंदी हिंडौली-उनियारा से वापस एक्सप्रेसवे पकड़ने पर 200 किलोमीटर दूरी होने तय करनी पड़ रही है।

'स्वाधीनता दिवस हर्षोल्लास के साथ फिर से किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर मनाया जाए'

किशनगढ़ बास। 15 अगस्त को पूरे देश में स्वाधीनता दिवस बडे हर्ष और उल्लास के साथ मनाए जाने के लिए विद्यालयों और प्रशासनिक स्तर पर कार्यक्रमों को लेकर तैयारी में जुटने वाले हैं वहीं किशनगढ बास उपखंड मुख्यालय पर स्वाधीनता दिवस मनाया जाने को लेकर लोगों की चिंताएं बढी हुई है। इस को लेकर व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को जिला कलेक्टर किशोर कुमार से मिला है।

किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर स्वाधीनता दिवस समारोह आयोजित कराए जाने को लेकर संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर से मिले विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारीयों ने बताया कि खैरथल तिजारा जिला बनने के बाद से किशनगढ बास उपखंड मुख्यालय पर आयोजित होने वाले उपखंड स्तरीय स्वाधीनता एवं गणतंत्र दिवस समारोह जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह में समायोजित कर दिया गया। व्यापारियों ने बताया कि 26 जनवरी 2025 से व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों की मांग पर गणतंत्र दिवस समारोह उपखंड मुख्यालय पर फिर से मनाएं जाने शुरू हुआ शहर के व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों की मांग है कि गणतंत्र दिवस समारोह की तरह स्वाधीनता दिवस भी हर्षोल्लास के साथ फिर से किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर मनाया जाए। जिला कलेक्टर ने व्यापारियों की मांग को सुना और कार्रवाई का आश्वासन दिया। किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर स्वाधीनता दिवस पर उपखंड स्तरीय समारोह आयोजित किए जाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर से मिलने वालों में संयुक्त व्यापार मदन लाल अग्रवाल, लघु उद्योग संघ अध्यक्ष हरमेश खुराना, टेलर संगठन अध्यक्ष प्रभु दयाल, अनिल खुराना सहित विभिन्न सगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय स्वाधीनता दिवस समारोह मनाएं जाने को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते व्यापारी।

■ मौसम विभाग पहले ही तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका था, जिसे देखते हुए कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एहतियातन जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी के आदेश जारी किए।

राष्ट्रदूत के 75वें स्थापना दिवस पर सभी देशवासियों
को बहुत-बहुत बधाईयां और शुभकामनाएं
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री-भारत सरकार
अमित शाह
गृहमंत्री-भारत सरकार
मदन राठौड
प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा
भजनलाल शर्मा
मुख्य मंत्री-राजस्थान सरकार
स्वच्छता, पर्यावरण तथा जल संरक्षण व जल संचय
के बिना राष्ट्र की उन्नति एवं विकास संभव नहीं
स्वच्छता अपनाओं
बीमारी भगाओं
पानी बचाना होगा हर घर में
वाटर हार्वेस्टिंग लगाना होगा ।
वृक्ष लगाओ, देश सुरक्षित बनाओं
स्वच्छता, पर्यावरण,जल संचय
व जल संरक्षण अपनाये
आओं हम सब मिलकर राजस्थान को
स्वच्छ-हराभरा जल युक्त
बनाने का संकल्प लें ।
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
के.के. गुप्ता
कोर्डिनेटर : स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) राजस्थान सरकार
संयोजक: स्वच्छ भारत मिशन (प्रदेश भाजपा)

राष्ट्रदूत स्थापना दिवस

75 वाँ

1975 EMERGENCY 1975 EMERGENCY 1975 EMERGENCY 1975 EMERGENCY 1975 EMERGENCY 1975 EMERGENCY

इंदिरा गांधी

मैं दिल हूँ इक अरमान भरा, तू आके मुझे पहचान ज़रा...

> बहरहाल, सब कुछ दिल्ली में ही नहीं हुआ, काफी कुछ जयपुर में भी हुआ था। उस दिन, जो मैंने, राष्ट्रदूत में एक नौसिखिया, चौबीस वर्षीय प्रशिक्षु पत्रकार के रुप में, देखा व महसूस किया, आप लोगों से शेयर करना चाहता हूं, इससे पहले कि याददाश्त और धुंधली पड़ जाये और राष्ट्रदूत का वह अनुभव अनकहा, अनसुना रह जाये, तथा मन पर एक बोझ बना रहे कि समय रहते कुछ क्यों नहीं किया। अखबार, महाभारत के संजय की भांति, महाराज धृष्टराष्ट्र को केवल युद्ध का विवरण सुनाते थे, अपनी भावनाओं व भय को, अपने तक ही सीमित रखते थे। इसी तरह निष्पक्ष और तटस्थ रहना ही रिपोर्टर को सिखाया जाता था, पहले दिन से ही।

जगजीवन राम

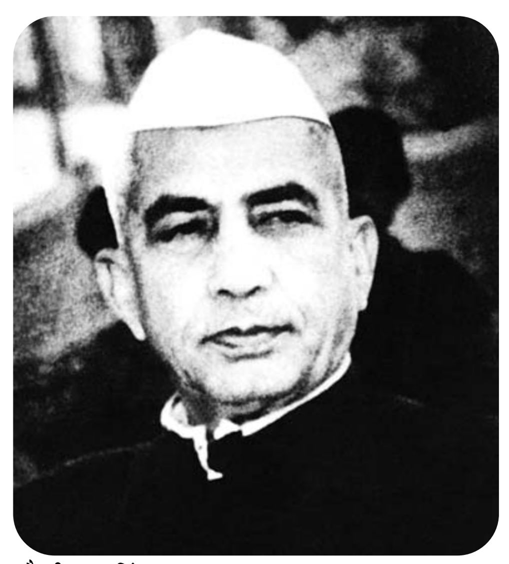

चौधरी चरण सिंह

जॉर्ज फर्नांडिस

> इस घटनाक्रम का पूरा मंथन हुआ और गुप्ताजी को पहले पेज के लिए ''न्यूज़'' बनाने का जिम्मा सौंपा गया। न्यूज का आशय यह होना था, कि राज्य सरकार में कुछ खास ''इमरजेंसी'' सा डवलपमैंट, देर रात तक सभी वरिष्ठ अधिकारियों की अचानक लम्बी बैठक, और मुख्यमंत्री अपने पुत्र की शादी के कार्यक्रम को अफरातफरी में पूरा कर, स्टेट प्लेन से दिल्ली गये। अगले दिन राजस्थान में ''इमरजेंसी'' लागू कर दी गई थी। गुप्ता जी की खबर की हैडिंग में ''इमरजेंसी'' शब्द का उपयोग, बहुत सटीक रहा, और उन्हें बड़ी बधाईयां मिलीं, पत्रिका के विजय भण्डारी ने राष्ट्रदूत आकर, गुप्ता जी को बधाई दी।

मोरारजी देसाई

अटल बिहारी वाजपेयी

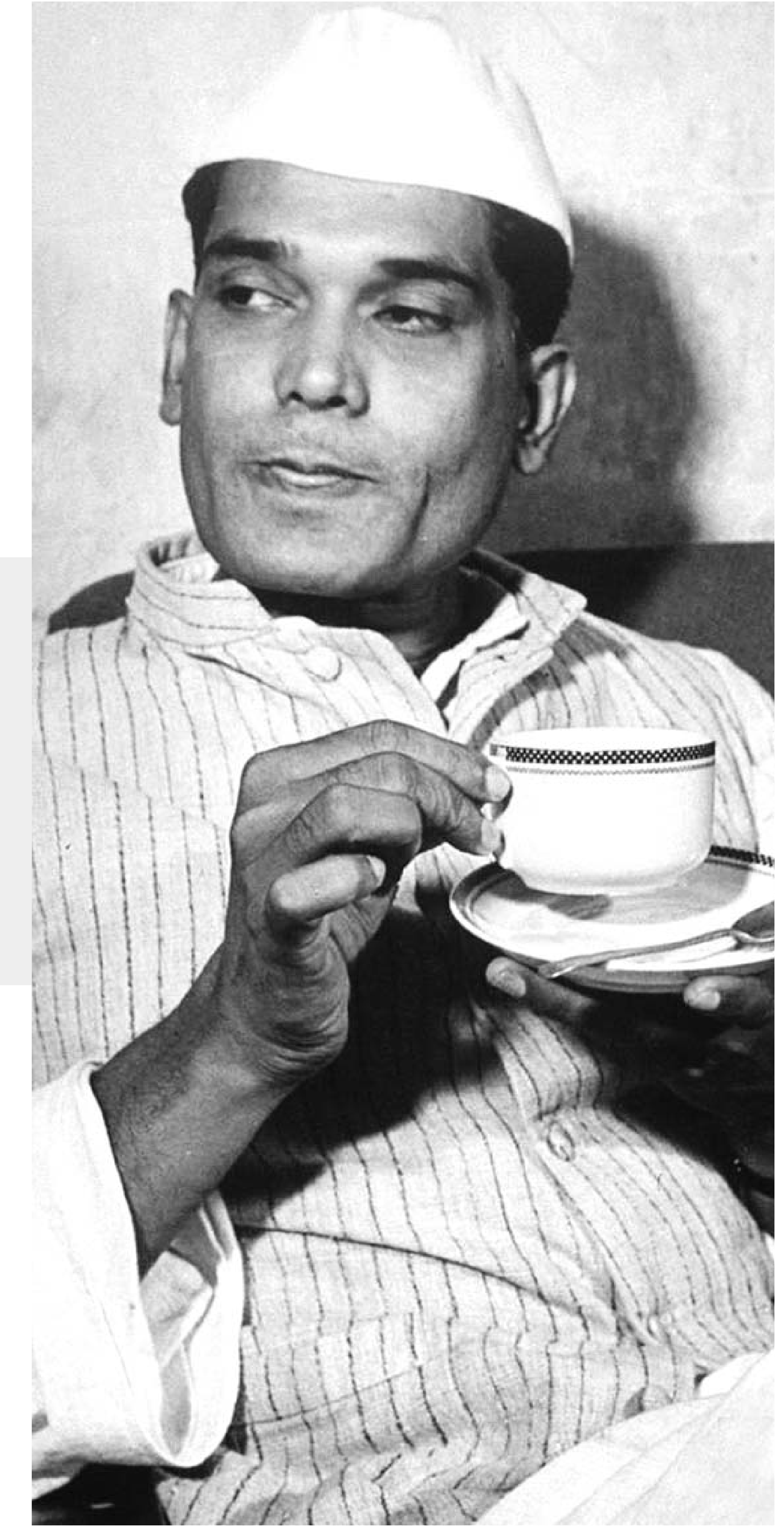

जयप्रकाश नारायण

राजेश शर्मा
प्रधान सम्पादक राष्ट्रदूत

26 जून से आज तक, लगभग सभी अखबारों ने ''इमरजैंसी'' के बारे में अपने अनुभव के बारे में खूब लिखा। कई अखबारों, जैसे इण्डियन एक्सप्रेस ने तो कई दिनों तक लगातार अपने अखबार के, अपने मालिक के, अपने संपादकों के, अपने रिपोर्टर्स के, यहां तक कि उस समय के उनके ड्राइवरों व अन्य प्रशासनिक कर्मचारियों तक के अनुभवों को अपने पाठकों से साझा किया।

यह जरूरी भी था, क्योंकि इन लोगों ने अपनी आँखों से ''इतिहास'' देखा था, भय महसूस किया था, और अपने प्रौफेशन को अनिश्चितता से ढकते देखा था। कुछ युवा खबरनवीसों को तो विश्वास नहीं हो रहा था, कि देश में ऐसा भी हो सकता है।

बहरहाल, सब कुछ दिल्ली में ही नहीं हुआ, काफी कुछ जयपुर में भी हुआ था। उस दिन, जो मैंने, राष्ट्रदूत में एक नौसिखिया, चौबीस वर्षीय प्रशिक्षु पत्रकार के रुप में, देखा व महसूस किया, आप लोगों से शेयर करना चाहता हूं, इससे पहले कि याददाश्त और धुंधली पड़ जाये और राष्ट्रदूत का वह अनुभव अनकहा, अनसुना रह जाये, तथा मन पर एक बोझ बना रहे कि समय रहते कुछ क्यों नहीं किया उन स्मृतियों को जीवित रखने के लिए, क्योंकि यह उन दिनों की बात है, जब अखबार, महाभारत के संजय की भांति, महाराज धृष्टराष्ट्र को केवल युद्ध का विवरण सुनाते थे, अपनी भावनाओं व भय को, अपने तक ही सीमित रखते थे। इसी तरह निष्पक्ष और तटस्थ रहना ही रिपोर्टर को सिखाया जाता था, पहले दिन से ही।

आज कल सम्पादकीय विभाग का वह माहौल गायब सा हो गया है, ऑन लाइन, ''वर्क फ्रॉम होम'' आदि, ईजाद किये गये काम करने के नये-नये तरीकों के कारण। अर्ली मॉर्निंग शिफ्ट, लेट नाइट शिफ्ट, रैग्युलर शिफ्ट के कारण सम्पादकीय विभाग का कोई न कोई व्यक्ति, लगभग हर समय होता ही था दफ्तर में। लगभग हर समय कोई छोटा या बड़ा प्रशिक्षु या कोई अनुभवी व्यक्ति दफ्तर से सम्पर्क कर लेता था, कुछ बताने के लिए, कुछ जानने के लिए, और शाम को तो पूरा ''एडिटोरियल विभाग'' मधुमक्खी के छत्ते की भांति, कामकाज की रोजमर्रा की ध्वनियों से जीवन्त रहता था। अतः यह तो कहना मुश्किल है कि यह कब एहसास हुआ कि अब कोई बड़ा राजनीतिक हादसा होने वाला है। पर, कुछ बड़ा पक रहा है, यह अहसास सबको होने लगा था, प्रेस के एडिटोरियल सैक्शन में।

हालांकि मेरी भूमिका इस जोश-खरोश के वातावरण में नगण्य सी ही थी। मैं प्रशिक्षु था, आई.आई.टी. व एक्स. एल.आर.आई. से पास होकर आया ही था, और अखबार में क्या करना है, तलाश ही रहा था। केवल ये निर्देश थे कि आँख-कान खुले रखो और ''ऑब्ज़र्व'' करो, क्योंकि ''एडिटोरियल'' पवित्र जगह है, यहाँ सबको अपना-अपना काम करने दो शांति से, किसी तरह का हस्तक्षेप अक्षम्य है, चाहे हस्तक्षेप की इच्छा रखने वाला मालिक का बेटा ही क्यों न हो। इस सन्दर्भ में एक किस्सा काफी प्रचलित था। टाइम्स ऑफ इण्डिया के संपादक गिरिलाल जैन, एडिटोरियल की मीटिंग ले रहे थे, अचानक समीर जैन हॉल में आये, गिरीलाल जैन ने भृकुटी तान कर समीर को इस तरह देखा, जैसे कह रहे हों, ''आप क्या चाहते हैं, हमारे लाइट, पंखे व बाथरूम ठीक काम कर रहे हैं, आप यहां क्यों आये हैं।''

बहरहाल, ''एडिटोरियल'' की रौनक इतनी आकर्षक व ''एक्साइटिंग'' थी कि मैं बेवजह वहां चिपका ही रहता था। लोग (न्यूज़ मेकर) आते थे, जाते थे, दिन भर किस्से कहानियां शेयर की जाती थीं, टीका-टिप्पणियां सुनी-सुनाई जाती थीं, कटाक्ष भी एक दूसरे पर फेंके जाते थे।

हालांकि यह कहना सम्भव नहीं है कि एडिटोरियल डिपार्टमैंट के माहौल में अचानक इतनी तेजी कैसे आई। पर यह कहने में कुछ हिचकिचाहट नहीं कि देश का राजनीतिक तापमान गर्माने में सबसे ज्यादा निर्णायक भूमिका चौहत्तर वर्षीय जयप्रकाश नारायण की थी।

स्वतंत्र भारत में जन्मी युवा पीढ़ी शायद उन्हें उतना करीब से नहीं जानती थी। पर जयप्रकाश जी की छवि उनके मन में परिवार के एक बुजुर्ग जैसी थी, जिसे पूर्णतया ''ट्रस्ट'' किया जा सकता है, और जो स्नेह से ओत-प्रोत, पर समझदारी पूर्ण, सुलझी हुई बात कहता है। 1973-74 में एक पारिवारिक शादी के लिए पूरे बैद्यनाथ परिवार का दिल्ली में जमावड़ा था। जमावड़े का केन्द्र था, रामेश्वर ठाकुर का आनन्द निकेतन बंगला। ठाकुर साहब बाद में सफल राजनीतिज्ञ बने और कांग्रेस पार्टी ने उनकी विश्वसनीयता की कद्र करते हुए, उन्हें केन्द्रीय मंत्री व गवर्नर आदि पद भी दिये। बंगले की ''मेन बिल्डिंग'' में घुसते ही एक बड़ा हॉलनुमा कमरा था, जिसके ग्लास पैनल वाले दरवाजों से एक वृद्ध दिखाई पड़ते थे, जो ज्यादातर अध्ययन रत से ही रहते थे। युवा पीढ़ी, शादी का शोर-शराबा और हंसी-मजाक के माहौल में भी, बिना कहे हॉल के आस-पास चहल कदमी पर अंकुश सा लगा रहता था। आते-जाते कभी आमना सामना हो जाये, तो उनकी स्नेह पूर्ण, पर कुछ थकी सी आँखे, कुछ मुस्कुरा सी देती थीं। यह कृष काया, जयप्रकाश बाबू की थी, और मुझे तो बाद में कुछ आश्चर्य सा ही हुआ, जब इस ''माइल्ड मैनर्ड'' व्यक्ति ने, देश की ''जोरदार'' प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के खिलाफ सम्पूर्ण क्रान्ति का नारा दिया, और कुछ साल पहले ही पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली महिला के घुटने टिकवा दिये। जयप्रकाश बाबू की मूल व सबसे मजबूत समर्थक युवा पीढ़ी थी, जो उनमें पितामह की छवि देखती थी।

> हजारी बाबू बोले, ''चलो गुप्ताजी, हम यहां क्या भाषण सुनने आये हैं।'' हजारी बाबू के उठते ही ''महफिल'' उठ सी गई। जोशी जी हजारी बाबू के पीछे पीछे आये, ''अरे ठहरिये हजारी बाबू, सब कुछ दे दिया जायेगा आपको।'' हजारी बाबू घर आकर ही रुके। शहर में चर्चा फैली, कि हजारी बाबू गिरफ्तार हो गये हैं या हो जायेंगे। मैंने गुप्ताजी से पूछा, उन्होंने बड़े विश्वास से कहा, ''जोशी जी ऐसा नहीं कर पायेंगे। बाबूजी का भारी योगदान रहा है कांग्रेस को जमाने में, जो सब जानते हैं।''

25 जून की शाम ''एडिटोरियल'' विभाग में अजीब सी चुप्पी थी। जय प्रकाश बाबू ने दिल्ली के रामलीला मैदान से आम सभा को सम्बोधित करते हुए, सरकारी अफसरों व अन्य मुलाज़िमों का खुला आव्हान किया था, कि अगर सरकार जनता विरोधी आदेश देती है, क्रियान्वन के लिए, तो उन्हें इन आदेशों की अवहेलना करने का पूरा नैतिक अधिकार है।

जयप्रकाश बाबू का यह खुला आव्हान एक तरह से सरकारी कर्मचारी को खुली बगावत करने का आमंत्रण दे रहा था। इस आमंत्रण का क्या हश्र होगा, पूरा ''सम्पादकीय विभाग'' श्वास रोक कर आशंका से इन्तज़ार कर रहा था। तभी राष्ट्रदूत के चीफ रिपोर्टर और हजारी बाबू के अत्यन्त विश्वास पात्र मोहन लाल गुप्ता ने याद दिलाया, कि बी.एन. जोशी के घर पर विवाहोत्सव है। जोशी जी पुराने कांग्रेसी नेता थे। तब पी.सी.सी. में एक ही महासचिव होता था। मूलतः बांदीकुई के रहने वाले बी.एन. जोशी वर्षों से पार्टी के एक मात्र महासचिव थे। राज्य

> स्वतंत्र भारत में जन्मी युवा पीढ़ी शायद उन्हें उतना करीब से नहीं जानती थी। पर जयप्रकाश जी की छवि उनके मन में परिवार के एक बुजुर्ग जैसी थी, जिसे पूर्णतया ''ट्रस्ट'' किया जा सकता है, और जो स्नेह से ओत-प्रोत, पर समझदारी पूर्ण, सुलझी हुई बात कहता है। इस ''माइल्ड मैनर्ड'' व्यक्ति ने, देश की ''जोरदार'' प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के खिलाफ सम्पूर्ण क्रान्ति का नारा दिया, और कुछ साल पहले ही पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली महिला के घुटने टिकवा दिये।

व केन्द्र में कांग्रेस की ही सरकार थी, अतः, रूलिंग पार्टी के प्रदेश महासचिव का अलग ही महत्व था। कांग्रेस उस जमाने में भी दो सशक्त खेमों में बंटी हुई थी। प्रथम मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास के समर्थक अनुयायियों का ग्रुप, जो प्रायः जोधपुर ग्रुप के नाम से जाना जाता था।

दूसरा खेमा सुखाड़िया खेमा कहलाता था, जिसे उदयपुर खेमा या सत्तापक्ष भी कहते थे। दोनों में (हैल्दी) प्रतिस्पर्धा भी खुलकर चल रही थी। उदाहरण के लिए, एक बार उदयपुर खेमे के सैकण्ड-इन-कमांड देवपुरा जी से मैंने पूछा कि ऐसा कैसे हुआ कि वे 1952 से लगातार विधायक रहे, केवल 1962 को छोड़ कर। उन्होंने हंसकर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ''आपके पिताजी ने मेरा टिकट प्रदेशाध्यक्ष जयनारायण जी से कटवा दिया था, क्योंकि 1957 में हमने उनको विधानसभा चुनाव में, जब सुखाड़िया जी मुख्यमंत्री थे, कोटपुतली से हरवा दिया था, क्योंकि वे व्यास जी के सैकण्ड-इन-कमांड थे।''

इस तरह से उस समय दो खेमों में विभक्त कांग्रेस का एक मात्र निर्वाचित महासचिव होना बड़े महत्व की बात थी। मूलतः बी.एन. जोशी जयनारायण व्यास ग्रुप के थे, पर सुखाड़िया ग्रुप लगातार सत्ता में था, पहले स्वयं सुखाड़िया, फिर हरदेव जोशी और फिर देवपुरा। पर, किसी भी ग्रुप को बी.एन. जोशी ने अपनी विश्वसनीयता व निष्ठा पर अंगुली उठाने का मौका कभी नहीं दिया।

स्वाभाविक ही था, उनके परिवार के विवाहोत्सव में सभी राजनीतिज्ञ तो मौजूद थे ही, मुख्य सचिव सहित सचिवालय के सभी बड़े अफसर शामिल थे। हजारी बाबू ने गुप्ता जी के कान में कहा, ''मालूम करो क्या बात है। एक-एक करके वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मुख्यमंत्री सचिव के पास जा रहे हैं, दो सैकण्ड बात होती है, और वह अधिकारी चुपचाप खिसक लेता है।''

विवाहोत्सव, जो एम.आई.रोड पर राष्ट्रदूत ऑफिस से लगभग सामने एम.एल.ए. क्वाटर्स के बंगले में था, से लौट कर गुप्ताजी अफसरों को फोन करने में लग गये, और फिर हजारी बाबू से बोले, पता नहीं क्यों, पर कोई भी वरिष्ठ अधिकारी घर पर नहीं मिला। सबके यहां से एक ही जवाब मिल रहा है, ''सचिवालय गये हैं, कोई मीटिंग है।''

यह सब जानकारी इकट्ठी करते-करते लगभग ग्यारह बज गये थे। हजारी बाबू ने कहा, ''मुख्यमंत्री जोशी को फोन करके पूछो। बांसवाड़ा फोन करके मुख्यमंत्री के स्टाफ से बात हुई, जवाब मिला अभी जोशी बेटे की शादी के फेरों में बैठे हैं, उठते ही बात करा देंगे। गुप्ताजी ने आधे घण्टे बाद फिर फोन किया, उसी स्टाफ के आदमी ने कहा, ''गुप्ता जी माफ करना बात नहीं करा सका। फेरे से उठते ही मुख्यमंत्री स्टेट प्लेन से दिल्ली रवाना हो गये थे।''

इस घटनाक्रम का पूरा मंथन हुआ और गुप्ताजी को पहले पेज के लिए ''न्यूज़'' बनाने का जिम्मा सौंपा गया। न्यूज का आशय यह होना था, कि राज्य सरकार में कुछ खास ''इमरजेंसी'' सा डवलपमैंट, देर रात तक सभी वरिष्ठ अधिकारियों की अचानक लम्बी बैठक, और मुख्यमंत्री अपने पुत्र की शादी के कार्यक्रम को अफरातफरी में पूरा कर, स्टेट प्लेन से दिल्ली गये। अगले दिन राजस्थान में ''इमरजेंसी'' लागू कर दी गई थी। गुप्ता जी की खबर की हैडिंग में ''इमरजेंसी'' शब्द का उपयोग, बहुत सटीक रहा, और उन्हें बड़ी बधाईयां मिलीं, पत्रिका के विजय भण्डारी ने राष्ट्रदूत आकर, गुप्ता जी को बधाई दी।

अभी सब परिवार वाले, सुबह-सुबह इस सफलता का रसास्वादन कर ही रहे थे, एक काली अम्बेसडर गाड़ी आकर रुकी और उसके पीछे पुलिस का एक ट्रक था, जिसमें से पुलिस वाले बिना इजाज़त राष्ट्रदूत के कार्यालय घुस रहे थे, जहां अंदर के पेजों की तैयारी में, ''कम्पोज़ीटर'' सम्पादकीय विभाग से कॉपी लेकर कम्पोज़िंग शुरू कर रहे थे। पुलिस वालों ने उन कम्पोज़ीटरों के हाथ से, कॉपियाँ, छीनना शुरू कर दिया।

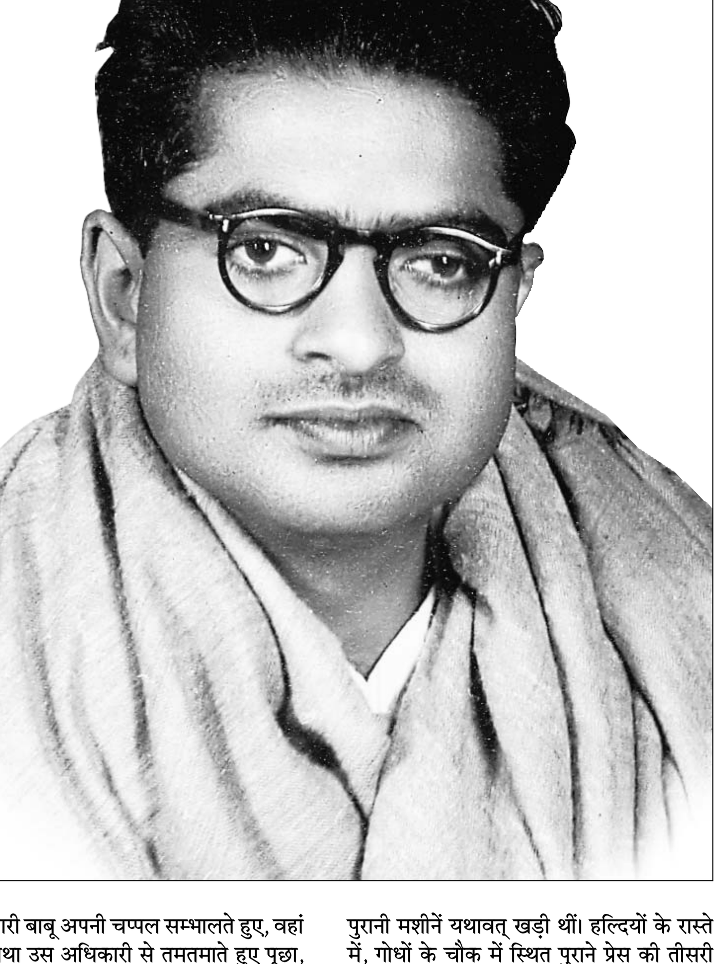

हजारी बाबू अपनी चप्पल सम्भालते हुए, वहां पहुंचे, तथा उस अधिकारी से तमतमाते हुए पूछा, ''ये क्या हो रहा है?'' बड़ी विनम्रता से वह अधिकारी बोला, ''हजारी बाबू विचलित न हों। सरकारी आदेश है, मैं अभी आपको सब कुछ बताता हूं।'' उस अधिकारी ने अपना वाक्य पूरा भी नहीं किया था, कि किसी मुलाज़िम ने बिजली के खम्भों पर चढ़कर, ''फ्यूज़'' निकाल दिये, तथा दफ्तर, प्रेस व घर पर से बिजली चली गई, एक अंधेरा सा छा गया, एक चुप्पी सी छा गयी।

सभी स्तब्ध रह गये। मुझे तो लगा जैसे दिल की धड़कन ही बंद हो गई, क्योंकि अखबार के दफ्तर में एडियोरियल में, प्रेस में सदा एक चहल कदमी रहती थी, लगभग चौबीस घण्टे। गत 26 जनवरी को ही राष्ट्रदूत अपने पुराने ठिकाने से उठकर, एम.आई. रोड स्थित नये पते पर आया था तथा छब्बीस जनवरी का अंक नये प्रेस में नई रोटरी मशीन पर छपा था। पर, पुराने प्रेस में अभी पुरानी व्यवस्था, कम्पाज़ीटर्स के टाइप, पेज बनाने के लिए फर्मे व पुरानी मशीनें यथावत् खड़ी थीं। हल्दियों के रास्ते में, गोधों के चौक में स्थित पुराने प्रेस की तीसरी मंजिल पर, प्रेस मैनेजर धर्मेन्द्र शुक्ला व उनका परिवार रहता था। दम घुटता, इससे पहले भागकर शुक्लाजी को फोन लगाया गया और निर्देशित किया गया, कि, कम्पोज़ीटरों को इकट्ठा करके पुरानी प्रेस बुला लो, तथा एडिटोरियल स्टाफ को भी वहां ही भेज रहे हैं, जिससे पुराने प्रेस से अखबार निकाला जा सके। फोन सुनकर शुक्लाजी इन्तजामात में जुट ही रहे थे, कि, वहां भी सरकारी जत्था पहुंच गया, और खंभे से बिजली काट दी। हम लोग भूल गये थे, कि, जो सरकार बिजली काट सकती है, वह फोन तो पहले ''टैप'' करेगी।

ऐसी तड़पन थी, माहौल में। क्योंकि शायद किसी को स्वप्न में भी यह कल्पना नहीं थी की कि राष्ट्रदूत के साथ भी ऐसा हो सकता है। जो भी मिलने आ रहा था, ऐसा लग रहा था, किसी गमी में शरीक होने आ रहा है। हजारी बाबू भी गम्भीर थे, पर मेरी ही नहीं, हर व्यक्ति की हर आशंका का, बेचैनी से

> हल्दियों के रास्ते में, गोधों के चौक में स्थित पुराने प्रेस की तीसरी मंजिल पर, प्रेस मैनेजर धर्मेन्द्र शुक्ला व उनका परिवार रहता था। दम घुटता, इससे पहले भागकर शुक्लाजी को फोन लगाया गया और निर्देशित किया गया, कि, कम्पोज़ीटरों को इकट्ठा करके पुरानी प्रेस बुला लो, तथा एडिटोरियल स्टाफ को भी वहां ही भेज रहे हैं, जिससे पुराने प्रेस से अखबार निकाला जा सके। फोन सुनकर शुक्लाजी इन्तजामात में जुट ही रहे थे, कि, वहां भी सरकारी जत्था पहुंच गया, और खंभे से बिजली काट दी। हम लोग भूल गये थे, कि, जो सरकार बिजली काट सकती है, वह फोन तो पहले ''टैप'' करेगी।

जवाब दे रहे थे। ''क्या अखबारों का भविष्य खत्म है?'', ''क्या कभी चुनाव होंगे?'' वे विश्वास पूर्वक दृढ़ता से कह रहे थे, ''आप घड़ी को उल्टा नहीं सकते (यू कान्ट टर्न -द क्लॉक बैक)। अब प्रजातंत्र खत्म नहीं किया जा सकता हिन्दुस्तान में। ''सस्पैंड'' जरूर किया जा सकता है कुछ समय के लिए।''

दोपहर में गुप्ताजी खबर लाये कि मुख्यमंत्री ने अपने निवास, आठ ''सिविल लाइंस'' पर, अखबारों के मालिकों और वरिष्ठ पत्रकारों को बुलाया है। हजारी बाबू, गुप्ताजी के स्कूटर पर पीछे बैठ कर वहां पहुंचे। काफी लोग पहले ही पहुंच चुके थे। हरदेव जी, उस दिन का घटना क्रम समझा रहे थे, कि कैसे देश में अराजकता का वातावरण बन गया है, तथा कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए केन्द्रीय सरकार ने ''इमरजैंसी'' घोषित कर दी है, तथा अखबारों पर ''सैंसर शिप'' लागू होगी। हजारी बाबू भरे हुए तो थे ही, ''क्या यह बताने के लिए हम लोगों को बुलाया है। मैंने ब्रिटिश राज की ''सैंसर शिप'' भी देखी है। क्या छपेगा, क्या नहीं छपेगा, कोई गाइड लाइन जारी की है, आपने। प्री-सेंसर शिप की क्या प्रक्रिया होगी? जवाब मिला, ''गाइड लाइन तैयार हो रही है, ...।'' हजारी बाबू बोले, ''चलो गुप्ताजी, हम यहां क्या भाषण सुनने आये हैं।'' हजारी बाबू के उठते ही ''महफिल'' उठ सी गई। जोशी जी हजारी बाबू के पीछे पीछे आये, ''अरे ठहरिये हजारी बाबू, सब कुछ दे दिया जायेगा आपको।'' हजारी बाबू घर आकर ही रुके। शहर में चर्चा फैली, कि हजारी बाबू गिरफ्तार हो गये हैं या हो जायेंगे। मैंने गुप्ताजी से पूछा, उन्होंने बड़े विश्वास से कहा, ''जोशी जी ऐसा नहीं कर पायेंगे। बाबूजी का भारी योगदान रहा है कांग्रेस को जमाने में, जो सब जानते हैं।''

बहरहाल गिरफ्तारी तो नहीं हुई, पर उस दिन से अखबारों की ''सैंसरशिप'' शुरू हो गई। सैंसर शिप करने वाला सरकारी कर्मचारियों का स्टाफ डी.पी.आर. के दफ्तर में बैठने लगा, तथा अखबार वाले शाम से अपने अखबारों के प्रूफ लेकर वहां जाने लगे, कुछ आपत्तिजनक न पाने पर, सैंसर शिप करने वाला स्टाफ उस पर हस्ताक्षर करके, मोहर लगाकर वापस दे देता था। मैसेज था, आपके अखबार ने सैंसर की सीढ़ी पार कर ली है, तथा अब आप छपाई कर सकते हैं। इस सैंसरशिप के शीर्ष अधिकारी थे, साफ सुलझे गृह सचिव एल.एन. गुप्ता, उनकी सूझ-बूझ से ही सैंसर शिप का नाजुक दौर निकल गया। एक बार तो राष्ट्रदूत में छपने आया आधा पेज का विज्ञापन, ''लास्ट मिनट'' में इसलिए रोक दिया गया, क्योंकि विज्ञापन ''मोरारजी मिल्स'' का था। अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि, छपाई से ठीक पहले, आधा पेज की खबरें, कम्पोज़ कराकर कहां से लायें। हल्ला सुनकर, एल.एम. गुप्ता साहब आये और मौके की नाज़ुकता समझी, कि उनके स्टॉफ की सार्वजनिक रूप से ''हेटी'' भी न हो, और अखबार वाले के लिए अनावश्यक दिक्कतें भी न बढ़ें। बड़े अफसराना तरीके से, गम्भीर आवाज़ में निर्णय सुनाया अपने स्टॉफ को, ''इस बार चेतावनी देकर छोड़ दो, अगली बार पूरी सख्ती करना।''

आपातकाल के ''फायदे'' भी जरुर होंगे, आखिर तभी राजस्थान पत्रिका के बहु आदरणीय सम्पादक कपूर चन्द जी कुलिश ने उस दौरान पूरे प्रदेश का दौरा किया, और आपातकाल की अच्छाइयों, जो उन्होंने देखीं और महसूस कीं, का वर्णन अपनी किताब ''मैं देखता चला गया'' में किया। यह गिनाया गया कि आपातकाल में सरकारी कर्मचारी समय से दफ्तर आने लगे थे, रिश्वत लेने से घबराने लगे थे। ऐसा अहसास कराया गया कि अब स्वर्णिम युग की शुरूआत होगी। बेकाबू दौड़ते हुए घोड़े के वेग से बढ़ती आबादी पर रोक लगेगी (नसबन्दी), सरकारी व सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण रूकेगा ही नहीं बल्कि, पुराने अतिक्रमण व अवैध निर्माण भी तोड़े जायेंगे (दिल्ली का बहुचर्चित तुर्कमान गेट प्रकरण)। उन दिनों में मैं पारिवारिक प्रतिष्ठान श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद

> हजारी बाबू भी गम्भीर थे, पर मेरी ही नहीं, हर व्यक्ति की हर आशंका का, बेचैनी से जवाब दे रहे थे। ''क्या अखबारों का भविष्य खत्म है?'', ''क्या कभी चुनाव होंगे?'' वे विश्वास पूर्वक दृढ़ता से कह रहे थे, ''आप घड़ी को उल्टा नहीं सकते (यू कान्ट टर्न -द क्लॉक बैक)। अब प्रजातंत्र खत्म नहीं किया जा सकता हिन्दुस्तान में। ''सस्पैंड'' जरूर किया जा सकता है कुछ समय के लिए।''

भवन में प्रेसीडैंट भी था, तथा कई बार इलाहाबाद बोर्ड मीटिंग के लिए भी जाया करता था। इलाहाबाद में यू.पी. का ए.जी. ऑफिस है। उसकी बिल्डिंग व प्रांगण, राजस्थान के सचिवालय से दुगना है साइज़ में। जब इमरजैंसी लागू हुई व रोज हाजरी ली जाने लगी सीट पर, तो यह उजागर हुआ कि जितने कर्मचारी व अफसर ''रोल'' पर हैं, अगर अपनी सीटों पर बैठना चाहें, तो यह सम्भव नहीं है, बीस प्रतिशत कुर्सियां कम हैं।

बहरहाल, मेरी पत्नी के पितामह पं. मौलीचन्द शर्मा, जनसंघ के प्रथम महासचिव थे तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु के बाद अध्यक्ष बने। जन संघ, आर.एस.एस. नेटवर्क पर कुलिश जी शायद उनसे परिचित थे, क्योंकि, वे मौलीचन्द जी के घर जाकर अपनी पुस्तक उनको भेंट करके आये थे, जैसा मौलीचन्द जी ने जिक्र किया था। मौलीचन्द जी हालांकि, पं. नेहरू जी से नजदीकी के कारण या उनसे प्रभावित होकर कांग्रेस के भी नजदीक चले गये थे। टाइम्स ऑफ इंडिया से कुपित होकर कांग्रेस सरकार ने इस अखबार को, न्यूज़ प्रिंट में गोल-माल का आरोप लगाकर, अधिग्रहित करने का मन बना लिया था, तथा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस शाह को बैनट कोलमैन एण्ड कम्पनी (टाइम्स ऑफ इंडिया) अखबार के प्रकाशक व मालिक के बोर्ड का अध्यक्ष मनोनीत किया तथा काम काज देखने के लिए मौलीचन्द जी को ''एक्ज़िक्युटिव डॉयरेक्टर'' के साथ ही नवगठित लैंगवेज कमीशन का चार्ज भी सौंपा, पर जैसा कि उस समय का चलन था, और परिपाटी थी, मौलीचन्द जी के जनसंघ/आर.एस.एस. के साथ सम्बन्धों में कोई खटास नहीं आई। तथा जनसंघ के दिग्गज, जैसे बसंत राव ओक आदि, प्रायः उनके पास बैठे हुए मिल जाते, जब भी मैं वहां गया।

इमरजैंसी के बाद, जब जनता पार्टी चुनाव जीती, तथा नई सरकार ने राजघाट पर शपथ लेने का मन बनाया, जनता पार्टी के तीनों घटकों को (कांग्रेस (ओ.)), सोशलिस्ट व जनसंघ के वरिष्ठ नेताओं को शपथ ग्रहण समारोह को ''लीड'' करने के लिए आमंत्रित किया गया। कांग्रेस (ओ.) का प्रतिनिधित्व कृपलानी जी ने किया, सोशलिस्टों की ओर से जयप्रकाश बाबू, तथा, जनसंघ की ओर से मौलीचन्द जी से आग्रह किया गया था। पर, ''किन्हीं'' कारणों से वे हिचकिचा गये थे। और कुछ समय बाद उनकी मृत्यु हो गई। कहा जाता है, कुलिश जी ने ''मैं देखता चला गया'' का नया रिवाइज़्ड संस्करण भी छापा था, पर, मैं नहीं देख पाया, क्योंकि तब तक मौलीचन्द जी की मृत्यु हो चुकी थी, तथा उन्हें प्रतिलिपी शायद भेंट नहीं मिल पाई थी।

आपातकाल के बारे में एक बहुत बड़ा दुःख इस बात का है कि कैसे और किस तरह से जनता व नेताओं का सोच बदला इमरजैंसी के बारे में।

14 अगस्त 1977 को बेलची से लौटते समय, इंदिरा गांधी पटना के कदम कुआं में दो मंजिले मकान पर पहुंचीं, जिसमें वर्षों से जयप्रकाश बाबू की पत्नी प्रभादेवी महिला चर्खा समिति चलाती थीं, अप्रेल 1973 में अपनी मृत्यु तक। जयप्रकाश उस मकान के दूसरे भाग में रहते थे। वे डायलिसिस पर थे। इमरजैंसी में उन्होंने एक सौ तीन दिन एकांकी कारावास में गुजारे थे। चण्डीगढ़ में उसी दौरान कारावास में उनकी किडनी क्षतिग्रस्त हो गई थी। जे.पी. के भाई रामेश्वर प्रसाद, ने इंदिरा गांधी को पत्र लिखा, जे.पी. दो माह से ज्यादा जीवित नहीं रहेंगे। अतः क्या जे.पी. का जेल में मरना, आपके हित में होगा। दो दिन बाद जे.पी. जेल से रिहा कर दिये गये थे।

जे.पी. का इंदिरा गांधी से रिश्ता काफी ''कॉम्प्लैक्स'' था। इसी रिश्ते को पोषित करने, उस दिन इंदिरा गांधी जयप्रकाश बाबू से मिलने उनके घर गई थीं। वर्ष 1973-74 में जयप्रकाश बाबू ने ''पूर्ण क्रान्ति'' का आव्हान देकर, गुजरात में विद्यालयों का नव निर्माण आंदोलन शुरू किया था और यह आंदोलन कांग्रेस के चिमन भाई पटेल की सरकार को निगल गया था। फिर, गुजरात की भांति बिहार में भी युवा पीढ़ी ने सर्वव्यापी भ्रष्टाचार, बढ़ती महंगाई व चुनाव प्रक्रिया में आमूल परिवर्तन के लिए आंदोलन शुरू किया, तथा जयप्रकाश बाबू को आमंत्रित किया इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए।

इस आन्दोलन का यह राष्ट्रीय गान वर्ष 1974-75 में पूरे बिहार में गूंजा, ''जयप्रकाश का बिगुल बजा तो जाग उठी तरुणाई है, तिलक लगाने तुम्हें जवानों, क्रांति द्वार पर आई है।'' आन्दोलन के बहाव में अब्दुल गफूर की कांग्रेस सरकार डूब गई, पटना में, तथा बात आगे बढ़कर इंदिरा गांधी के इस्तीफे तक पहुंचने लगी।

जयप्रकाश बाबू ने विपक्ष की पार्टियों को साथ लेकर इंदिरा गांधी के सामने लाकर खड़ा किया, जनवरी 1977 में जब इंदिरा गांधी ने चुनाव की घोषणा की। चुनाव अभियान की रैलियों में उनकी उपस्थिति, करंट का संचार कर रही थी। उदाहरण के लिए, जनवरी 1977 में मुम्बई के शिवाजी पार्क में, जो भीड़ से ठसा-ठस भरा था, जयप्रकाश बाबू मंच पर एक कुर्सी में सिकुड़ कर बैठे थे, क्योंकि वे खड़े नहीं हो सकते थे अपने सम्बोधन जनता तक पहुंचाने के लिए। ऐसा लगा कि, वे कुछ फुस-फुसा रहे हैं। पर, श्रोता ''पिन ड्रॉप'' गम्भीरता से हर शब्द पकड़ने की कोशिश कर रहे थे, इसके पहले कि वे शब्द, वातावरण में लीन हो जायें। एक लाख की भीड़ ने केवल वो ही मैसेज सुना, जो वो सुनने आई थी, ''इंदिरा गांधी को हटाओ'' और जनता ने इंदिरा गांधी को हटा दिया। पर, जयप्रकाश बाबू का इंदिरा गांधी से व्यक्तिगत झगड़ा नहीं था और उनके आंदोलन के साथी यह समझ नहीं पाये। कदम कुंआ में जे.पी. के निवास की सफाई करते हुए, एक पोटली मिली जिसमें बीस-पच्चीस खत, सफाई से बांध कर रखे हुए थे। ये वो खत थे, जो कमला नेहरू (इंदिरा जी की मां) ने जे.पी. की पत्नी प्रभा देवी को लिखे थे, दोनों की मित्रता उस समय प्रगाढ़ हो गई थी, जब 1930 के दशक में अमेरिका से लौट कर स्वतंत्रता आंदोलन में कूदने से पहले जयप्रकाश नारायण आनन्द भवन में काफी दिन रूके थे तथा कमला नेहरू धीरे-धीरे अपनी मन की पीड़ा प्रभा देवी से साझा करने लगी थीं। पोटली में वो पत्र थे, जो कमला ने कालान्तर में प्रभा देवी को लिखे थे। उदाहरण के लिए, एक पत्र में लिखा था, कुछ लोग अपने आप को बहुत ''सुपीरियर'' समझते हैं। उनका संकेत, विजय लक्ष्मी पण्डित की ओर था। पत्रों में नेहरू परिवार के कई अन्य लोगों के बारे में कुछ-कुछ और भी लिखा था। कुछ-कुछ पण्डित नेहरू के बारे में अंकित था। जिनसे कमला जी को कुछ नाराज़गी थी, जैसा हर परिवार में होता है। उन्होंने लिखा, कि बाहर से नेहरू परिवार में आये किसी व्यक्ति के लिए इस परिवार में ''एडजस्ट'' करना कितना मुश्किल होता है। क्योंकि नेहरू परिवार धनाढ्य व ''एलीट'' (अति सभ्रांत) परिवार है तथा पं. नेहरू इन मौकों पर परिवार के सामने कमला नेहरू के पक्ष में खड़े नहीं होते थे। कमला जी ने यह भी लिखा, कि वे (प्रभा देवी) भाग्यशाली हैं, कि, जे.पी. उनसे एक दम बराबर की तरह बात करते हैं।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन

■ डॉ.कलाम ने देश की वैज्ञानिक क्रांति में दिया अहम योगदान - पूर्व विधायक नवलखा

निंबाहेड़ा/प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत रत्न एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम साहब की 10 वीं पुण्यतिथि एवं डॉ.कलाम एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी (रजि.) निंबाहेड़ा के दस वर्ष पूर्ण होने पर सोसायटी के तत्वाधान में नगर के विवेकानंद सर्कल स्थित कम्यूनिटी हॉल में बुधवार को आयोजित विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का शुभारंभ पूर्व विधायक अशोक नवलखा के मुख्य आतिथ्य में एवं सोसायटी संरक्षक प्रदीप मोदी,भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री आशीष टांक,श्री सवारियां गोशाला संचालक बंशीलाल राईवाल आदि के विशिष्ट आतिथ्य में फीता काटकर व डॉ.कलाम की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अशोक नवलखा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ.कलाम ने देश की वैज्ञानिक क्रांति में अहम योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि समय की जरूरत है कि हम अपने भावी भविष्य को तकनीकी शिक्षा के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नवलखा ने विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किए गए विभिन्न विज्ञान से जुड़े मॉडल का अवलोकन कर बच्चों का उत्साह वर्धन किया। विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी के दौरान नगर के कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का समापन एवं पारितोषिक वितरण विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता पीसी बैरवा,सहायक अभियंता विपिन कुमार सेन,युवा उद्योगपति पीयूष शारदा,यदुपति सिंघानिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी निंबाहेड़ा के प्राचार्य केएल जोशी,सोसायटी के संरक्षक डॉ.जी.एम.जैन,कमलेश ढेलावत,मोहित स्कूल संचालक प्रकाश चेलावत,सर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष पुष्कर सोनी आदि के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। अतिथियों द्वारा बच्चों को पारितोषिक भेंट वितरित किए गए। आयोजन समिति से जुड़े पदाधिकारियों ने अतिथियों का मेवाड़ी पगड़ी व उपरना पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन हिना मेव ने किया।इस मौके पर सोसायटी अध्यक्ष भेरूलाल टांक,संस्थापक अशरफ मेव,उपाध्यक्ष तालिब अहमद,दशरथ कुमार टांक मजहर हबीब,हिमांशु बैरवा,फिरोज खान,इकबाल मेव,शरीफ मेव,श्याम सुंदर अग्रवाल,भोपाल सिंह बोडाना,हिमांशु बैरवा,विकास गायरी,हिना खान,निशात एकेडमी संचालक असीम खान,आदि सहित यदुपति सिंघानिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलोजी निंबाहेड़ा,सर्वोदय मिडिल स्कूल,निशात एकेडमी आदि स्कुलो के विद्यार्थियों सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार चुनाव प्रक्रिया होगी

प्रतापगढ़ । मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान के निर्देशानुसार चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिये प्रत्येक मतदान केन्द्र पर बुथ स्तरीय अभिकर्ताओं की नियुक्ति, मतदाता सूची में की में सुधार, मतदाता सूचियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं इसमें शत प्रतिशत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण, नृत/स्थानान्तरित मतदाताओं के नाम विलोपन इत्यादि के सम्बन्ध में दिनांक 31.07.2025, मंगलवार को कार्यालय निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एस.डी.एम.) प्रतापगढ़ पर विधानसभा क्षेत्र प्रतापगढ़ के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एस.डी.एम.) श्री अश्विन मालू ने विधानसभा क्षेत्र प्रतापगढ़ की सामान्य जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में कुल 274 मतदान केन्द्र हैं। विधानसभा में कुल 268970 मतदाताओं में से 134060 पुरूष तथा 134907 महिला एवं 03 अन्य मतदाता है। वर्तमान में विधानसमा का मतदाता लिंगानुपात 1006 च मतदाता-जनसंख्या अनुपात 665 है। आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में सभी उपस्थित प्रतिनिधियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान मतदाताओं की विशेष तीन केटेगेरी के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही कार्यक्रम के दौरान ग्यारह दस्तावेजो के बारे में जानकारी प्रदान की गई। आधार कार्ड को इस कार्यक्रम में दस्तावेज के रूप में मान्य नही होने की जानकारी प्रदान की गई। मतदाता सूची के अन्तिम प्रकाशन के पश्चात् भी निरन्तर अद्यतन की प्रक्रिया के अन्तर्गत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने तथा संशोधन का कार्य चलता रहेगा। अर्थात् यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में पंजीकरण से शेष रह गया है तो यह प्ररूप 6 में आवेदन कर सकता है। इसी प्रकार प्ररूप 7 में नाम हटाने तथा प्ररूप 8 में मतदाता प्रविष्टी में सुधार हेतु आवेदन किया जा सकता है। मतदान केन्द्रो के पुनगर्ठन संबंधित जानकारी भी प्रदान की गई। विधानसभा क्षेत्र प्रतापगढ़ में 1200 से अधिक कुल 54 मतदान केन्द्रों के पुनगर्ठन की कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उक्त सभी प्रक्रियाओं के लिये आवेदनो को ऑनलाईन किया जा सकता है। इसके लिये मोबाईल एप-वोटर हेल्प लाईन को स्टोर से डाउनलोड करते हुए स्वयं को रजिस्टर करें तथा सुविधानुसार नियत प्रपत्र में स्वयं का या परिवार के किसी सदस्य का आवेदन किया जा सकता है अथवा वोटर सर्विस पोर्टल के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है।

उपस्थित प्रतिनिधियों से विधानसभा क्षेत्र प्रतापगढ़ के लिये सभी 274 मतदान केन्द्रो पर बुथ स्तरीय अभिकत्ताओं ( ) की नियुक्ति के लिये आग्रह किया गया। सभी राजनीतिक दलो ने की नियुक्ति जल्द करने का आश्वासन दिया है।

जिले में तीन नवसृजित उचित मूल्य दूकान के लिए आवेदन आमंत्रित

प्रतापगढ़। खाद्य एवं नागरिक आपूति विभाग जयपुर के निर्देशानुसार उचित मूल्य दुकानों के आवंटन हेतु दिशा-निर्देशों के तहत् सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत जिले में नवसृजित उचित मूल्य दुकानों के लिए इच्छुक एवं पात्र व्यक्तियों से राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ (वितरण एवं विनियमन) आदेश 1976 के खण्ड 3 (1) के अन्तर्गत प्राधिकार-पत्र जारी किये जाने हेतु सशुल्क आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जा रहे है।

जिला कलक्टर (रसद) डॉ. अंजलि राजोरिया ने विज्ञिप्त जारी कर बताया कि आवेदन पत्र दिनांक 04.08.2025 से कार्यालय जिला रसद अधिकारी, प्रतापगढ़ (मिनी सचिवालय) से (राजकीय अवकाश को छोड़कर) 100/- रू. का भारतीय पोस्टल ऑर्डर जिला रसद अधिकारी, प्रतापगढ़ के पक्ष में या डी.डी. बनवाकर जमा कराकर प्राप्त किए जा सकते है एवं इसी कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 04.09.2025 तक कार्यालय समय में जमा करायें जा सकेंगें।

बीएलओ प्रशिक्षण आयोजित

प्रतापगढ़ ।भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी महोदय, राजस्थान व जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतापगढ़ के आदेशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र प्रतापगढ़ 172 के समस्त बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एस.डी.एम) प्रतापगढ़ अश्विन मालू ने बताया कि दिनांक 31/07/2025 को विधानसभा क्षेत्र प्रतापगढ़ 172 के मतदान केन्द्र संख्या 101 से मतदान केन्द्र संख्या 150 के बीएलओ एवं सुपरवाईजर का प्रशिक्षण सभागार जिला परिषद् प्रतापगढ़ एवं मतदान केन्द्र संख्या 251 से मतदान केन्द्र संख्या 274 तक के बीएलओ एवं सुपरवाईजर का प्रशिक्षण सभागार, पंचायत समिति अरनोद में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीएलओ एवं सुपरवाईजर को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

हेमवती नंदन बहुगुणा

'...पर अब प्रजातंत्र पुनः स्थापित कर दिया गया है'

सत्ता खोने के 28 महीने बाद इंदिरा जी पुनः चुनाव लड़कर जीत कर आईं, और सरकार बनाई। तो राजनीतिज्ञों के ज़हन में तो स्थापित हो गया कि राजनीति का मतलब ही यह है कि ''पावर एट एनी कॉस्ट'', यानी सत्ता में आना ही चाहिये, चाहे इसके लिए कुछ भी कीमत चुकानी पड़े। नशे की व सरकारी रूतबे की एक सी ही फितरत होती है। नियमित खुराक (डोसेज) बढ़ाती रहनी पड़ती है, वही पुराना ''सरूर'' पाने के लिए। और जब ''मॉरल कम्पास'' पहले ही, इंदिरा जी के समय में, इमरजैंसी के दौरान तोड़ चुके थे तो ''अपराध बोध'' (गिल्ट) का सवाल ही कहां उठता है। राजनीतिज्ञों को ''मॉरल कम्पास'' तोड़ने में इतनी आसानी इसलिए भी हुई कि वो अपना ''आइडियोलॉजिकल कम्पास'' पहले ही खो चुके थे।

अपने आंदोलन के साथी मित्रों की एकमत राय व दबाव के बावजूद जे.पी. ने यह खतों की पोटली इंदिरा जी को सौंपने का निश्चय किया, क्योंकि वे कतई नहीं चाहते थे, कि ये खत किसी ऐसे हाथों में पहुंच जायें, जो इन खतों से प्राप्त व्यक्तिगत जानकारियों का राजनीतिक दुरुपयोग करे, अतः वे दिल्ली गये, और इंदिरा जी को यह पोटली दी। यह जे.पी. की मृत्यु से दो साल पहले की बात थी। मुलाकात के दौरान इंदिरा जी ने जे.पी. से आग्रह किया, जे.पी. से मदद मांगी व कहा कि आप अपनी आलोचना का तीखापन कुछ कम कर दें। जे.पी. ने कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं। इंदिरा जी ने कुछ नाराज़गी जताते हुए तपाक से पूछा, ''क्या आप यह कह रहे हैं, मैं व्यक्तिगत रूप से भ्रष्ट हूं?'' जे.पी. ने सीख देते हुए कहा कि, जो सबसे ऊपर बैठते हैं, उन्हें जिम्मेदारी तो लेनी ही पड़ती है। तथा वे (जे.पी.) एक परिवर्तन लाने के लिए एक आंदोलन चला रहे हैं, इसमें व्यक्तिगत कुछ भी नहीं है।

सरकार चले जाने के बाद और बेलजी की यात्रा के पश्चात् पटना लौटने पर इंदिरा जी ने जे.पी. से उनके कदम कुंआ स्थित मकान पर मिलने का समय मांगा। जे.पी. जब प्रातः उनसे मिलने का इंतजार कर रहे, उस समय वे नेहरू परिवार के अपने पुराने सम्बन्धों की यादें मन ही मन दोहरा रहे थे। उन्हें याद आ रहा था, कैसे वे 1929 में अमेरिका से सात साल बाद पढ़ाई पूरी करके भारत लौटे थे। वे विद्यार्थी जीवन में मार्कसिस्ट थे, भाई (पं. नेहरू) के समझाने पर स्वतंत्रता संग्राम में तल्लीन हो गये थे तथा उसके बाद कांग्रेस के तत्वावधान में 1934 में सोशलिस्ट नेताओं, जैसे आचार्य नरेन्द्र देव, अशोक मेहता, राम मनोहर लोहिया के साथ मिलकर कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी बनाई।

इंदिरा जी को इस बात से कुछ बेचैनी सी रही, कि एक बार नेहरू जी ने जे.पी. को अपने उत्तराधिकारी के रूप में देखा था। सन् 1953 में नेहरू जी ने जे.पी. को अपने मंत्रिमण्डल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। वे चाहते थे, जे.पी. उपप्रधानमंत्री बनें। पं. नेहरू के करीबी रिश्तेदार, जो एक आई.सी.एस. अफसर थे, ने ''एड मैमोआर'' (स्मरण पत्र) में लिखा है, पण्डित नेहरू के इस आमंत्रण के बारे में, कि उन्हें मंत्रिमण्डल में ऐसा साथी चाहिए, जो बता सके कि वो, (पं. नेहरू) प्र.मंत्री के रूप में कहाँ गल्ती कर रहे हैं। पं. नेहरू जे.पी. को मंत्रिमण्डल में ही, विपक्ष की भूमिका देना चाहते थे, पण्डित नेहरू ने जे.पी. से इस प्रस्ताव को लेकर अनुनय किया, मनुहार की और विनम्र विनती की पर जे.पी. अपने इन्कार पर अडिग रहे। पं. नेहरू ने यह तर्क दिया कि वे चाहते हैं कि पुराने सोशलिस्ट कांग्रेस में लौटें, जिससे वे (पं. नेहरू) पार्टी में परम्परावादी, राइटविंग तत्व का दबाव बर्दाश्त कर सकें। जून 1953 में प्रजा-सोशलिस्ट पार्टी (पी.एस.पी.) की बैठक ने कांग्रेस-पी.एम.पी. के विलय पर मंथन भी किया। अशोक मेहता, जे.पी. के सरकार जॉइन करने के पक्ष में थे, राम मनोहर लोहिया आदि प्रस्ताव के खिलाफ। बैठक में किसी ने जे.पी. पर आरोप लगा दिया कि वे पद के भूखे हैं। आरोप सुनकर जे.पी. रो पड़े और पावर पॉलिक्टिस से दूर रहने का निश्चय किया।

जे.पी. की पसंद शायद महात्मा गांधी का उत्तराधिकारी बनने की ज्यादा थी, बनिस्पत पं. नेहरू के सहायक। गांधी जी ने भी एक बार जे.पी. से कहा था कि तुम मेरे सच्चे शिष्य हो, जो अंग्रेजों की ''लैगेसी'' (विरासत) को मिटाना चाहता है, जबकि नेहरू केवल अंग्रेजों को हटाना चाहते हैं, तथा जे.पी. एक नैतिक द्वन्द में फंसे रहते हैं, सही उद्देश्य की पूर्ती के लिए, सही रास्ता व साधन प्राप्त करने के लिये। जैसे विनोबा भावे का भूदान आंदोलन तथा चम्बल के डाकुओं को आत्मसर्मपण कराना आदि। इंदिरा गांधी, जे.पी. के इन आन्दोलनों को ''कन्फ्यूज़्ड'' व अव्यावहारिक मानती थीं। पर वे जानती थीं कि जे.पी. की ''मॉरल अथॉरिटी'' (नैतिकता) भारी है, और इसलिए बेलजी के बाद, पदच्युत् इंदिरा गांधी, पुनः स्थापित होने की लड़ाई के दौरान जे.पी. से मिलने आईं थीं। मीटिंग पचास मिनट चली। पत्रकार ऊपर आये, जे.पी. की मीटिंग के बारे में प्रतिक्रिया लेने, क्योंकि इंदिरा जी हाथ हिलाते हुए, यह कहकर चली गईं थीं, ''यह तो व्यक्तिगत मुलाकात थी।'' जे.पी. ने यह जरूर कहा कि, उन्होंने इंदिरा जी से कहा कि, ''जितना तुम्हारा भूतकाल उज्जवल रहा है, उतना ही तुम्हारा भविष्य भी उज्जवल हो।''

जब यह बात फैली कि, जे.पी. ने इंदिरा जी से क्या कहा, तो हंगामा मच गया कि, जे.पी. इंदिरा गांधी के बारे में ऐसा कैसे कह सकते थे? कुलदीप नैय्यर ने फोन करके, जे.पी. के पुराने विश्वासी, निजी सहायक प्रशान्त से कहा, ''इंदिरा गांधी का भूतकाल एक काला अध्याय था, उज्जवल नहीं।'' कुलदीप इमरजैंसी का जिक्र करते थे। जनता पार्टी के अन्य नेता भी इतने ही कुद्ध थे। प्रशान्त ने सारे ''मैसेज'' जे.पी. तक पहुंचा दिये।

जे.पी. ने प्रत्युत्तर में कहा, ''घर आये को दुआ दी जाती है, या बद्दुआ देनी चाहिये।'' पर, सच बात तो यह भी है कि, जे.पी. का जनता पार्टी के नेताओं से मोहभंग सा हो गया था, तथा शायद वे इन जनता पार्टी के नेताओं से ज्यादा नाराज़ थे, बनिस्पत इंदिरा गांधी से। जे.पी. ने जनता पार्टी को एक साल का समय दिया था, अपना काम दिखाने के लिए, तथा जो प्रगति इन नेताओं ने इस दिशा में दिखाई थी, उससे जे.पी. काफी असंतुष्ट थे।

अक्टूबर 1978 में जनता पार्टी के नेताओं ने जे.पी. से बहुत आग्रह किया, कि वो एक वक्तव्य जारी करके अपील करें, कि जनता इंदिरा गांधी को वोट न करें। उस समय इंदिरा गांधी, चिकमंगलूर, कर्नाटक से उपचुनाव लड़ रही थीं, संसद में जाने के लिए। जॉर्ज फर्नांडिस, जो उस समय जनता पार्टी की केन्द्रीय सरकार में उद्योग मंत्री थे, ने जे.पी. से बहुत मिन्नतें कीं कि वे अपील जारी करें। जे.पी. ने मना कर दिया, ''मैं कोई राजनीतिक लड़ाई नहीं लड़ रहा हूं। मेरे लिए वह अध्याय समाप्त हो गया है। अब आप लोग यह राजनीतिक लड़ाई लड़ रहे हैं।'' इंदिरा गांधी की तानाशाही हुकूमत को खत्म करने के लिए उन्होंने जो राजनीतिक लड़ाई लड़ी थी, वो जे.पी. के अनुसार उस दिन खत्म हो गई, जब उन्होंने (जे.पी. ने) मोरारजी देसाई का प्रधानमंत्री के रूप में चयन किया था।

एक सवाल का पूर्ण जवाब आज तक नहीं मिला कि 18 जनवरी 1977 को इमरजैंसी के दौरान इंदिरा गांधी ने यकायक देश में आम चुनाव कराने की घोषणा क्यों की। उनको उस समय यह घोषणा करने के लिए मजबूर करने वाला, कोई विशेष कारण नज़र नहीं आता। सतही तौर पर यह लगने लगा था कि, अब उनकी खिलाफत कुछ कम हो रही थी, तथा अब राजगद्दी पर उनकी पकड़ पहले से ज्यादा दिख रही थी, और कानूनी तौर पर पन्द्रह महीने बाकी थे, उनका कार्यकाल पूरा होने में। आर.के. धवन, बंशीलाल, संजय गांधी और उनके मित्र उस समय चुनाव कराने के सख्त खिलाफ थे। संजय की राय थी, ''इन लोगों को फरवरी में जेल से रिहा कीजियेगा तथा उसके बाद, मानसून के बाद, अक्टूबर/नवम्बर में चुनाव कराइयेगा। क्योंकि तब तक ''ये लोग कुत्ते बिल्ली जैसे लड़ रहे होंगे।''

पर, नवज्योति के तत्कालीन सम्पादक महेश शर्मा, जो चुनाव की घोषणा के दिन शाम को राष्ट्रदूत के दफ्तर आये थे, कुछ राजनीतिक गुफ्तगू करने, उनकी सोच ठीक इसके विपरीत थी। महेश जी ने मुझे सम्बोधित करते हुए कहा था, ''आपका तो पटना से सम्पर्क बहुत पुराना है। वहां अनाज स्टोर करने के लिए एक अजीबोगरीब पर विशाल गोलघर के निर्माण का मकसद था, अकाल के समय के लिए जनता के वास्ते, अनाज इकट्ठा करके रखा जाये। दुर्भिक्ष के वक्त एलान किया गया कि तुरन्त गोलघर पहुंचिये और अनाज ले लीजिए। अकाल काफी दिनों से चल रहा था, जनता तुरन्त आनन-फानन में पहुंची, क्योंकि मन में भय था, कि अगर देर से पहुंचे, तो तब तक गोदाम खाली न हो जाये।'' महेश जी के कहने का भावार्थ था, इतनी जल्दी इन लोगों के जेल से छूटते ही चुनाव कराये जा रहे हैं, कि विपक्ष को कुछ तैयारी कराने का मौका ही नहीं मिलेगा। अपने चुनाव चिन्ह से भी जनता को अच्छी तरह अवगत नहीं करा पाएंगे। चुनाव का घोषणा पत्र भी तैयार नहीं हो पायेगा। उम्मीदवार ही नहीं मिल पायेंगे। दुर्भिक्ष पीड़ित जनता की तरह, अपने कुर्ते की झोली बनाकर, जितना ले जा सकें ले लें।

कुछ ऐसी ही राय आई.बी. व अन्य इंटैलिजैंस एजेंसियों ने इंदिरा गांधी को शायद दी होगी, की इंदिरा जी की जीत आसान होगी। एक थिंक टैंक ने आकलन दिया था, कि इंदिरा जी पुनः सत्ता में लौटेंगी। नटवर सिंह ने इस मुद्दे पर कहा, ''यह बात सबके मन में साफ होनी चाहिए, कि, इंदिरा गांधी ने विपक्ष के नेताओं की रिहाई के बाद तुरन्त चुनाव कराने का निर्णय, इसलिए लिया, क्योंकि उन्हें पूर्ण विश्वास था, कि, वे जीतेंगी।''

इस बहस से शायद कभी भी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पायेंगे, कि, मतदान की तिथी इंदिरा गांधी के लिए माफिक और उपयुक्त थी या नहीं। पर इस बात की सत्यता को नहीं नकारा जा सकता कि, उनको हराने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका एक ही व्यक्ति की थी, जयप्रकाश नारायण की। जे.पी. ने विपक्ष की सब पार्टियों को, उनके नेताओं को एक ही माला में पिरोकर रखा। जे.पी. ने सीधी, सरल एक ही बात कही जनता से, इंदिरा गांधी की तानाशाही, भ्रष्टाचार को हटाना है, और जनता ने वह कर दिखाया। जब मेनका गांधी ने जे.पी. को अपनी व्यक्तिगत दिक्कतें गिलाईं, कैसे उनके ''फोन टैप'' किये जा रहे हैं, उनके खत उन तक पहुंचने से पहले ही खोल लिये जाते हैं, जे.पी. वाकई में बहुत कुपित हुए। उनके एक साथी से पूछे बिना नहीं रहा गया, ''फिर इंदिरा गांधी ने भी तो विपक्ष के नेताओं के फोन ''टैप'' किये थे....?'' जे.पी. ने बेवाक जवाब दिया, ''पर अब प्रजातंत्र पुनः स्थापित कर दिया गया है।''

जब तक जे.पी. मन से इंदिरा गांधी सरकार को हटाने के युद्ध में शामिल थे, विपक्ष के पास ''आइडियोलॉजिकल कम्पास'' (सोच और विचार धारा की दृष्टि से सही रास्ता दिखाने वाली कम्पास) थी। ''सम्पूर्ण क्रान्ति'' केवल सत्ता में आने के लिए अपनाया गया, सुविधाजनक नारा नहीं था। पर, जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद, जे.पी. का मन उचाट हो गया, क्योंकि जिन ''कारणों से'' जनता ने नई पार्टी का साथ दिया था, ईमानदारी से, उत्साह से, वो स्मृतियाँ शेष होने लगे थीं, और जनता पार्टी के शीर्षस्थ नेताओं का ''फुल टाइम'' काम राजनीतिक उठा पटक हो गया था।

जे.पी. ने जनता पार्टी की अन्तिम सेवा यह की, कि जब चौधरी चरण सिंह, बाबू जगजीवन राम व मोरारजी देसाई के बीच संघर्ष सा छिड़ गया कि प्रधानमंत्री कौन बने, तब जे.पी. को जिम्मेवारी सौंपी गई, जिसे उपयुक्त समझें, उसके नाम पर ''टिक'' कर दें। जे.पी. की ''चॉइस'' मोरारजी देसाई थे। इसके बाद किसे कौन सा ''विभाग'' मिले: चौधरी साहब को गृह विभाग सौंपा गया, जनजीवन बाबू केवल ''रक्षामंत्री'' बनने को तैयार नहीं थे, उपप्रधानमंत्री का पद भी चाहते थे। जे.पी. ने हस्तक्षेप करके उन्हें यह कहकर राजी किया कि रक्षामंत्री भी उतना ही बड़ा व महत्वपूर्ण ओहदा है।

पर इस प्रकरण से और पार्टी के ऐसे ही कुछ प्रकरणों से जे.पी. का मन काफी खट्टा हो चुका था। यहां तक कि वे जनता पार्टी की विजय के उत्सव के रूप में रामलीला मैदान पर आयोजित आमसभा में भी नहीं गये। मधु लिमये उन्हें सम्मान पूर्वक लेने भी आये और काफी देर बैठे भी रहे, जे.पी. का निर्णय बदलवाने के प्रयास में। लेकिन जे.पी. ने साफ कहा, ''मेरा युद्ध, इंदिरा जी की भ्रष्ट व डिक्टेटरशिप वाली सरकार हटाने तक सीमित था। आगे आप लोगों की लड़ाई है, आप ही लड़िये।''

मधु लिमये के लौट जाने के बाद, वे इंदिरा जी से मिलने गये। वे बाहर ''पोर्च'' पर उनके आने का इन्तजार कर रही थीं। ''जे.पी. के विश्वासपात्र पी.ए. कुमार प्रशान्त के अनुसार, जे.पी. ने इंदिरा जी के कंधे पर हाथ रखा और यह कहते हुए घर में दाखिल हुए, ''खेल में हारजीत होती रहती है, इसको खेल की तरह ही लेना चाहिए।''

जनता पार्टी से जे.पी. की दूरियां बढ़ने से पार्टी को ''नुकसान'' तो हुआ ही, देश का राजनीतिक माहौल और मूल्य इस तरह बदले कि अभी तक नीचे गिरने की वह यात्रा बदस्तूर जारी है, और कई बार तो विश्वास नहीं होता कि हम मूलतः वो ही लोग हैं, जिन्होंने महात्मा गांधी के कहने पर स्वतंत्रता संग्राम लड़ा था, जो नैतिक सिद्धांत व फिलॉसफी पर आधारित था और उसी तरीके से लड़ा गया था, वो आज केवल कल्पना लगती है। यह राजनीतिक पतन अपने यौवन और तरुणाई पर आया इमरजैंसी में, और पूर्ण परिपक्व हुआ उस समय, जब इंदिरा गांधी ने पुनः सत्ता में आने के लिए ''साम, दाम, दण्ड और भेद'' का खुलकर उपयोग किया। उन दिनों पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने अपने प्रतिद्वंदंदियों को सम्बोधित किया, ''मेरे पिता सन्त थे, मैं नहीं हूं।'' नैतिकता (मॉरैलिटी) व राजनीति का पूर्ण विग्रह हुआ, तीनों वरिष्ठ वयोवृद्ध नेताओं, देसाई, चरणसिंह और बाबू जगजीवनराम, की असुरक्षा की भावना का ही नहीं, वरन् हर कमज़ोरी का सुनियोजित तरीके से इंदिरा जी ने पूरा लाभ उठाया। और धोखा, साजिशें, पीठ में छुरा घोंपना, ऐसी 'नैचुरल'' बात हो गईं जैसे सांस लेना। और इंदिरा जी वापस आ गईं। और राजनीतिज्ञों की दृष्टि में यह प्रमाणित हो गया, कि राजनीति का मतलब ही यह होता है। इंदिरा गांधी ''रोल मॉडल'' हो गईं, उनके बाद आने वाली राजनीतिज्ञों की पीढ़ियों के लिए, चाहे वे किसी पार्टी के हों। वे उनका पूर्णतया अनुसरण करने लगे। कैसे इंदिरा जी ने अपने प्रतिद्वंदियों को धूल चटाई थी। उनका (इंदिरा जी का) आकार पार्टी से भी बड़ा हो गया। देश की जनता हतप्रभ थी। उसने तो सोचा था, कि उसने आपातकाल के उन्नीस महीनों में जो भय और यातनाएं सही थीं, उसके कारण सम्पूर्ण क्रान्ति का स्वप्न पूरा हुआ था और इसीलिए इंदिरा गांधी का तख्ता पलटा था। पर राजनीतिज्ञों ने जनता की इस जीत का श्रेय अपने-अपने राजनीतिक चातुर्य, साजिशों और चालों को भी दिया। वे भूल गये कि आपतकाल के दौरान संजय गांधी के नाम से रुह कांपती थी। जनता में सिरहन फैल जाती थी। संजय गांधी ने निर्दयतापूर्ण ''सौंदर्यीकरण अभियान'' चलवाया था। उसका सबसे बड़ा उदाहरण था, अप्रेल 1976 में जामा मस्जिद के पास तुर्कमान गेट पर बुलडोज़र से डेढ़ सौ पक्के मकानों को ध्वस्त करना। महिलाएं चीखती चिल्लाती रहीं, और बच्चे दहाड़-दहाड़ कर रोते रहे। परिवारों को, जहां वे जिन्दगी भर से रह रहे थे, वहां से 24 किलोमीटर दूर ''बसाया'' गया। लोग इतने डरे हुए थे, कि, वे इस बारे में बात भी नहीं कर रहे थे, कि ''क्या हुआ।'' क्योंकि समाचार पत्रों पर सेंसर लगा था, शायद ही कुछ छपा हो इस बारे में अखबारों में।

संजय गांधी के जबरन नसबंदी प्रोग्राम को ''फैमिली प्लानिंग'' का ''सभ्य'' नाम दिया गया था। उस समय के सरकारी आंकड़ों के अनुसार 70 लाख पुरुष 1976 में ''स्टैरलाइज़'' हुए थे। ऐसे भी किस्से आये थे कि किसानों को धमकी देकर, दबाव से ''स्टैरलाइज़'' किया गया। धमकी प्रायः यह होती थी, कि पानी व बिजली बंद कर दी जायेगी, अगर उन्होंने ''बात'' नहीं मानी। पिताओं को डराया गया, कि उनके बच्चों को स्कूल में एडिमशन नहीं मिलेगा, अगर वे स्टैरलाइज़ नहीं हुए।

धीरे-धीरे निराशा व भय, क्रोध में तब्दील होने लगा। 1976 के अन्त में, जब कुछ पत्रकार मित्रों के साथ मैं तुर्कमान गेट ''रीसैटलमैंट'' कॉलोनी गया, तो लोगों को बुदबुदाते सुना, ''एक बार चुनाव आने दो, हम सबक सिखायेंगे।'' जनता का विश्वास था, उसने आपातकाल में अपने हृदय में ''पूर्ण क्रांति'' की पवित्र आग, ऐसे जलाकर रखी जैसे ''मंदिर में लौ दिये की।'' पर राजनीतिज्ञ उसे समझ नहीं पाये और इस संदर्भ में ये पंक्तियां याद आती हैं, ''मैं दिल हूँ इक अरमान भरा, तू आके मुझे पहचान ज़रा...।'' राजनीतिज्ञों ने जनता की ''मंदिर के दिये की लौ'' को एक दियासलाई की तिल्ली समझा, जिससे, सिगरेट तो सुलग गयी और तिल्ली को जमीन पर फेंककर आगे बढ़ गये।

सत्ता खोने के 28 महीने बाद इंदिरा जी पुनः चुनाव लड़कर जीत कर आईं, और सरकार बनाई। तो राजनीतिज्ञों के ज़हन में तो स्थापित हो गया कि राजनीति का मतलब ही यह है कि ''पावर एट एनी कॉस्ट'', यानी सत्ता में आना ही चाहिये, चाहे इसके लिए कुछ भी कीमत चुकानी पड़े।

जे.पी. मार्च 1977 से जनता पार्टी से अलग हो गये थे, तथा अक्टूबर 79 में गुज़र गये, अतः राजनीति के बारे में दूसरा पहलू समझने व समझाने वाला बचा ही नहीं था। एक तरह से होड़ सी लग गई, कौन कितना सिद्धांत हीन, अनैतिक, असंवैधानिक काम कर सकता है, सत्ता पाने के लिए और फिर सत्ता में बने रहने के लिए। जनता पार्टी की सरकार बनने के कुछ दिन बाद, केबिनेट ने गृहमंत्री चौधरी चरण सिंह की पहल पर निर्णय लिया कि नौ राज्यों की कांग्रेस सरकारों को बर्खास्त किया जाए। तर्क यह दिया गया कि इन राज्य सरकारों ने भी, इंदिरा गांधी की आम चुनाव में हार के बाद हुकूमत करने का जनाधार (मैनडेट) खो दिया था। 11 जून 1977 को इन राज्यों में चुनाव हुए, तथा जनता पार्टी सात राज्यों, यूपी, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल, हरियाणा, बिहार और उड़ीसा में जीती। दो गैर कांग्रेस पार्टियां, सी.पी.एम और अकाली दल पश्चिम बंगाल और पंजाब में जीतीं। कांग्रेस इन सभी राज्यों में बुरी तरह हारी। फिर चौधरी साहब की पार्टी लोकदल (बी.एल.डी.), समाजवादी पार्टी व जनसंघ ने जीत का केक बांट लिया। लोकदल ने बिहार में पुराने सोशलिस्ट कर्पूरी ठाकुर, यू.पी. में राम नरेश यादव और हरियाणा में देवीलाल को मुख्यमंत्री बनवा लिया। जनसंघ के हिस्से में राजस्थान, हिमाचल व मध्य प्रदेश आए, जहां भैरोंसिंह शेखावत, शान्ता कुमार व कैलाश जोशी को मुख्यमंत्री बनवाया जनसंघ हाई कमान ने। विधायकों की बैठक में मतदान कराकर मुख्यमंत्री की घोषणा के प्रजातंत्रीय तरीके को तिलाजंलि दे दी गई थी। उदाहरण के लिए महारावल डूंगरपुर लक्ष्मण सिंह को विधान सभाध्यक्ष बनाकर साइड-लाइन किया गया, क्योंकि वे स्वतंत्र पार्टी के सदस्य थे, जनसंघ के नहीं थे।

गठन के 28 महीने बाद ही जनता पार्टी की सरकार गिर गई, और फिर चुनाव हुए। इंदिरा जी की पार्टी 353 लोकसभा सीटें जीती। बंगला देश के युद्ध के बाद, पाकिस्तान के विभाजन के बाद, अपनी लोकप्रियता के शिखर के समय, इंदिरा जी ने इससे एक सीट कम जीती थी। परन्तु लोकसभा चुनाव के बाद इंदिरा गांधी ने नौ राज्यों की सरकार को बर्खास्त कर दिया। वो ही तर्क देकर, जैसा 1977 के मध्य में जनता पार्टी ने दिया था, कि केन्द्र में हार के बाद इन पार्टियों ने हुकूमत करने का जनाधार (मैनडेट) खो दिया है।

नशे की व सरकारी रूतबे की एक सी ही फितरत होती है। नियमित खुराक (डोसेज) बढ़ाती रहनी पड़ती है, वही पुराना ''सरूर'' पाने के लिए। और जब ''मॉरल कम्पास'' पहले ही, इंदिरा जी के समय में, इमरजैंसी के दौरान तोड़ चुके थे तो ''अपराध बोध'' (गिल्ट) का सवाल ही कहां उठता है। राजनीतिज्ञों को ''मॉरल कम्पास'' तोड़ने में इतनी आसानी इसलिए भी हुई कि वो अपना ''आइडियोलॉजिकल कम्पास'' पहले ही खो चुके थे। और इस प्रक्रिया का खुला नृत्य, इमरजैंसी व उसके बाद की उठापटक में देखने को मिला। तब शायद ही कोई राजनीतिज्ञ बचा था, जिसने अपनी निष्ठा नहीं बदली, चाहे फर्नांडिस, राजनारायण या जगजीवन राम जैसे वरिष्ठ नेता हों। छोटे मोटे नेताओं की बिसात ही नहीं थी।

इंदिरा जी के बारे में विस्तार से लिखने वाले एक लेखक ने इंदिरा जी की विचारधारा की ''ग्रोथ'' व परिपक्वता के बारे में कहा है कि 1930 के दशक में इंग्लैंड में, अपने पिता पं. नेहरू व पति फिरोज़ गांधी के प्रभाव में इंदिरा जी का राजनीतिक सोच वाकई में ''उदारवादी'' व लैफ्टलीनिंग, ''लैफ्ट उन्मुख'' था। पर 1950 के दशक में, उनका सोच कांग्रेस के महारथियों, गोविन्द वल्लभ पन्त व यू.एन. ढ़ेवर से प्रेरित हुआ और वे ''राइटिस्ट'' हो गईं। इसके बाद, 1960 के दशक में तथा 1970 के दशक की शुरूआत में उनका और उनकी सरकार के चिंतन ने पुनः ''लैफ्ट टर्न'' लिया, मार्क्सवादी पी.एन. हक्सर और वामपंथी मित्रों के नजदीकी सानिध्य के कारण। 1973-74 के बाद जब से संजय गांधी, जो घोर साम्यवाद विरोधी थे, कांग्रेस पार्टी के मामलों में निर्णायक भूमिका निभाने लगे थे, इंदिरा जी भी, सरकार संचालित (ड्रिवन) विकास के रास्ते से विमुख सी होने लगी थीं, पर उनकी भाषा तब भी समाजवादी (सोशलिस्ट) ही होती थी। इसी धारा में 1 मार्च 1982 में उन्होंने लोकसभा में कहा, ''रैग्युलेशन्स'' (नियम-कायदों) की एक ही 'वर्च्यू'' (गुण) है, कि यह उत्पादन पर ''रिस्ट्रिक्शन'' (नियंत्रण) लगाता है। उत्पादन को प्रतिबंधित करता है।

''कृपया हमें और समाजवादी मत बनाइये,'' 1963 में एक स्पष्ट (कैन्डिड) इंटरव्यू में उन्होंने स्वीकार किया, ''मेरी कोई पॉलिटिकल फिलॉसफी'' (राजनीतिक विचारधारा व दर्शन) नहीं है। मैं किसी ''वाद'' (इज़्म) में विश्वास नहीं करती हूं। मैं यह भी नहीं कह सकती कि, समाजवाद में रूचि केवल इसलिए है, क्योंकि यह समाजवाद है। मेरे लिए, वह सिर्फ एक औज़ार है (''फॉर मी इट इज़ जस्ट ए टूल''))।

इसलिए धीरे-धीरे, अगर इस सोच के कारण, इमरजैंसी और उसके बाद की असफल ''खिचड़ी'' सरकार, देश का राजनीतिक पर्व बनकर रह गई तो कोई आश्चर्य नहीं हुआ। पर राजस्थान में ऐसा नहीं हुआ। क्योंकि एक ''सिम्पिलस्टिक थ्योरी'' यह है कि इन दोनों घटनाओं ने इस राज्य का कल्चर, चरित्र व प्रशासनिक शैली बदल दी। इस ''सामन्तवादी'' राज्य में कमाई करने वाला बनिया, वैश्य, व्यापारी, बाहर जाकर कमाई करता था और योद्धा एवं वीर अन्यत्र युद्ध करके, अपनी सल्तनत बढ़ाते थे। राजस्थान की भूमि ने कोई खास वर्ग संघर्ष नहीं देखा था, या भोगा था। अतः आंख की शर्म, लिहाज, मुरव्वत, रूतबा, अहमियत रखते थे। यह माहौल प्रारम्भिक काल में राजस्थान की विधानसभा में साफ दिखता था, जाने-माने राष्ट्रीय स्तर की सी.पी.आई. के नेता, जोधपुर के एच.के.व्यास, पहली विधानसभा के सदस्य थे, उनके करीबी मित्र हजारी बाबू, ''रैडिकल ह्यूमनिस्ट'' और संभ्रात कुलीन, लखनऊ में पढ़े लिखे मथुरा दास माथुर से हंसी मजाक में कहते थे, ''तुम भी अपने नेता (सुखाड़िया) जैसे अब पूंजीवादी हो गये।'' माथुर साहब भी उसी लहजे में जवाब देते थे, ''एक फर्क है, सर। मैं मूलतः ''प्रोग्रेसिव'' हूं, पर कभी-कभी पूंजीवादी हो जाता हूं। पर मेरा नेता मूलतः पूंजीवादी है, कभी-कभी सुविधानुसार, ''प्रोग्रेसिव'' जामा पहन लेता है।'' यह लिहाज-मुरव्वत का, नोक-झोंक का विधानसभा का मजमा टूटा जब अशोक गहलोत पहली बार विधायक बने, तब भैरोंसिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे। जब विधानसभा में दोनों का आमना-सामना हुआ, तब गहलोत की आंखों में शेखावत के रूतबे का सम्मान, उम्र की वरिष्ठता का लिहाज नहीं था, एक तिरस्कार की, एक चुनौती की खनक थी। आखिर गहलोत इमरजैंसी की संतान थे, खिचड़ी सरकार की उठा-पटक व राजनीतिक धोखाधड़ी को देखते हुए बड़े हुए थे। इन्हीं संस्कारों की मोहर उनके तीन शासन काल में प्रखर से प्रखरतम की ओर बढ़ती चली गई। चरमराते प्रशासनिक ढांचे को किसी तरह परम्पराओं की जर्जर दीवारों ने संभाला हुआ था, जो अब, पूरी तरह ढह गई। फोन टैपिंग, बजरी ठेके, ट्रांसफर पोस्टिंग के खर्च, अखबारों का आर्थिक गला घोंटने की प्रक्रिया को और मजबूत और ''एफिशियन्ट'' बनाने पर जैसे गहन अनुसंधान किया गया हो। पर भाषा वो ही ''सोशलिज़्म'' की थी। कोई आश्चर्य नहीं कि सरकारी स्कूलों की छत गिर रही हैं। जयपुर की एतिहासिक विरासत यह है कि रोड पर गढ्ढे ज्यादा हैं, सड़कें कम। काश इमरजैंसी, राजस्थान में भी पर्व होकर ही रह जाती, और टूटा हुआ प्रशासनिक ढांचा देकर नहीं जाती, संस्कृति व कल्चर को विकृत नहीं कर जाती, योग्य ''चिन्तनशील,'' तीन बार के मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षा तिरस्कार तो दिला रही है, पर मरने नहीं देती।

हाल ही में गहलोत ने इमरजेंसी लगाने के फैसले को प्रतिरक्षा देते हुए कहा कि इमरजेंसी किन्हीं विशिष्ट कारणों में लगाई गई थी, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार ने ''अनडिक्लेयर्ड'' (अघोषित) इमरजेंसी आपातकाल लगाया है।

परन्तु सवाल यह है कि इमरजेंसी के दौर में अपना राजनैतिक जन्म लेने वाले इन राजनेतागण, जिन्होंने स्वयं सत्ता का स्वाद लेकर, सत्ता में बने रहने के लिए सभी तरह के हथकंडे अपनाए और संवेदानिक नैतिकता का गला घौटा है, को अधिकार है कि वे किसी भी सरकार के खिलाफ टीका टिप्पणी करने, जिसने भी अपने कार्यकाल में संवैधानिक सीमाओं को तोड़ा हो? ऐसे नेताओं को सवाल उठाने का क्या नैतिक अधिकार है? क्योंकि गहलोत ने भी तानाशाही रवैये में ऐसे ही हथकंडों को अपनाये थे। और तीसरे कार्यकाल के 60 महीनों में ही 42 पत्रकारों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करवाई थी।

इन बयानबाजियों के प्रचार-प्रसार से गहलोत और उन जैसे सत्ता भोग चुके राजनैताओं को सस्ते प्रचार और गांधीवादी छवि बनाने का मौका तो मिलता है परन्तु उन अखबारो, पत्रकारों और विपक्षी नेताओं की आलोचनाएं केवल एक दिखावा और खोट से भरा पांखड़ लगता है। इन नए तरीकों से सुर्खिया तो बटोरी जा सकती है, परन्तु पाठकों के मन में केवल अविश्वास ही पैदा होता है।

राजेश शर्मा

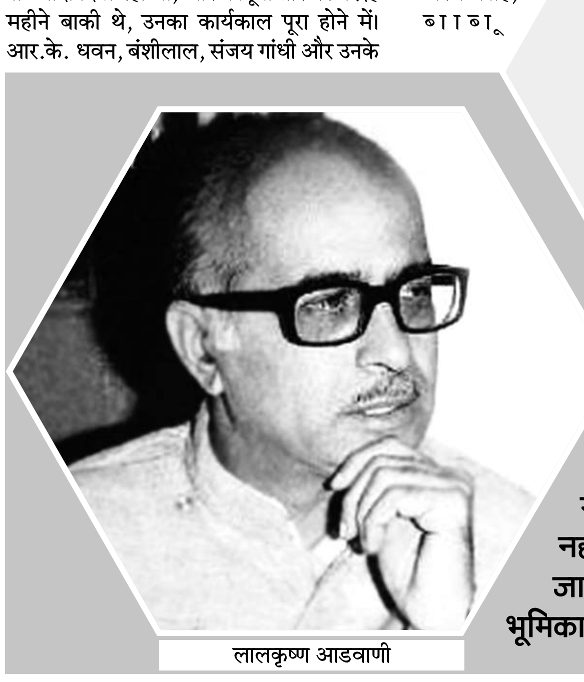

इस बहस से शायद कभी भी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पायेंगे, कि, मतदान की तिथी इंदिरा गांधी के लिए माफिक और उपयुक्त थी या नहीं। पर इस बात की सत्यता को नहीं नकारा जा सकता कि, उनको हराने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका एक ही व्यक्ति की थी, जयप्रकाश नारायण की।

लालकृष्ण आडवाणी

राजनारायण

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

1937
सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

ADMISSIONS OPEN - 2025-26

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Mob. : 9413263428, 9414353154

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Environmental Science
M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science
Diploma Course : Diploma in Panchgavya, Diploma in Acupressure, P.G. Diploma in GIS & Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication **Certificate Course** : Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Acupressure, Sanitation and Modern Society, Health Awareness

Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), Diploma and Certificate Courses in Astrology (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmistry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति).

Faculty of Commerce : Mob. : 9460372183, 9461180053

B.Com., M.Com. (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, P.G. Diploma in Training & Development Certificate Course: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP-9.0, Goods and Service Tax (GST)

Faculty of Science : Mob. 7852803736, 9828072488

B.Sc. : Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology, Environmental Science, Geology
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science, Statistics, Bioinformatics, Biotechnology, Renewable Energy

Faculty of Education - 9460693771

B.A.B.Ed. & B.Sc.B.Ed. (Four Year Integrated Course)

महाराणा कुम्भा कला केंद्र - 6376147607

भूषण, प्रभाकर प्रथम, द्वितीय (शिक्षा विभाग बीकानेर द्वारा संचालित)
डिप्लोमा : तबला, ढोलक, बांसुरी, ड्रम, कांगो, गिटार, हारमोनियम, केसियो

Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College
Mob. - 9414291078, 8209630249

• B.A • BA (Additional) • B.Lib MA (All Subjects) • MA (Music) • M.Com • M.Sc (Chemistry/Botany /Zoology/Physics/Maths, Biotechnology/ Environmental Science) • MA / M.Sc (Psychology) • M.Lib • PG Diploma in Guidance counseling • PG Diploma in Mental Health Counselling • B.Ed in Special Education (ID) • B.Ed Special Education (HI) • D.Ed. Special Education (IDD) • D.Ed. Special Education (HI) • D.Ed. Special Education (VI) • (BA/B.Com/B.Sc Integrated BEd special Education Eligibility 10+2) • DCBR (Diploma in Community Based Rehabilitation) • DISLI (Diploma in Indian sign language interpretation (subject to RCI approval) • D.Lib • Diploma in Music • MPT (Master of Physiotherapy (eligibility: BPT) • BOT (Bachelor of Occupational Therapy (eligibility : 10+2 Science) • BA-BEd Special Education ID (ISITEP ID) (eligibility : 10+2) 5:48 PM

Department of Physical And Yoga Education
M.V. Shramjeevi Collage Campus, Mob. 9352500445

M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S),

Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205

M.P.Ed., PG Diploma in Yoga.

Department of Law, Mob. 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL). LLM 2 years (Criminal and Business Law), Diploma in Criminal Psychology

जन शिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रम निदेशालय, प्रतापनगर
(6376147607, 9414296535)

• कम्युनिटी सेंटर्स : बेदला, नाई, टीडी, खरपीणा, झाड़ोल (सराड़ा), सलूम्बर, कानपुर, साकरोदा
• कम्प्यूटर डिप्लोमा (1 वर्ष) • कम्प्यूटर में प्रमाणपत्र (6 माह) • सिलाई में प्रमाणपत्र (6 माह)

Department of Pharmacy - 9414869044, 9772982280, 9983938888

B. Pharm (4 year Degree Course), **D. Pharm** (2 year Diploma Course)

- आईआईआरएफ रैंकिंग 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर 37वां स्थान
- ईपीएसआई रैंकिंग 2024 में भारत के विश्वविद्यालयों में 32वां स्थान
- आईआईआरएफ रैंकिंग 2023 में प्रदेश में प्रथम
- इम्पैक्ट रैंकिंग में राजस्थान में द्वितीय स्थान
- यूनी रेंक में उदयपुर में पहला स्थान
- **RECENT IPR GRANTED**
  - **Patent : 28**
  - **Trade & Design: 40**
  - **Copyright : 5**
  - **Monograph, Book Chapter, Books, No. of Articles**

Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College
Mob. 9950304204, 9414738278

Diploma in Engineering- Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science. BCA (AICTE APPROVED)

Faculty of Computer Science and Information Technology
Mob. 9414737125, 9461260408

B.C.A. (AICTE APPROVED), M.C.A.(AICTE APPROVED), M.Sc.(CS), P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in Computer Applications).

Department of Physiotherapy -
Mob. 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Fellowship in Sports Rehabilitation, M.Sc. Osteopathy

Department of Nursing - Mob.9772982280, 7597348944
(2024-25 & 2025-26)

B.Sc. Nursing - 4 year G.N.M. Nursing - 3 year

Udaipur School of Social Work -
Mob. 8118806319, 9829445889

MSW, PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR
MSW - Self Finance Evening Batch, PG Diploma in Labour Welfare

Sahitya Sansthan (Institute of Rajasthan Studies)
Mob. 8003636352

M A in Ancient Indian History, Culture and Archaeology;
PG Diploma in Archaeology.

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. Horticulture, B.Tech. Food Technology, M.Sc. in Agronomy, Horticulture, Plant Pathology and Genetics & Plant Breeding

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok
Mob.9694881447, 9079919960

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com in Business Adm., Special Classes for English Speaking and Computer Basics. Special classes for competition exams (free of charges)

R.V. Homoeopathic Medical College and Hospital, Dabok
Mob. 9928253150, 8769746883

BHMS - 5 1/2 years Course (ADMISSION FROM ALL INDIA QUOTA)
M.D (Homoeopathic) 1:- PAEDIATRICS 2:- PRACTICE OF MEDICINE,
3 years regular course & Homoeopathic Pharmacy course, 2 years course & 1 year integrated course, PG diploma in yoga(Ayush system of Medicine)

Faculty of Management Studies (FMS)
Mob. 8112281461, 7737623462

M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri- Business / Family Business Management), M.H.R.M.

- BBA (Bachelor of Business Administration) - **9950489333**
- BBA (Travel & Tourism) Specialisation in Hotel Management (AICTE approved)
- Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
- Diploma in Hotel Management (Food Production)
- Diploma in Hotel Management (Housekeeping)

Manikyalal Verma Shramjeevi College, Pratapnagar, Udaipur
Mob. : 9799693124, 9929939963

B.A., B.Com, B.Sc.,
M.A., M.com. : (All Subjects), Regular special classes for competitive exams (free of charges)

Lokmanya Tilak Teachers Training College, Dabok
Mob. 9414812900, 9414472016, 8306182436

बी.एड. (बाल विकास) B.Ed., M.Ed., M.A. Education, B.A.B.Ed., B.Sc.B.Ed. (4 Year Integrated), B.Ed.-M.Ed. (3 Year Integrated), D.El.Ed., PG Diploma in Yoga

SHIVA © 9828244344

Note : For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : **www.jrnrvu.edu.in**, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

क्यूरेटर ने संभवत: भारतीय टीम में चिंगारी सुलगा दी है। विपक्षी ने भारतीय टीम के अंदर के बेस्ट को उभार दिया है।

- आर. अश्विन

पूर्व भारतीय गेंदबाज, क्यूरेटर और गंभीर के बीच हुई नोकझोंक को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दिव्या देशमुख

युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में जॉर्जिया के बटुमी में फिडे महिला विश्व शतरंज कप 2025 का खिताब जीता, का नागपुर में भव्य स्वागत किया गया। समारोह की शुरुआत डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई, जहां दिव्या का भव्य स्वागत किया गया। शहर द्वारा अपनी शतरंज रानी का सम्मान किए जाने पर हवाई अड्डा जयकारों, तालियों और पारंपरिक बैंड की धुनों से गूंज उठा। हवाई अड्डे से, एक भव्य अभिनंदन रैली शहर के मध्य की ओर बढ़ी, जिसके मार्ग में लोग पुष्प वर्षा कर रहे थे और तिरंगा लहरा रहे थे।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल 2026 के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स केएल राहुल को अपनी टीम में ना सिर्फ शामिल करना चाहती है बल्कि उन्हें बतौर कप्तान भी बनाना चाहती है।

लॉर्ड्स टेस्ट में टीम इंडिया के साथ हुई थी बेईमानी, 30 ओवर पुरानी गेंद मिली

लंदन, 31 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान गेंद बदलने के प्रोटोकॉल से भारतीय टीम प्रबंधन नाखुश है। उसने मैच रफेरी को अपनी चिंता बताई है। प्रबंधन का ये भी मानना है कि इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स टेस्ट में खेले गए सीरीज के अहम तीसरे टेस्ट मैच की शुरुआत में गेंद चुनने के मामले में बेईमानी हुई। खबर के अनुसार, लॉर्ड्स में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान, जब दूसरी नई गेंद 10 ओवर के बाद खराब हो गई तो नई गेंद 30-35 ओवर पुरानी गेंद मिली। प्रोटोकॉल के अनुसार नई गेंद मूल गेंद जितनी ही पुरानी होनी चाहिए, लेकिन पता चला कि अंपायर्स ने टीम को बताया कि स्टॉक में कोई भी गेंद 10 ओवर पुरानी नहीं थी। भारतीय टीम का मानना है कि चूंकि उन्हें पहले 10 ओवरों में स्विंग और सीम मूवमेंट वाली सख्त गेंद की जगह एक नरम और पुरानी गेंद मिली थी, इसलिए टेस्ट में उन्हें नुकसान हुआ। इंग्लैंड ने अंतत: 22 रनों से जीत हासिल कर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। रोमांचक चौथा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ और आखिरी मैच गुरुवार से शुरू होगा। वहीं भारतीय टीम के एक अधिकारी ने बताया कि, लॉर्ड्स में लगभग 10 ओवर के बाद ड्यूक्स गेंद अपना आकार खो बैठी, जैसा कि इस सीरीज में अक्सर होता रहा है। गेंद दोनों रिंग से नहीं गुजर पाई। हालांकि, अंपायर्स के पास 10 ओवर पुरानी गेंद नहीं थी, इसलिए मैच के एक अहम मोड़ पर भारतीय टीम को 30-35 ओवर पुरानी गेंद मिली। इसके बाद खेल कैसे बदला, ये जानने के लिए स्कोरबोर्ड देखें। गेंदबाजों की स्विंग कम हो गई और इंग्लैंड ने आसानी से रन बनाए लिए।

जयपुर की कशिश और कोटा के तेज राठौर बने 100 मीटर दौड़ के चैम्पियन

जयपुर, 31 जुलाई। जयपुर की कशिश चौमाल और कोटा के तेज राठौर ने मंगलवार को झुंझुनू में शुरू हुई राजस्थान अंडर 23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 100 मीटर दौड़ में क्रमश: महिला और पुरुष वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। पुरुष वर्ग में उदयपुर के जैसन ने रजत और जयपुर के वीरेंद्र प्रताप ने कांस्य पदक जीता। वहीं महिला वर्ग में चूरू की प्रीति ने रजत और झुंझुनू की सबीना ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि राजस्थान ओलंपिक संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने झुंझुनू के योगी स्टेडियम में चैंपियनशिप का उद्घाटन किया।

क्रिस वोक्स को लगी गंभीर चोट, भारत 197/6

लंदन, 31 जुलाई। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला आज से लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट गंवा दिए हैं।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। तीसरे सेशन में भारत ने साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा और ध्रुव जुरेल का विकेट गंवा दिया है। इससे पहले भारत को तीसरा झटका कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगा जो रन आउट हुए। इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के रूप में दो झटके क्रमश: गस एटकिंसन और क्रिस वोक्स ने दिए।

क्रीज पर ध्रुव जुरेल के साथ करुण नायर मौजूद हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स को बाउंड्री लाइन के पास गेंद को रोकने के प्रयास में गंभीर चोट लगी है। वह कंधे को पकड़े हुए मैदान के बाहर गए हैं। करुण नायर और वॉशिंगटन सुंदर ने पारी को संभाला है भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां टेस्ट लंदन में खेला जा रहा है। द ओवल स्टेडियम इंग्लैंड ने गेंदबाजी चुनी। पहले दिन के तीसरे सेशन का खेल जारी है। भारत ने पहली पारी में 6 विकेट खोकर 197 रन बना लिए हैं। करुण नायर और वॉशिंगटन सुंदर पिच पर हैं। ध्रुव जुरेल 19 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें गस एटकिंसन ने हैरी ब्रूक के हाथों दूसरे स्लिप पर कैच कराया। उन्होंने यशस्वी जायसवाल (2 रन) को भी पवेलियन भेजा। जोश टंग ने रवींद्र जडेजा (9 रन) और साई सुदर्शन (38 रन) के विकेट झटके। भारतीय कप्तान शुभमन गिल 21 डायरेक्ट थ्रो पर रनआउट हुए। जबकि केएल राहुल (14 रन) क्रिस वोक्स ने बोल्ड किया।

57वें ओवर की आखिरी बॉल पर क्रिस वोक्स के कंधे पर चोट लगी। ऑफ स्टंप के पास की फुलर लेंथ बॉल को नायर ने मिड ऑफ की ओर खेला।

इसे रोकने के लिए क्रिस वोक्स ने दौड़ लगाई। उन्होंने बॉल रोकने के लिए डाइव लगा दी। इसी दौरान उनके बाएं कंधे में चोट लगी। हालांकि, वे दाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं। लेकिन फिजियो की सलाह पर उन्हें बाहर जाना पड़ा है।

बारिश के कारण 2 बार रोकना पड़ा खेल

साउथ लंदन स्थित द ओवल मैदान पर बारिश के कारण दिन का खेल दो बार रोका जा चुका है। पहली बार बारिश के कारण जल्दी लंच करना पड़ा, जबकि दूसरी बार बारिश के बीच टी-ब्रेक हुआ। रात 8 बजे दूसरी बार खेल रोकने के बाद रात 9:15 बजे आखिरी सेशन शुरू हुआ।

गिल ने तोड़ा गावस्कर का रिकॉर्ड, बने नंबर-1 भारतीय कप्तान

लंदन, 31 जुलाई। इंडिया और इंग्लैंड के बीच द ओवल में आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ये रिकॉर्ड था बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का। इंग्लैंड के खिलाफ 11 रन बनाते ही गिल ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया और वह भारत के नंबर-1 कप्तान बन गए हैं। बता दें कि, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 38 रन के स्कोर पर भारत को दो झटके लग गए।

जहां यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल का विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए शुभमन गिल पर काफी दबाव था। हालांकि, महज 11 रन बनाते ही उन्होंने बतौर कप्तान एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सुनील गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 मैचों की 9 पारियों में 91.50 की औसत के साथ 732 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक जड़े थे।

वहीं तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में रेड हॉट फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल ने अब तक इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। वहीं खबर लिखे जाने तक गिल 23 गेंदों पर 15 रन बना चुके हैं। उनके नाम अब इस सीरीज में 737 रन हो गए हैं।

फिलहाल, अब उनकी नजरें बतौर सर डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड पर हैं। जो कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। गिल अब ब्रैडमैन के रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 73 रन ही पीछे हैं।

भारत और इंग्लैंड को विश्व कप में हराना सबसे मुश्किल होगा : एलिसा हीली

सिडनी, 31 जुलाई। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भविष्यवाणी की है कि इस साल होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में उनकी टीम के लिए भारत और इंग्लैंड दो ऐसी टीमें होंगी जिन्हें हराना सबसे मुश्किल होगा। हीली ने आज यहां क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रायोजन कार्यक्रम में पत्रकारों से बात की और इस अनुभवी विकेटकीपर ने खुलासा किया।

प्रो. कबड्डी लीग सीजन 12 का आगाज 29 अगस्त से

मुंबई, 31 जुलाई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) अपने 12वें सीज़न के साथ 29 अगस्त 2025 से शुरू होने जा रही है। यह सीज़न देशभर के कबड्डी प्रेमियों के लिए जबरदस्त रोमांच और प्रतिस्पर्धा से भरपूर होगा। इस बार मुकाबले चार शहरों - विशाखापट्टनम (वीईजेग), जयपुर, चेन्नई और दिल्ली- में खेले जाएंगे और हार बार की तरह इस बार भी देश की 12 सर्वश्रेष्ठ टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर और मशाल स्पोर्ट्स के बिज़नेस हेड अनुपम गोस्वामी ने इस मौके पर कहा, टूर्नामेंट की शुरुआत शुक्रवार को विशाखापत्तनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम से होगी, जहां उद्घाटन मुकाबले में तेलुगू टाइटंस का सामना तमिल थलाइवाज़ से होगा। उसी दिन दूसरा मैच बेंगलुरु बुल्स और पुनेरी पलटन के बीच खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत अंडर-19 की अगुवाई करेंगे म्हात्रे

मुंबई, 31 अगस्त। मुंबई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत अंडर-19 दल की अगुवाई करेंगे जो कि 21 सितंबर से शुरू होगा। 17 सदस्यीय दल में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है। भारत ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कुल पांच मैच खेलेगा जिसकी शुरुआत तीन वनडे मैच से होगी।

सेंट्रल इंडिया स्लैम में राजस्थान के खिलाड़ियों का प्रभावी प्रदर्शन

दिव्यांशी ने अंडर-13 और सुभाष ने अंडर-19 वर्ग का खिताब जीता

जयपुर, 31 जुलाई। इन्दौर के डेली कालेज में गुरुवार को संपन्न हुई सेंट्रल इंडिया स्लैम स्क्वैश चैंपियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए दो वर्गों के खिताब अपने नाम किए। राजस्थान की दिव्यांशी जैन ने गर्ल्स अंडर-13 वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र की शनाया राय को 8-11, 11-5, 11-2, 11-3 से हरा खिताब अपने नाम किया, वहीं सुभाष चौधरी ने फाइनल में महाराष्ट्र के रचित शाह को 12-10, 11-7, 11-5 से हरा बॉयज अंडर-19 का खिताब हासिल किया।

राजस्थान स्क्वैश एसोसिएशन के सचिव धीरज सिंह ने आज यहां बताया कि राजस्थान के अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा। प्रभव बाजोरिया अपने आयु वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे, वहीं धैर्य गोगिया और गौरवी अजमेरा ने अपनी कैटेगरी में चौथा स्थान हासिल किया।

राजधानी

राजधानी में हरियाली के नाम पर ग्रेटर निगम में धांधली की तैयारी?

10 फीट का जो पेड़ ग्रेटर निगम 270 में खरीदेगा, हैरिटेज उसके 135 से 150 रु. ही चुकाएगा

- जेडीए ने भी 160 से 170 रुपए में ही खरीदे है ठेकेदारों से 10 फीट ऊंचे पेड़, फिर आमजन को 50 रुपए की रियायती दरों पर बांटे थे
- हेरिटेज नगर निगम ने भी ''वन टाइम प्लांटेशन'' के लिए करीब 25 से 29 लाख रुपए तक के 4 जोन में टैंडर लगाए थे। परन्तु यहां सभी ठेकेदारों को निविदा में भाग लेने का अवसर मिला, इसका नतीजा यह हुआ कि यह टेंडर करीब 50 से 55 प्रतिशत कम राशि पर खुले

- कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर निगम के अफसर और ठेकेदार हरियाली के नाम पर ''ग्रेट'' धांधली की तैयारी में जुटे है। इस मानसून में वन टाइम प्लांटेशन के लिए ग्रेटर निगम प्रशासन 10 फीट के जो पेड़ ठेकेदारों से 270 से 285 रुपए तक में खरीदेगा, वहीं पेड़ हैरिटेज निगम में आधी कीमत यानी कि 135 से 150 रुपए तक में खरीदे जाएंगे। इसका खुलासा गुरुवार को टैंडर की वित्तीय बीड जारी होने के बाद हुआ है।

मजेदार बात यह है कि जेडीए प्रशासन ने भी यही पेड़ ठेकेदारों से 160 से 170 रुपए के बीच खरीदे है। ऐसे में सवाल यह उठ रहे है कि आखिर ग्रेटर निगम प्रशासन ही जानबूझकर करोड़ों रुपए का आर्थिक नुकसान क्यों झेलने पर उतारू है। जबकि तीनों विभागों ने पौधों की एक समान खरीद दर 300 रुपए तय की थी। जिसमें नीम, शीशम, करंज, गुलमोहर, अमलतास, अशोक, चंपा, आंवला, सीताफल, खेजड़ी, अर्जुन, बालम खेड़ा, कनेर, हरसिंगार, शहतूत, अमरूद, पीपल, जामुन, बेलपत्र, गुड़हल, मौलश्री, चंदन और आम के पेड़ शामिल है।

महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े ईडी प्रकरण में आरोपी पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका को जमानत सुनने के लिए तय की गई एकलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है। जहां जोशी की जमानत पर आगामी सप्ताह में सुनवाई होगी। जस्टिस आशुतोष कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाएं सुनने के लिए नया रोस्टर आ गया है। ऐसे में प्रकरण को नियमित बेंच के समक्ष भेजा जा रहा है। जमानत याचिका में कहा गया कि प्रकरण में उसे फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया।

हाईकोर्ट एल.डी.सी.भर्ती में नकल करने वाले पकड़े

हर माह देनी होगी थाने में हाजिरी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से आयोजित एलडीसी भर्ती-2022 में ब्लूटूथ से नकल कर चयनित होने के मामले में आरोपी राकेश कस्वां को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने आरोपी को आदेश दिए हैं कि वह हर माह की 25 तारीख को संबंधित थाने में पेश होकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराए और थानाधिकारी उसकी उपस्थिति की मासिक रिपोर्ट संबंधित निचली अदालत में पेश करे। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश राकेश कस्वां की द्वितीय जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।जमानत याचिका में कहा गया कि प्रकरण में उसे झूठा फंसाया गया है। वह गत 30 जनवरी से जेल में बंद है। याचिकाकर्ता के अपनी पहली जमानत याचिका को मामले में आरोप पत्र पेश होने के बाद पेश करने का कहकर वापस लेने के आधार पर हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। मामले में अब निचली अदालत में आरोप पत्र पेश हो चुका है। जिसमें अभियोजन पक्ष के 54 गवाह है। ऐसे में प्रकरण की सुनवाई पूरी होने में समय लगेगा। वहीं प्रकरण के सह आरोपी को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल चुकी है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता भर्ती में नकल करने का दोषी है। वह हाईकोर्ट की ओर से आयोजित एलडीसी भर्ती में नकल कर चयनित हुआ है। ऐसे में उसकी जमानत याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश देते हुए ।

तुलसीदास जयंती मनाई

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग में गुरुवार को गोस्वामी तुलसीदास की 528वीं जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में दर्शन विभाग के अध्यक्ष शास्त्री कोसलेंद्रदास ने रामभक्ति परंपरा में रामचरितमानस विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास केवल भक्त कवि ही नहीं थे, वे मर्यादा के सबसे बडत्रे ग्रंथ के निर्माणकर्ता भी थे। रामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिकता, मर्यादा और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। इसमें नीति, भक्ति, लोक-व्यवस्था, समाजशास्त्र, करुणा और धर्म के ऐसे सूत्र हैं, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने श्रीराम को ऐसे लोकनायक के रूप में प्रस्तुत किया जो मर्यादा, समता और करुणा के प्रतीक हैं।

कनिष्ठ लिपिक और संविदा कर्मी पैंतीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

कर्मवीर सिंह हाडा और शिव महेश योगी को पैंतीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बूंदी टीम ने कार्रवाई करते हुए कार्यालय उपखंड अधिकारी लाखेरी जिला बूंदी के कनिष्ठ लिपिक (रीडर) कर्मवीर सिंह हाडा और संविदाकर्मी कम्प्यूटर ऑपरेटर शिव महेश योगी को पैंतीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपित परिवादी से भारतमाला सड़क परियोजना में अवाप्तशुदा स्वयं की जमीन का मुआवजा प्राप्त करने के लिए दावा उपखंड कार्यालय लाखेरी में किया गया था और इसके वाद का निर्णय परिवादी के पक्ष में करवाने की एवज में रिश्वत मांगी थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी बूंदी टीम को परिचादी ने शिकायत दी कि कनिष्ठ लिपिक (रीडर) कर्मवीर सिंह हाड़ा द्वारा परिवादी से भारतमाला सड़क परियोजना में अवाप्तशुदा स्वयं की जमीन का मुआवजा प्राप्त करने के लिए दावा उपखंड कार्यालय लाखेरी में किया गया था। उक्त वाद का निर्णय परिवादी के पक्ष में करवाने की एवज में 50 हजार हजार रिश्वत की मांग की जा रही थी। जिस पर एसीबी उप पुलिस अधीक्षक हरीश भारती के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए संविदा कर्मी कंप्यूटर ऑपरेटर कार्यालय उपखंड अधिकारी लाखेरी जिला बूंदी शिव महेश योगी के माध्यम से 35 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

जिला आबकारी टीम ने नकली शराब सहित नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया

जयपुर। जिला आबकारी अधिकारी जयपुर शहर देविका तोमर के निर्देशन में छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम देते हुए 29 अभियोगों में नकली शराब के साथ नौ आरोपितों गिरफ्तार किया गया है। सहायक आबकारी अधिकारी प्रदीप बिश्नोई एवं आबकारी अधिकारी आबकारी निरोधक दल शिवकुमार चौधरी की अगुवाई में आबकारी निरीक्षकों एवं प्रहराधिकारियों ने कार्रवाई को अंजाम दिया। जिला आबकारी अधिकारी जयपुर शहर द्वारा जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत अभियोग 29 दर्ज किये। जिसमें से 7 अभियोग विशेष प्रकृति के दर्ज किए गए। विशेष निरोधात्मक अभियान के दौरान दो चौपहिया वाहन 1 स्कॉर्पियो एवं 1 इनोवा क्रिस्टा तथा 01 दोपहिया वाहन के साथ 9 मुल्जिम गिरफ्तार किये। अन्य राज्य में विक्रय हेतु 11 बोतले एक कार में जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

- अभियान के दौरान स्कॉर्पियो से 40 पेटी नकली होलोग्राम युक्त देशी मदिरा बरामद कर गिरफ्तार शुदा आरोपितोंसे पूछताछ के आधार पर 5 अन्य ठिकानों पर दबिश देकर माल जब्त किया

जिला आबकारी ने दो चौपहिया वाहन 1 स्कॉर्पियो एवं 1 इनोवा क्रिस्टा तथा 01 दोपहिया वाहन के साथ 9 मुल्जिम गिरफ्तार किये।

अभियान के दौरान स्कॉर्पियो से 40 पेटी नकली होलोग्राम युक्त देशी मदिरा बरामद कर गिरफ्तार शुदा आरोपितोंसे पूछताछ के आधार पर 5 अन्य ठिकानों पर दबिश देकर माल जब्त किया तथा अन्य अभियोगों में देशी मदिरा के 3 हजार 599 पव्वें, 04 अंग्रेजी अद्दे, 20 अंग्रेजी पव्वे, 03 बीयर, 01 फीज बरामद किया गया। अवैध मदिरा के विक्रय भण्डारण एवं परिवहन पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए निरोधात्मक कार्यवाही लगातार जारी है।

'मालेगांव ब्लास्ट पर ऐतिहासिक फैसला और सत्य की जीत'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एंव राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक करार देते हुए सत्य की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय ने भारतीय न्यायपालिका की निष्पक्षता, दृढ़ता और सत्यनिष्ठा को एक बार फिर प्रमाणित कर दिया है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के नशे में चूर होकर एक गहरी राजनीतिक साजिश के तहत इस मामले को भगवा आतंकवाद और हिंदू टेरर की दिशा देने की कोशिश की। साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत पुरोहित और अन्य निर्दोष राष्ट्रभक्तों को झूठे आरोपों में फंसाया गया। एक साधारण मोटरसाइकिल को सबूत बनाकर झूठी चार्जशीट दाखिल की गई, मनगढ़ंत कहानियां रची गईं और झूठे गवाह तैयार किए गए, जो अदालत की सख्त निगाहों के आगे टिक नहीं पाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह महज एक जांच एजेंसी की भूल नहीं थी, बल्कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा रची गई राजनीतिक साजिश थी। सुशील कुमार शिंदे, दिग्विजय सिंह, और पी. चिदंबरम जैसे नेताओं ने बार-बार भगवा आतंकवाद और हिंदू टेरर जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया, जिससे न केवल देशवासियों की भावनाएं आहत हुईं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदू संस्कृति को कलंकित करने की कोशिश की गई। कांग्रेस की इस नीति का मकसद केवल वोट बैंक की राजनीति करना था ।

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
Dr. Ambedkar Administrative Building, Motihari, East Champaran-745401, Bihar
ईमेल-osdadmin@mgcub.ac.in वेबसाइट-www.mgcub.ac.in

वैधानिक पदों के लिए भर्ती सूचना

प्रथम वित्त अधिकारी और परीक्षा नियंत्रक के पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से नियमित/प्रतिनियुक्ति/संविदा आधार पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जात हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.mgcub.ac.in) देखें। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 अगस्त 2025 है।
CBC 21336/12/0001/2526

मुख्यमंत्री भजनलाल ने लोकदेवता बाबा रामदेव मंदिर के दर्शन किये

उन्होंने एक किलोमीटर पैदल यात्रा के बाद मैगा आई स्क्रीनिंग कैंप का उद्घाटन किया

जैसलमेर/पोकरण, 31 जुलाई (नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को बाबा रामदेव की नगरी रामदेवरा पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले बाबा रामदेव पैनोरमा का दौरा किया। इसके बाद, वे पैनोरमा से रामदेवरा मंदिर तक पैदल चल कर बाबा रामदेव के दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान सीएम ने मेगा आई स्क्रीनिंग कैंप का उद्घाटन किया।

भजनलाल शर्मा हाथ में ध्वजा लिए पैनोरमा से करीब एक किलोमीटर की पैदल यात्रा करके बाबा रामदेव के समाधि परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने लगभग 20 मिनट तक पूजा-अर्चना की।

उन्होंने कहा कि लोक देवता बाबा रामदेव की पुण्यभूमि पर पहली बार ऐतिहासिक नेत्र-कुंभ का आयोजन हो रहा है। मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे यहां आने का अवसर प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा, पोकरण, जैसलमेर, बाड़मेर और फलोदी की पहचान विश्व स्तर पर पर्यटन के क्षेत्र में रही है। बाबा रामदेव ने इस पावन भूमि पर जन्म लेकर सामाजिक समरसता की स्थापना की थी। इस नेत्र-कुंभ में, मेले में आने वाले लगभग सवा लाख लोगों की निशुल्क नेत्र जाँच की जाएगी। ये कैंप सक्षम संस्था की ओर से लगाया जा रहा है। सक्षम संस्था के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने बताया कि रुचिचा धाम में 33 दिनों तक चलने वाले इस नेत्र-कुंभ में मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी।

- **सक्षम संस्था द्वारा लगाया जा रहा नेत्र कुंभ 33 दिन चलेगा। इसमें मरीजों को चश्मा, दवाई तथा इलाज निशुल्क किया जायेगा।**

रुणिचा धाम परिसर में लगभग 1 एकड़ भूमि पर अस्थायी अस्पताल तैयार किया गया है। यहां आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी। कमजोर नज़र वाले लोगों को चश्मा दिया जाएगा। फ्री दवाइयां दी जायेंगी, तथा गंभीर मरीजों का कैंप में ही इलाज भी होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को रामदेवरा में लोकदेवता बाबा रामदेव के दर्शन किये। उन्होंने हाथ में ध्वजा लेकर पैनोरमा से बाबा रामदेव के समाधि परिसर तक पैदल यात्रा की।

महेश जोशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साक्ष्य नहीं है और परिवादी यह राशि कहां से लाया, उसका भी उल्लेख नहीं है। इसके अलावा, ईडी अपनी रिपोर्ट में जोशी के बेटे की फर्म में 50 लाख रुपए का लेनदेन बता रही है। यह राशि बेटे की कंपनी ने लोन के तौर पर ली थी और उसे लौटाया भी जा चुका है। वहीं, इस राशि को लेकर सिविल केस भी लंबित चल रहा है।

ईडी कोर्ट ने गत दिनों जोशी को जमानत देने से इनकार कर दिया था और उसके बाद ईडी ने जोशी तथा उनके बेटे रोहित सहित, डेढ दर्जन आरोपियों के खिलाफ ईडी कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया था। इस दौरान, जोशी की पत्नी का निधन होने पर कोर्ट ने उन्हें दो बार अंतरिम जमानत का लाभ दिया था।

अमेरिका-चीन-पाकिस्तान गठबंधन भारत के लिए खतरनाक - खड़गे

खड़गे ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री भारत पर लगाये ट्रंप के बेबुनियाद आरोपों पर भी चुप रहेंगे

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों पर चुप्पी साधने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समझ लेना चाहिए कि भारत के खिलाफ अमेरिका पाकिस्तान तथा चीन का गठजोड़ बन रहा है और यह अत्यंत खतरनाक है।

खरगे ने कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर ट्रंप के बयानों पर मोदी ने संसद में मौन व्रत धारण कर रखा था।

सवाल है कि अब ट्रंप ने भारत पर जो बेबुनियाद आरोप लगाए हैं, क्या उस पर भी प्रधानमंत्री चुप रहेंगे।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने आयात शुल्क की जो वजह बताई है कि वह चौंकाने वाली है। आयात शुल्क लगाने की वजह उन्होंने भारत द्वारा रूस से तेल आयात, भारत द्वारा रूस से हथियारों की खरीद, भारत का ब्रिक्स का सदस्य होना, ब्रिक्स का अमेरिकी डॉलर पर हमला बताया है। ये भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता वाली राष्ट्रीय नीति पर कड़ा प्रहार है।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में डॉ. मनमोहन सिंह ने अमेरिका सहित 45 देशों से परमाणु छूट दिलाई थी।

'मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया'

राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीतष करते हुये सरकार पर तीखा हमला बोला

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि आज सबसे बड़ी समस्या देश की आर्थिक नीति, रक्षा नीति और विदेश नीति की है जिसे मोदी सरकार ने बर्बाद कर दिया है।

गांधी ने संसद भवन परिसर में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुये सरकार पर तीखा हमला करते हुये कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक नीतियां पूरी तरह विफल हो गई है और उसने देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था मर चुकी है। मोदी ने इसे खत्म कर दिया है। इस राज में अडानी-मोदी साझेदारी, नोटबंदी और त्रुटिपूर्ण जीएसटी, असफल असेम्बल इन इंडिया, एमएसएमई का सफाया, किसान कुचले गए हैं। मोदी ने भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है क्योंकि नौकरियाँ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आज देश की सबसे बड़ी समस्या देश की आर्थिक नीति, रक्षा नीति और विदेश नीति है जिसे मोदी सरकार ने बर्बाद कर दिया है। मोदी इस देश को बर्बाद कर रहे हैं। वह सिर्फ एक ही व्यक्ति अडानी के लिए काम करते हैं। इन लोगों ने सारे के सारे छोटे कारोबार खत्म कर दिए हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था आज एक मृत अर्थव्यवस्था बन गयी है। उन्होंने एक अन्य सवाल पर कहा भारत एक मृत अर्थव्यवस्था है, क्या आप लोगों को इसकी जानकारी नहीं है। पूरी दुनिया जानती है- भारत की इकॉनामी डेड इकानामी है और भाजपा ने देश की इकॉनामी को खत्म किया है। क्यों खत्म किया है- अडानी की मदद करने को खत्म किया है। विदेश मंत्री भाषण देते हुए कहते हैं कि हमारी विदेश नीति बहुत ही शानदार है। एक तरफ अमेरिका, भारत को भला-बुरा कह रहा है तो दूसरी तरफ चीन हमारे पीछे पड़ा है। जब आप अपना डेलिगेशन दुनिया भर में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता।

अमेरिका पाकिस्तान का तेल भंडार विकसित करेगा

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। भारत और रूस के बीच दशकों पुराने सहयोग और मित्रता से बुरी तरह चिढ़े हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क और जुर्माना लगाने के बाद अब पाकिस्तान के तेल भंडार के विकास में सहयोग के लिए उसके साथ एक नया समझौता किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर बुधवार रात पाकिस्तान के तेल भंडार विकास समझौते की घोषणा की। उन्होंने लिखा कि पाकिस्तान से एक नये व्यापार ढ ांचे को अंतिम रूप दे दिया गया है। इसका मकसद पाकिस्तान के अप्रयुक्त तेल भंडार विकसित करना और आयात शुल्क घटाना है। इस काम के लिए अमेरिकी तेल कंपनी का चयन अभी नहीं हुआ है। यह कंपनी पाकिस्तान के 'विशाल तेल भंडार' के विकास का काम करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

- **ट्रंप ने कहा, मुझे परवाह नहीं है कि भारत-रूस के साथ क्या करता है। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दोनों मिल कर अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को डुबा दें।**

क्या दिल्ली व वॉशिंगटन एक दूसरे के प्रति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऊर्जा और रक्षा संबंधों का गहराना और ब्रिक्स में उसकी मुखर भूमिका, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व के लिए खतरा है। लेकिन भारत को टैरिफ से सज़ा देने की इस कोशिश में ट्रंप उस व्यापक रणनीतिक ढांचे की अनदेखी कर रहे हैं, जिसे बुश, ओबामा और बाइडन जैसे पूर्व राष्ट्रपतियों ने मिलकर तैयार किया था तथा जिसमें भारत को चीन के मुकाबले एक अहम संतुलन और लोकतांत्रिक साझेदार के रूप में देखा गया था।

रैंड कॉर्पोरेशन के डेरेक जे. ग्रॉसमैन ने 31 जुलाई 2025 को भारत-अमेरिका संबंधों का 1998 के बाद का सबसे बुरा दिन बताया। उनका कहना है कि लेन-देन आधारित, आवेगपूर्ण और सार्वजनिक रूप से टकराव करने वाली ट्रम्प की शैली ने इस पारंपरिक रूप से स्थिर रिश्ते को झकझोर दिया है। नवरूप सिंह ने ट्वीट किया कि 25 वर्षों की प्रगति पल भर में मिटा दी गई। यह बात, ट्वीट की गई कई अन्य विश्लेषकों की उस भावना को व्यक्त करती है, जिसमें ट्रंप की नाराज़गी के पीछे अमेरिका की विदेश नीति में भारत को लेकर सोच में बदलाव की आशंका नज़र आती है।

दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन कहते हैं कि भारत ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से मज़बूत रिश्ते की उम्मीद की थी, खासकर पहले कार्यकाल की दोस्ताना टोन के बाद। लेकिन शायद भारत ट्रंप की अनिश्चित विदेश नीति को लेकर सतर्क नहीं रहा। कृषि उत्पादों, डिजिटल टैक्स और दवाओं की कीमतों को लेकर भारत के अनमने रुख ने ट्रंप की उस लंबे समय से चली आ रही शिकायत को और हवा दी, कि व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है, हालाँकि हाल के वर्षों में यह अंतर कम हुआ है।

यह टैरिफ एक दोतरफा ट्रेड वॉर को जन्म दे सकता है, जिसमें भारत भी जवाबी टैरिफ या रक्षा सौदों और महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े समझौतों को धीमा कर सकता है। लेकिन नुकसान केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा। दांव पर है भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की पूरी संरचना, मालाबार जैसे संयुक्त नौसैनिक अभ्यासों से लेकर सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और उन्नत तकनीक में सहयोग तक। ट्रंप द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था को मृत कहे जाने वाली टिप्पणी दिल्ली में कड़वाहट ही पैदा करेगी, जहाँ मोदी सरकार अमेरिका से निवेश आकर्षित करने और भारत को भरोसेमंद वैश्विक साझेदार दिखाने की कोशिश में लगी है।

इसके अलावा, यह कदम भारत को चीन और रूस के करीब ले जा सकता है, विशेषकर ब्रिक्स, एससीओ और ग्लोबल साउथ जैसे बहुपक्षीय मंचों में। वर्षों से भारत ने मॉस्को के साथ अपने पारंपरिक संबंधों और वाशिंगटन के साथ अपने बढ़ते सहयोग के बीच संतुलन बनाए रखा है। ट्रंप की यह कार्रवाई उस संतुलन को डगमगाने का जोखिम पैदा कर रही है। अब, जबकि अगस्त के अंत में वार्ता का एक और दौर निर्धारित है, देखना यह होगा कि क्या कूटनीति इस रिश्ते को बचा सकती है। भारत ऐसी धमकियों के आगे झुकने वाला नहीं दिखता। नई दिल्ली एकतरफा समझौतों का लगातार विरोध करती रही है और 2026 के आम चुनावों को देखते हुए घरेलू राजनीतिक दबाव के चलते किसी भी प्रकार की ढील की संभावना कम है। इस तरह, ट्रंप की टैरिफ नीति ने न केवल आर्थिक रिश्तों को खतरे में डाला है, बल्कि उस व्यापक रणनीतिक साझेदारी को भी संकट में डाल दिया है, जो 21वीं सदी की भू-राजनीति की नींव बन गई थी। अगर यह सिलसिला यूँ ही चलता रहा, तो दोनों देशों के दशकों के द्विदलीय (बाय पार्टिसन) प्रयास मिट्टी में मिल सकते हैं, जो आपसी सम्मान, रणनीतिक समन्वय और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित संबंध बनाने के लिए किए गए थे। अब सवाल केवल टैरिफ का नहीं है, बल्कि यह है कि क्या वाशिंगटन और नई दिल्ली समय रहते भरोसे को फिर से स्थापित कर सकते हैं?

राहुल 15 दिन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बातचीत करेंगे, जिन्हें मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया है। विपक्षी नेता इस दौरान चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ दल पर बड़ा हमला बोलेंगे। बिहार एसआईआर का मुद्दा संसद से लेकर बिहार की सड़कों तक गूंजता रहेगा, क्योंकि चुनाव आयोग जनता के जनादेश को छीनने का काम कर रहा है। बिहार में अगर मोदी एंड कम्पनी को हार का सामना करना पड़ा, तो यह उनकी राजनीति के लिए बड़ा झटका होगा।

मोदी पहले से ही कई मोर्चों पर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, लेकिन, जैसा कि एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, वे किसी भी कीमत पर बिहार की हार बर्दाश्त नहीं कर सकते।

जिस जूनून से अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ये सभी नई संधियाँ और समायोजन अमेरिका के राष्ट्रपति की उस हताशा से जन्मे हैं, जो उन्होंने खुद को वैश्विक मामलों का निर्णायक नेता स्थापित करने के प्रयास में दिखाई है। वे व्लादिमीर पुतिन के साथ अपने 'व्यक्तिगत करिश्मा' के ज़रिए यूक्रेन संकट सुलझाने की उम्मीद कर रहे थे, जिसमें वे पूरी तरह विफल रहे।

वे इज़रायल के नेता बेंजामिन नेतन्याहू के साथ भी कोई सफलता नहीं पा सके। गाज़ा में जारी मानवीय संकट को रोकने के उनके प्रयास बार-बार विफल रहे। नेतन्याहू ने गाज़ा और सीरिया पर हमलों में बार-बार अमेरिकी राष्ट्रपति की उपेक्षा की।

विदेश नीति में ट्रम्प की असफलता उनके पूर्ववर्ती की तरह ही सामने आई है, जिनकी उन्होंने तीव्र आलोचना की थी। अब वही कलंक खुद ट्रम्प पर चिपक गया है।

इस पृष्ठभूमि में, जब ट्रम्प की "डील मेकर" की छवि पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, ट्रंप ने यूरोपीय संघ, जापान और ब्रिटेन के साथ व्यापार एजेंडे को आगे बढ़ ाया। इसी तरह, उन्होंने भारत के साथ भी एकतरफा व्यापार समझौता करने की कोशिश की, लेकिन भारत ने झुकने से इनकार कर दिया।

भारत को सजा देने की ट्रम्प की उग्रता उनकी अधीरता को दर्शाती है। उन्होंने बार-बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी 'दोस्ती' का दावा किया है, लेकिन अब वे भारत और मोदी दोनों को एक कठिन वार्ताकार मानते हैं, जिनसे वे निराश हैं।

ट्रंप ने भारत पर अधिक टैरिफ लगा दिए, जबकि व्यापार वार्ता अभी समाप्त नहीं हुई थी। अब वे रूसी कच्चे तेल की भारतीय खरीद पर और अधिक टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, जो अभी घोषित नहीं हुए हैं। खास बात यह है कि उन्होंने चीन पर ऐसा कोई टैरिफ नहीं लगाया है, जबकि वह भी रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है।

इससे भारत एक दोहरे संकट में फंस गया है। अमेरिका और भारत के बीच सहयोग की अपेक्षा थी, लेकिन अब वे विरोधी पक्षों में खड़े दिख रहे हैं।

इस बीच, असली लाभार्थी चीन बन रहा है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन पहले से ही अमेरिका के साथ एक समझौते पर बातचीत कर रहा है और यह वार्ता स्टॉकहोम में प्रगति पर है। अगर यह सौदा हो जाता है, तो अमेरिका अपनी निगाहें भारत जैसे अन्य देशों पर केन्द्रित कर सकता है।

विपक्ष ने दिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद, शून्यकाल शुरु करते हुए सदन की कार्यवाही प्रारंभ की, लेकिन विपक्षी दलों के सदस्य हंगामा और नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गये। हंगामा बढ़ ने लगा तो बिरला ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

अविप्रा

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

टोडरमल मार्ग, सिविल लाइन्स, अजमेर राजस्थान 305001

Email : ajmerada@gmail.com फोन नं. 0145-2620740, 0145-2627748

अजमेर महानगर की ओर अग्रसर

अजमेर के समग्र विकास में अजमेर विकास प्राधिकरण हर कदम पर अग्रणी

प्रगतिरत विकास कार्य

क्र.सं.	मद	कार्य	राशि (रु. करोड़ों में)
1.	योजना	48	164.20
2.	गैर योजना	43	98.46
3.	डिपोजिट	13	273.10
	योग	104	535.76 करोड़

तीन नई आवासीय/व्यावसायिक योजनाएं

अटल आवासीय योजना : चाचियावास में 39 बीघा (28485.44 वर्गमीटर) में 191 भूखंडों की अटल आवासीय योजना ।
तोलामाल ट्रांसपोर्ट हब योजना (किशनगढ़): नसीराबाद बाईपास पर तोलामाल में 514 बीघा में बहुउद्देशीय ट्रांसपोर्ट लॉजिस्टिक हब योजना।
पृथ्वीराज नगर व्यावसायिक ब्लॉक: पृथ्वीराज नगर में 3 बहुउद्देशीय व्यावसायिक ब्लॉक में भूखंडों की नीलामी भी जारी है।

प्राधिकरण की योजनाएं

पृथ्वीराज नगर, हरिभाऊ उपाध्याय नगर (मुख्य), हरिभाऊ उपाध्याय नगर विस्तार, डी.डी. पुरम, जे.पी. नगर, सूरजकुण्ड, अटल आवासीय, तोलामाल, कोटडा, पंचशील नगर, अर्जुनलाल सेठी नगर, चन्दरवरदायी नगर।

अटल आवासीय योजना

चाचियावास स्थित अटल आवासीय योजना में 191 भूखण्डों की ऑनलाईन लॉटरी से आवंटन किया जाएगा। भूखण्ड हेतु आवेदन करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है। आवेदन करने की अंतिम दिनांक 12.08.2025 रखी गई है। योजना में भूखण्डों की आरक्षित दर 16227/- रुपए प्रति वर्गमीटर अर्थात 13568/- रुपए प्रति वर्गगज रखी गई है।

योजना क्षेत्र में विकास कार्य (करोड़ो में)

1.	सड़क	64.37
2.	पेयजल	50.53
3.	विद्युत	8.63
4.	ड्रेनेज	9.72
5	अन्य	30.95
	योग	164.20

गैर योजना क्षेत्र में विकास कार्य (करोड़ों में)

1.	सड़क	42.33
2.	विद्युत	11.15
3.	ड्रेनेज	28.00
4.	अन्य	16.98
	योग	98.46

अन्य आकर्षण

1. भूखण्डों की नीलामी पूर्ण पारदर्शिता से यू.डी.एच पोर्टल के माध्यम से
2. ऑनलाइन सेवा प्रदायगी व्यवस्था
3. आमजन से फीड बैक लेकर समस्याओं के निवारण हेतु हैल्प डेस्क
4. हरियालों राजस्थान (एक पेड मां के नाम) के अन्तर्गत 1 लाख पोधारोपण
5. राइजिंग राजस्थान के अन्तर्गत 76 एमओयू में 2300 करोड का निवेश
6. क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर